MINI SOU
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शुक्रवार, 20 नवंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-316

कार्पोरेट का सवाल!

मोदी ने दिग्गजों को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को देश के बड़े कॉर्पोरेट घरानों पर तीखी टिप्पणी करते हुए आरोप लगाया कि सरकार ने कंपनियों को करों में राहत दी, लेकिन उन्होंने इसका लाभ अपने तक ही सीमित रखा। न तो कर्मचारियों के वेतन में अपेक्षित वृद्धि की और न ही नए रोजगार पैदा करने के लिए जरूरी कदम उठाए। प्रधानमंत्री ने कारोबारियों से सवाल किया कि क्या इसी तरह कामकाज चलता रहेगा?

प्रधानमंत्री ने यह बात दिल्ली के भारत मंडपम में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के कार्यक्रम में कही। संगठन के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में कई बड़े कारोबारी मौजूद थे। कॉर्पोरेट जगत के सामने प्रधानमंत्री की यह पहली ऐसी सख्त टिप्पणी बताई जा रही है।

'भूख इतनी कि पेट नहीं भरता'

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने वर्ष 2014 में 30 प्रतिशत रहे कॉर्पोरेट कर को वर्ष 2019 में घटाकर 22 प्रतिशत कर दिया था। इसके अलावा, नई कर व्यवस्था में कुछ शर्तों के साथ 12 लाख रुपये तक की सालाना आय पर भी कर छूट दी गई। सरकार की ओर से राहत मिलने के बावजूद कंपनियों ने कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने और नए रोजगार देने के लिए कोई खास कदम नहीं उठाया।

कारोबारियों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने तंज कसते हुए कहा, मुझे मालूम है कि आप ताली नहीं बजाओगे। अच्छी तरह जानता हूं, क्योंकि आपकी भूख इतनी है कि कितना भी खिलाओ, पेट नहीं भरता।



इसके बाद उन्होंने कारोबारियों से सवाल किया, क्या आपने अपने कर्मचारियों की सैलरी बढ़ाई है? क्या आपने नौकरी देने वाले लोगों की संख्या बढ़ाई है? नहीं। आपका रवैया ऐसा है-मोदी जी, आप करते रहिए, हम तो बस देखते रहेंगे। प्रधानमंत्री ने पूछा कि क्या कारोबार इसी तरह चलता रहेगा?

मुनाफा बढ़ा, कर्मचारियों की कमाई नहीं

भारत में पिछले एक दशक के दौरान महंगाई को ध्यान में रखने के बाद कर्मचारियों की कमाई या तो स्थिर रही है या उसमें गिरावट आई है। जानकारों का कहना है कि निजी क्षेत्र अच्छी और सुरक्षित नौकरियां पैदा करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा रहा है। ज्यादातर नए रोजगार अस्थायी और काम के हिसाब से मिलने वाली नौकरियों यानी गिग वर्क में जुड़ रहे हैं।

सरकार को उम्मीद थी कि कॉर्पोरेट कर घटाने से कंपनियां अधिक लोगों को नौकरी देंगी और कर्मचारियों का वेतन बढ़ाएंगी, लेकिन इसका लाभ कर्मचारियों तक नहीं पहुंचा। दूसरी ओर, महंगाई से आम लोग परेशान रहे और सरकार को कंपनियों से मिलने वाले कर के मुकाबले व्यक्तिगत आयकर से अधिक कमाई होने लगी। देश की अर्थव्यवस्था में आम लोगों के खर्च की बड़ी भूमिका है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में घरेलू खपत की हिस्सेदारी 61.5 प्रतिशत है। ऐसे में लोगों की कमाई और खर्च करने की क्षमता प्रभावित होने से आर्थिक विकास पर भी असर पड़ता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने आम लोगों की खर्च करने की क्षमता बढ़ाने के लिए आयकर में बड़ी राहत दी है। इससे लोगों के पास खर्च करने के लिए अधिक पैसा बचा है।

एक सप्ताह में मिल रहा टैक्स रिफंड

प्रधानमंत्री ने आयकर रिटर्न और रिफंड की प्रक्रिया आसान बनाने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहले कर रिफंड मिलने में कई महीने लग जाते थे, लेकिन अब यह राशि एक सप्ताह में मिल जाती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, हमने टैक्स रिटर्न और रिफंड की व्यवस्था भी आसान की है, ताकि टैक्स देने वालों का पैसा बेवजह सिस्टम में न फंसा रहे। ▶8पर

नौकरी के साथ भी, नौकरी के बाद भी

EPFO नियम बदले



नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के तहत एक बड़ा बदलाव हुआ है। ईपीएफओ पर फैसला लेने वाले केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने एक ऐसी योजना को मंजूरी दी है, जिसके तहत अब सदस्यों को भविष्य निधि से हर महीने नियमित आय मिल सकेगी। इसका फायदा यह भी होगा कि सेवानिवृत्त होने के बाद भी उन्हें वेतन की तरह नियमित आमदनी का विकल्प मिलेगा।

दरअसल, ईपीएफओ के केंद्रीय न्यासी बोर्ड ने गुरुवार को व्यवस्थित निकासी योजना (एसडब्ल्यूपी) को मंजूरी दी। इसके तहत सेवानिवृत्त होने वाले सदस्य अपनी भविष्य निधि की बचत को एक बार में पूरी निकालने के बजाय किस्तों में निकाल सकेंगे। इस प्रस्तावित सुविधा से सेवानिवृत्त लोगों को नियमित आय मिलेगी, जबकि बची हुई रकम पर ब्याज मिलता रहेगा।

एसडब्ल्यूपी की व्यवस्था म्यूचुअल फंड में पहले से है। इसमें एकमुश्त पैसा जमा करके हर महीने एक तय राशि निकाली जा सकती है और शेष रकम पर ब्याज से कमाई होती रहती है। अब यही व्यवस्था भविष्य निधि के तहत भी लाई गई है। ईपीएफओ में एसडब्ल्यूपी के माध्यम से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारी अपनी भविष्य निधि की बचत से समय-समय पर भुगतान प्राप्त कर सकेंगे, बजाय इसके कि वे पूरी जमा रकम एक बार में निकाल लें।

कब से किस्तों में निकाल सकेंगे पैसा?

समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, यह फैसला गुरुवार, 19 नवंबर को केंद्रीय न्यासी बोर्ड की बैठक में लिया गया। इससे कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति बचत निकालने के तरीके में बड़ा बदलाव आया है। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत 58 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त होने वाले सदस्यों के पास अपना कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) कोष मासिक, तिमाही या सालाना किस्तों में निकालने का विकल्प होगा, जबकि बाकी रकम पर ब्याज मिलता रहेगा।

कैसे काम करेगी एसडब्ल्यूपी?

अभी सेवानिवृत्त होने वाले ईपीएफओ सदस्य अपना जमा किया हुआ भविष्य निधि बैलेंस एक साथ निकाल सकते हैं। प्रस्तावित एसडब्ल्यूपी के तहत वे अपनी बचत को ईपीएफ व्यवस्था में रख पाएंगे और नियमित भुगतान प्राप्त कर सकेंगे। इस सुविधा का उद्देश्य सदस्यों को अपनी बची हुई रकम पर स्वामित्व बनाए रखने की अनुमति देते हुए अनुमानित और नियमित सेवानिवृत्ति आय उपलब्ध कराना है। ईपीएफओ अभी 8.25 प्रतिशत सालाना ब्याज दर दे रहा है।

सदस्य की मृत्यु पर किसे मिलेगी रकम?

ईपीएफओ ने स्पष्ट किया है कि यदि निकासी अवधि के दौरान किसी सदस्य की मृत्यु हो जाती है, तो नामित व्यक्ति या आश्रित या तो बची हुई रकम निकाल सकता है अथवा समय-समय पर भुगतान लेना जारी रख सकता है। ▶8पर

सोना 1.28, चाँदी 1.60

2028 तक 1.69 का गोल्डमैन दावा



नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

सोने और चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट देखी जा रही है। गुरुवार को भी दोनों कीमती धातुओं के दाम गिरे। इस गिरावट के कारण रिकॉर्ड ऊंचाई से सोना 65,000 रुपये सस्ता होकर 1.28 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि चांदी 2.60 लाख रुपये गिरकर 1.60 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। ये कीमतें मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) के हिसाब से हैं। इस गिरावट के बीच गोल्डमैन सैक्स का अनुमान है कि 2027 के आखिर तक सोने का भाव 4,650 डॉलर प्रति औंस यानी करीब 1.40 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच सकता है। वहीं, 2028 के आखिर तक यह 5,600 डॉलर यानी करीब 1.69 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम का स्तर छू सकता है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में संभावित कटौती, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और पश्चिमी देशों के निवेशकों की वापसी इस तेजी की बड़ी वजह बन सकती है। ▶8पर

जल रहा है बांग्लादेश

हसीना वापसी से पूर्व हिंसक तांडव



नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में वर्ष 2024 के विरोध प्रदर्शनों के दो साल बाद एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग ने गुरुवार को देशभर में सुबह से शाम तक बंद का आह्वान किया है। यह प्रदर्शन ऐसे समय हो रहा है, जब देशभर में आगजनी, तोड़फोड़, पुलिस से झड़प और परिधान उद्योग के मजदूरों के आंदोलन से हालात बिगड़े हुए हैं।

शेख मुजीबुर रहमान द्वारा स्थापित अवामी लीग के नेतृत्व में वर्ष 2009 से 2024 तक सरकार चली थी। वर्ष 2024 के छात्र विरोध प्रदर्शनों के बाद हसीना की सत्ता चली गई और वह भारत आ गईं।

शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने अवामी लीग की राजनीतिक गतिविधियों और जुबो लीग तथा छात्र लीग जैसे संगठनों पर प्रतिबंध लगा दिया था। ऐसे में शेख हसीना के बांग्लादेश लौटने की खबरों के बाद से ही वहां हालात बिगड़ गए हैं। हसीना की संभावित वापसी से पहले अवामी लीग के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर रहे हैं।

अवामी लीग की आठ मांगें

पार्टी ने 14 से 19 नवंबर तक पांच दिवसीय विरोध कार्यक्रम के तहत गुरुवार के बंद का ऐलान किया है। आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर जारी बयान में आठ मांगें रखी गई हैं। इनमें अवामी लीग पर लगा प्रतिबंध हटाना, अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण को खत्म करना, कथित मनगढ़ंत फैसलों और झूठे मामलों को वापस लेना, राजनीतिक बंदियों की रिहाई, जरूरी चीजों की कीमतों पर नियंत्रण और बंद औद्योगिक इकाइयों को फिर से खोलना शामिल है। अवामी लीग ने 14 नवंबर को पर्चे बांटने और दीवार लेखन से अभियान शुरू किया। 15 नवंबर को रैलियां निकाली गईं, 16 नवंबर को ज्ञापन सौंपे गए और 17 नवंबर को एक साल पहले हसीना को ▶8पर

|| श्री गणेशाय नमः || ॐ श्री जीण भगवते नमः || श्री श्याम देवाय नमः || श्री हनुमंते नमः ||
सभी श्याम प्रेमियों को श्री श्याम जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ
भाग्यनगर (हैदराबाद) के बेगम बाजार में पाँच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव
श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा मंदिर
22 नवम्बर से 26 नवम्बर 2026 तक
शुभस्थल : खेमदास मठ (चूड़ी धाम), चूड़ी बाजार, बेगम बाजार, हैदराबाद
प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव
26 नवंबर 2026
पावन सान्निध्य
महंत श्री डॉ. मनुदास निरंजनी स्वामी
मठाधीश खेमदास मठ
श्री जीण माता प्राण प्रतिष्ठा याज्ञआचार्य
पं. श्री भंवरलाल शर्मा
हैदराबाद
श्री श्याम बाबा प्राण प्रतिष्ठा याज्ञआचार्य
ज्योतिष गुरु वेद प्रकाश महर्षियाँ मुंबई
Food Partner KAVITA CATERERS
Media Partner CLICK MAGIK
Sound Partner CAD CHANAK AUDIO
Travel Partner
कलश-निशान शोभा यात्रा
रविवार दि.22-11-2026
प्रातः 7:31 बजे से
महाभिषेक : प्रातः 7 बजे से
महादेव मंदिर चारमीनार से
भव्य श्रृंगार
अद्भुत झांकियाँ
रंगोली
बैण्ड बाजा
श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा की भव्य कलश एवं निशान शोभायात्रा में भाग लेने वाली समस्त माताओं, बहनों एवं पुरुष श्रद्धालुओं से सादर निवेदन है कि वे प्रातः 7:00 बजे महाअभिषेक में सम्मिलित होने हेतु समय पर पधारें एवं इस पावन धार्मिक अनुष्ठान का लाभ प्राप्त करें।
शोभा यात्रा मार्ग
भव्य कलश एवं निशान शोभायात्रा महादेव मंदिर, चारमीनार से प्रारंभ होकर गुलजार हौज, मदन भवन, चारकमान, सूरज भवन, घांसी बाजार, सिटी कॉलेज, भूलक्ष्मी माता मंदिर, बेगम बाजार छतरी होते हुए श्री खेमदास मठ बेगम बाजार पहुंचेगी। सभी भक्तों से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ावे।
विशेष आकर्षण
रविवार दि.22-11-2026 सायं 7:00 बजे से
श्री जीण माता का मंगल पाठ
कथा वाचक : श्री आशीष देशवाल, चण्डीगढ़
प्रस्तुतकर्ता : जीण माई के लाड़ले, हैदराबाद
सोमवार दि.23-11-2026 सायं 7:00 बजे से
श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा भजन संध्या
भाग्यनगर के भजन सम्राट श्री मुरारी दाहिमा के पावन सान्निध्य में
मंगलवार दि.24-11-2026 सायं 7:00 बजे से
संगीतमय सुन्दरकाण्ड पारायण
प्रस्तुतकर्ता - श्री कैलाश जावड़ा, भाग्यनगर
बुधवार दि.25-11-2026, दोपहर 3:15 बजे से
श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा का नगर भ्रमण
गुरुवार दि.26-11-2026, सायं 7:00 बजे से
श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा का गुणगान
भारतवर्ष के सुप्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा
गिरीश कुमार गुप्ता 9866433800
दिलीप कुमार जैन 9866991098
विनय जैन 9150000099
रमाकान्त गोयल 9391034050
दीपक गुप्ता 8008066000
प्रतीक कुमार नारसरिया 9247253655
भाग्यनगर की सभी धार्मिक संस्थाएं एवं भक्तगण सादर आमंत्रित है
Manish Kumar Agarwal 9849219040
शुभकामनाओं सहित
मदनलाल प्रदीप कुमार अग्रवाल (मदन भवन वाले)
Siddharth Agarwal 9885690025
Vaishnavi Furniture's And Electronics Kothi, Hyderabad
Vaishnavi Agencies Red Hills, Hyderabad
Vaishnavi Pharma Red Hills, Hyderabad

कार्टून कॉर्नर



मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 29°
न्यूनतम : 21°

दाऊद मज़े में है!

कमसीन से अय्याशी, मुजरा भी जारी



नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम को लेकर अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के पूर्व एजेंट कामरान फरीदी ने कई बड़े दावे किए हैं। उन्होंने दाऊद की निजी जिंदगी से लेकर पाकिस्तान में उसके ठिकानों और काम करने के तरीकों तक के बारे में कई अहम बातें बताई हैं। कामरान के दावों में दाऊद की कम उम्र की लड़की से शादी, पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को रात में फोन करने और एक फकीर की इजाजत के बिना कोई काम नहीं करने जैसी बातें शामिल हैं।

कामरान फरीदी ने आज तक रेडियो के पॉडकास्ट में दाऊद से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उनका दावा है कि एफबीआई के ऑपरेशन के तहत उन्हें पाकिस्तान में दाऊद इब्राहिम, अलकायदा और इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) के नेटवर्क में घुसकर काम करने के लिए भेजा गया था। उनके मुताबिक, इस दौरान उनकी दाऊद से कई बार मुलाकात हुई और वह उसके साथ कई पार्टियों में भी गए। हालांकि, इन सभी बातों की पुष्टि स्वतंत्र रूप से नहीं हुई है और ये कामरान फरीदी के दावे हैं। ▶8पर



तालिबान के राज में काबुल की महिलाएं : गुप्त रूप से स्कूल और ब्यूटी सैलून चला रहीं

काबुल

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में महिलाएं तालिबान के कड़े प्रतिबंधों को चुपचाप चुनौती दे रही हैं, अपनी और दूसरों की जिंदगी को मकसद दे रही हैं। गुप्त रूप से स्कूल चलाकर, ब्यूटी सैलून और छोटे कारोबार के जरिए वे न केवल अपने परिवारों का भरण-पोषण कर रही हैं, बल्कि उम्मीद की एक छोटी सी लौ भी जलाए हुए हैं। दरअसल अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद महिलाओं पर कई तरह की पाबंदियां लगाई गईं, जिन्होंने उनके जीवन को पूरी तरह से बदल दिया। प्राथमिक शिक्षा से आगे पढ़ाई पर रोक लगा दी गई, पार्क और जिम में उनके जाने पर प्रतिबंध लगा, ब्यूटी सैलून बंद किए गए और अधिकतर नौकरियों से उन्हें वंचित किया गया। सिर से पैर तक शरीर ढकने के सख्त नियम लागू किए गए, जिससे अफगानिस्तान में महिला होना ही एक अपराध बन गया।

इन प्रतिबंधों को सदाचार के प्रचार और बुराई की रोकथाम संबंधी मंत्रालय की नैतिकता पुलिस सख्ती से लागू कराती है। सफेद कोट में गश्त करने वाले इन अधिकारियों का भय महिलाओं में व्याप्त है, क्योंकि नियमों का उल्लंघन करने पर उन्हें हिरासत में लेकर पिटाई भी की जा सकती है। हालांकि, मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद असलम बदरीवाल का कहना है कि वे इस्लामी शरीयत के तहत सभी के अधिकार सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और महिलाएं इस्लामी शरीयत के सिद्धांतों का पालन करते हुए अपने सामाजिक व व्यावसायिक कार्य कर सकती हैं।

लेकिन आधिकारिक बयान के विपरीत, काबुल की कई महिलाएं अपने जीवन की डोर खुद थामने के लिए जोखिम भरे रास्ते अपना रही हैं। ऐसी ही एक 40 वर्षीय महिला, जो वर्षों से ब्यूटी सैलून में काम करती थी, प्रतिबंधों से निराश हो गई थी। अपने जीवन में शून्य महसूस करते हुए, महिला ने एक अपार्टमेंट किराए पर लेकर गुप्त रूप से अपना सैलून खोल लिया। शादियों के दौरान आकर्षक हेयर स्टाइल और मेकअप की मांग के चलते जल्द ही उसके पास करीब 30 ग्राहक आने लगे। यह सैलून उसके बेरोजगार पति और परिवार के लिए आर्थिक सहारा बन गया, लेकिन अधिकारियों को इसकी भनक लग गई। छापेमारी में करीब सभी उपकरण और फर्नीचर जब्त कर लिए गए। महिला पूरी तरह टूट गई थी, मगर ग्राहकों के लगातार फोन और आर्थिक जरूरतों के चलते दोबारा हिम्मत जुटाई और एक अन्य अपार्टमेंट में फिर से सैलून शुरू कर दिया। अब उसके यहां सात महिलाएं काम करती हैं, जो अपने परिवारों का खर्च चलाने में मदद कर रही हैं। एक पूर्व महिला फुटबाल खिलाड़ी के लिए, किशोरावस्था से ही फुटबाल उसकी जिंदगी का केंद्र था। महिला को अफगानिस्तान की राष्ट्रीय टीम के लिए भी चुना गया था, लेकिन दो साल बाद महिलाओं के खेलों पर लगे प्रतिबंध ने उसके सपनों को तोड़ दिया। अवसाद में जाने के बाद, उसने अपने घर के सीमित स्थान में खेलना शुरू किया और पुरानी कारों के टायरों से पंचिंग बैग बनाकर मुक्केबाजी का अभ्यास भी करने लगी। अब वह अपने घर के छोटे से आंगन में कुछ लड़कों को फुटबाल का प्रशिक्षण देती है।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में पूर्व मंत्री मोनी और अवामी लीग नेता नंदी का घर फूंका



ढाका (बांग्लादेश)। देश के चटगांव डिवीजन के चांदपुर में अज्ञात हमलावरों ने पूर्व शिक्षामंत्री डा. दीपू मोनी और अवामी लीग के आयोजन सचिव सुजीत राय नंदी के घरों में आग लगा दी। आधे घंटे के भीतर हुई इन घटनाओं में अवामी लीग के दो वरिष्ठ नेताओं की संपत्तियों को निशाना बनाया गया। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, रात करीब 9 बजे हमलावर कथित तौर पर शहर के नतून बाजार इलाके में कदमतला मार्केट स्थित दीपू मोनी के खाली पड़े तीसरे मंजिल के घर में घुस गए और वहां आग लगा दी। इमारत में रहने वालों और पड़ोसियों ने पानी डालकर आग बुझाई। पांचवीं मंजिल पर रहने वाले वकील गाजी दलाल ने बताया कि आग लगने से वहां रहने वालों में दहशत फैल गई। उन्होंने बताया कि 5 अगस्त 2024 को हुई आगजनी की घटना में यह अपार्टमेंट पहले ही बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था और लगी आग से मुख्य रूप से बचा-खुचा मलबा ही प्रभावित हुआ। चांदपुर माडल थाना प्रभारी फायेज अहमद ने कहा कि उन्हें इस घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है, लेकिन वे इसकी जांच करेंगे। रात करीब 9:30 बजे, हमलावरों के एक अन्य समूह ने चांदपुर सदर उपजिला के फरक्काबाद गांव में सुजीत राय नंदी के दो मंजिला घर में आग लगा दी। बालिया यूनियन परिषद के वार्ड 7 के सदस्य दीपू ने बताया कि हमलावर 40-50 मोटरसाइकिलों पर आए और उन्होंने घर में आग लगा दी।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर पद के लिए हकीम जेफ्रीज नामित



वाशिंगटन। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में डेमोक्रेटिक पार्टी ने हकीम जेफ्रीज को अगले स्पीकर पद के लिए अपना उम्मीदवार नामित किया है। जनवरी में नए कांग्रेस सत्र की शुरुआत के बाद यदि जेफ्रीज इस पद पर निर्वाचित होते हैं, तो वह अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के पहले अश्वेत स्पीकर बनकर इतिहास रचेंगे। पार्टी की बंद कमरे में हुई गोपनीय मतदान प्रक्रिया में जेफ्रीज को 251 वोट मिले, जबकि 11 सदस्यों ने उनके खिलाफ मतदान किया। उन्हें इस पद के लिए कोई सीधी चुनौती नहीं मिली, हालांकि पार्टी के कुछ प्रगतिशील नेताओं ने नीतिगत मुद्दों पर असहमति जताई। इनमें फिलिस्तीन से जुड़ा मुद्दा भी शामिल है। नवंबर में हुए मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी ने प्रतिनिधि सभा में बहुमत हासिल किया है। पार्टी को अब तक कम से कम 257 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि कुछ सीटों के नतीजे अभी आने बाकी हैं। ऐसे में जनवरी में सदन के पटल पर होने वाले मतदान में जेफ्रीज की जीत की संभावना मजबूत मानी जा रही है। वह मौजूदा रिपब्लिकन स्पीकर माइक जानसन की जगह ले सकते हैं, जिन्होंने चुनाव में अपनी पार्टी की हार के बाद अल्पमत में विपक्षी नेतृत्व की जिम्मेदारी नहीं लेने का फैसला किया है। अमेरिका में अश्वेत समुदाय से बराक ओबामा राष्ट्रपति और कमला हैरिस उपराष्ट्रपति रह चुकी हैं, लेकिन प्रतिनिधि सभा के स्पीकर पद पर अब तक कोई अश्वेत नेता नहीं पहुंचा है। यह पद राष्ट्रपति उत्तराधिकार की सूची में उपराष्ट्रपति के बाद दूसरे स्थान पर आता है।

जिस देश में मिले मोदी और ट्रंप वह है चीन का कट्टर दुश्मन.....कैसे शुरु हुई दुश्मनी

मनीला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की फिलीपींस की राजधानी मनीला में हो रहे आसियान (आसियाना) सम्मेलन के दौरान हुई मुलाकात ने फिर वैश्विक कूटनीति का ध्यान दक्षिण-पूर्व एशियाई देश की ओर खींचा है। फिलीपींस आकार और सैन्य ताकत के मामले में चीन से काफी छोटा है, लेकिन वह उसके सामने झुकने को तैयार नहीं है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से दक्षिण चीन सागर में समुद्री सीमा, द्वीपों पर आधिपत्य, मछली पकड़ने के क्षेत्रों और प्राकृतिक संसाधनों को लेकर तीखा विवाद जारी है, जिसके कारण फिलीपींस आज चीन के एक कड़े प्रतिद्वंद्वी के रूप में उभर कर सामने आया है। फिलीपींस और चीन के बीच दुश्मनी की मुख्य जड़ दक्षिण चीन सागर की भौगोलिक स्थिति और वहां मौजूद द्वीपों व चट्टानों पर अधिकार की लड़ाई है। चीन तथाकथित नाइन-डैश लाइन के जरिए दक्षिण चीन सागर के एक बड़े हिस्से पर अपना ऐतिहासिक दावा ठोकता है। हालांकि, फिलीपींस के अलावा वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और इंडोनेशिया जैसे देश भी इन दावों का पुरजोर विरोध करते हैं। फिलीपींस का साफ तर्क है कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के तहत उसके तट से 200 नाटिकल मील तक का विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) पूरी तरह उसके अधिकार क्षेत्र में आता है। इस इलाके में मछली पकड़ने और तेल-गैस जैसे खनिजों को निकालने का हक उसका है, और जब चीन इस क्षेत्र में अपनी सैन्य व समुद्री गतिविधियां बढ़ाता है, तो फिलीपींस इसे अपनी संप्रभुता का खुला उल्लंघन मानता है। अपनी सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए फिलीपींस ने पश्चिमी देशों और एशिया के अन्य लोकतांत्रिक देशों के साथ अपने रणनीतिक रिश्ते बेहद मजबूत किए हैं।

बिलावल भुट्टो ने पाकिस्तान सरकार को दी नए प्रांतों के मुद्दे पर बहस की चुनौती

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)

पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी ने सरकार को नए प्रांतों के मुद्दे पर खुली बहस करने की चुनौती दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सच बोलने की वजह से सरकार उन पर हमला कर रही है। पीपीपी चेयरमैन ने चेतावनी दी है कि सिंध का जबरन बंटवारा अशांति पैदा कर सकता है। उन्होंने विपक्षी दलों को आरक्षित सीटें वापस देने का प्रस्ताव भी रखा है।



द न्यूज और डान की रिपोर्ट के अनुसार, बिलावल ने कहा कि वह सिंध के बंटवारे के पक्षधर नहीं हैं। उन्होंने इसकी आलोचना करने वाले संघीय मंत्रियों को करारा जवाब दिया। बिलावल ने कहा, ऐसा लगता है कि संघीय मंत्रियों ने सच बोलने के लिए मुझसे उलझने का फैसला कर लिया है। उनकी प्रतिक्रिया दिखाती है कि वे आलोचना बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं।

पीपीपी चेयरमैन ने सवाल उठाया कि अगर राजनेता उनकी बात सुनने को तैयार नहीं हैं, तो आम नागरिक सरकार से अपनी आवाज सुने जाने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं संघीय मंत्रियों ने सिंध के प्रस्तावित बंटवारे के खिलाफ बिलावल के विरोध की कड़ी आलोचना की है। उनका तर्क है कि बेहतर शासन के लिए छोटे प्रांत बनाना जरूरी है और जनमत को अहमियत दी जानी चाहिए।

रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि जनता के समर्थन के बिना किसी भी राजनीतिक व्यवस्था को नहीं बदला जा सकता। वहीं, संघीय स्वास्थ्य मंत्री मुस्तफा कमाल ने छोटे प्रांतों के गठन को अपरिहार्य बताते हुए कहा कि इनके बिना देश ठीक से काम नहीं कर सकता। तलाल चौधरी सहित अन्य मंत्रियों ने भी बिलावल के रुख पर सवाल उठाए।

आलोचना का जवाब देते हुए बिलावल ने कहा कि एक प्रमुख राजनीतिक पक्षकार के तौर पर वे स्थिति को सुधारने के लिए सुझाव दे रहे हैं। उन्होंने राजनीतिक नेताओं से सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि नए प्रांतों पर यह बहस मंत्रियों, प्रधानमंत्री या अन्य राजनीतिक पक्षकारों से सलाह लिए बिना ही शुरू कर दी गई।

उन्होंने कहा, अगर आपने यह बहस शुरू की है तो इसे खुले तौर पर करने की हिम्मत भी दिखाएं। इसे सिर्फ अपने चुने हुए लोगों के जरिए नहीं चलाया जा सकता, जहां बाकी सभी लोगों से यह उम्मीद की जाए कि वे या तो सहमत हों या चुप रहें।

बिलावल ने कहा कि चर्चा सिर्फ नए प्रांत बनाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसमें देश की बुनियादी समस्याओं पर भी बात होनी चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि किसके पास यह अधिकार है कि वह यह घोषित करे कि व्यवस्था पूरी तरह विफल हो गई है और उसे फिर से व्यवस्थित करने की जरूरत है क्या पीसीबी चेयरमैन के पास यह कहने का अधिकार है कि सिस्टम पूरी तरह फेल हो गया है क्या सिस्टम को रीसेट करने का फैसला लेने की जिम्मेदारी पीसीबी को सौंप दी गई है

बिलावल ने 1980 और 1990 के दशक में सिंध की राजनीतिक स्थिति को भी याद किया, जब प्रांत के भीतर फूट डालने की कोशिशें की गई थीं। उन्होंने चेतावनी दी कि यह खतरा अभी भी बना हुआ है और कहा कि उनकी पिछली बातों का मकसद सिर्फ आगाह करना था, न कि धमकी देना।

उन्होंने कहा, मैं बस खतरे की घंटी बजा रहा था, कोई धमकी नहीं दे रहा था। मैं बस उन नतीजों के बारे में आगाह कर रहा था जो ऐसे कदम थोपने से सामने आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि जबरदस्ती करने से ऐसी अशांति फैल सकती है जिसे संभालना मुश्किल होगा। संवैधानिक सुधारों पर बात करते हुए बिलावल ने 27वें संशोधन के तहत एक संवैधानिक अदालत के गठन को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया और कहा कि वह इस संशोधन से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने साफ किया कि वह इस संशोधन या संवैधानिक अदालतों को खत्म करने की बात नहीं कर रहे हैं।

बिलावल ने कहा कि वह सरकार का समर्थन करना जारी रखेंगे और चाहते हैं कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सफल हों। उन्होंने कहा कि जनता की राजनीतिक नेताओं से मुख्य उम्मीद यही है कि वे देश की आर्थिक समस्याओं को हल करें। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि क्या पीपीपी का राजनीतिक भविष्य गवर्नर या सीनेट चेयरमैन के पदों पर निर्भर है।

पीटीआई के संस्थापक इमरान खान का जिक्र करते हुए बिलावल ने पूछा कि क्या उन्हें एक राजनीतिक कैदी नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा, मेरे लिए यह मानना मुश्किल है कि इस देश का हर प्रधानमंत्री चोर है। मैं एक ऐसा दिन देखना चाहता हूँ जब कोई पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बने और उसे जेल न जाना पड़े।

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के करीबी पूर्व शिक्षामंत्री नूरुल इस्लाम नाहिद को ढाका में पुलिस ने हिरासत में लिया



ढाका (बांग्लादेश)

देश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अगले माह दिसंबर में स्वदेश वापसी की घोषणा से राजनीतिक टकराव बढ़ता जा रहा है। हसीना के गृह जनपद गोपालगंज में हिंसा के शोले भड़कने के बाद राजधानी ढाका में उनके करीबी और पूर्व शिक्षामंत्री नूरुल इस्लाम नाहिद को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। सिलहट-6 के पूर्व सांसद नाहिद अवामी लीग के वरिष्ठ नेता हैं। अवामी लीग पर सालभर से प्रतिबंध लगा हुआ है। इसकी नेता पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना हैं। बांग्लादेश की अदालत हसीना की गैर मौजूदगी में उन्हें मौत की सजा सुना चुकी है।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग की सलाहकार परिषद के सदस्य नूरुल इस्लाम नाहिद को राजधानी के उत्तरा इलाके में एक घर से पुलिस हिरासत में लिया लिया। यह कार्रवाई 2024 में छात्रों के नेतृत्व वाले आंदोलन के दौरान हुई हत्याओं के मामलों के सिलसिले में की गई है। पुलिस ने तड़के करीब 2:20 बजे सेक्टर 3 की रोड नंबर 2 पर स्थित एक घर पर छापा मारा। इस घर पर वह वो अपने परिवार के साथ रह रहे थे। यहीं से पुलिस 81 वर्षीय नेता नूरुल इस्लाम नाहिद को हिरासत में लेकर अपने साथ ले गई। राजधानी ढाका के उत्तरा पश्चिम थाना प्रभारी मोहम्मद खालिद मंसूर ने कहा कि नाहिद को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि भेदभाव-विरोधी छात्र आंदोलन के दौरान हुई हत्याओं के मामले में पूर्व मंत्री के खिलाफ कई केस दर्ज किए गए हैं। पुलिस इन आरोपों की जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई पर विचार कर रही है। नाहिद सिलहट-6 निर्वाचन क्षेत्र (जिसमें बीनीबाजार और गोलापगंज शामिल हैं) से सांसद रह चुके हैं। 2008 के संसदीय चुनाव के बाद अवामी लीग के सरकार बनाने पर उन्हें शिक्षामंत्री बनाया गया। करीब एक दशक तो वह इस पद पर रहे।

पक्षियों में दिशा पहचानने की होती है कई प्राकृतिक क्षमताएं



लंदन। हर साल प्रवासी पक्षी सर्दियों में गर्म इलाकों का रुख करते हैं और मौसम बदलने पर वापस अपने पुराने ठिकानों पर लौट आते हैं। ये पक्षी हर साल हजारों किलोमीटर का सफर तय कर एक देश से दूसरे देश पहुंचते हैं। हैरानी की बात यह है कि महीनों तक लंबी दूरी तय करने के बावजूद कई पक्षी उसी पेड़ और उसी पुराने घोंसले तक पहुंच जाते हैं। प्रकृति के रहस्यों में प्रवासी पक्षियों की लंबी यात्राएं सबसे हैरान करने वाली हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, पक्षियों में दिशा पहचानने की कई प्राकृतिक क्षमताएं होती हैं। इनमें पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को महसूस करना, सूरज की स्थिति और तारों के सहारे रास्ता पहचानना शामिल है। वैज्ञानिक लंबे समय से यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि पक्षियों का शरीर इस तरह का प्राकृतिक नेविगेशन सिस्टम कैसे विकसित करता है। शोधकर्ताओं ने पक्षियों की आंखों में मौजूद क्रिप्टोक्रोम नाम के प्रोटीन का अध्ययन किया है। माना जाता है कि यह प्रोटीन पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र को महसूस करने की प्रक्रिया में भूमिका निभा सकता है। सूरज की नीली रोशनी पड़ने पर इस प्रोटीन में इलेक्ट्रानों से जुड़ी विशेष रासायनिक प्रतिक्रियाएं हो सकती हैं। इन्हें क्वांटम प्रभावों से जोड़कर देखा जाता है।

हिरोयुकी ताओ बने तोशिबा जेएसडब्ल्यू के प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली।

जापान के तोशिबा समूह और भारत के जेएसडब्ल्यू समूह के संयुक्त उद्यम तोशिबा जेएसडब्ल्यू पावर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड ने श्री हिरोयुकी ताओ को कंपनी का नया प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की है।

श्री ताओ ने होक्काइडो विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। वे वर्ष 1993 में तोशिबा समूह से जुड़े थे। समूह में तीन दशक से अधिक के अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने थर्मल पावर इंजीनियरिंग, विदेशों में विद्युत संयंत्र परियोजनाओं, इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण (ईपीसी) परियोजनाओं के निष्पादन, इंजीनियरिंग प्रबंधन और परियोजना प्रबंधन के क्षेत्र में व्यापक अनुभव अर्जित किया है।

अपने पेशेवर सफर में उन्होंने तोशिबा कॉर्पोरेशन और उसकी सहयोगी कंपनियों में कई महत्वपूर्ण नेतृत्वकारी पदों पर कार्य किया है। अब उन्हें तोशिबा जेएसडब्ल्यू पावर सिस्टम्स की जिम्मेदारी सौंपी गई है।



विदेशों में विद्युत संयंत्र परियोजनाओं और ईपीसी परियोजनाओं के निष्पादन का उनका व्यापक अनुभव जटिल विद्युत परियोजनाओं के इंजीनियरिंग से लेकर उनके सफल क्रियान्वयन तक महत्वपूर्ण साबित होगा।

उनकी विशेषज्ञता से कंपनी को विद्युत उत्पादन उपकरणों, रखरखाव सेवाओं और डिजिटल समाधानों के क्षेत्र में अपने कारोबार का विस्तार करने में मदद मिलेगी। साथ ही ग्राहकों की बदलती जरूरतों और भारत के ऊर्जा क्षेत्र में उभरते अवसरों के अनुरूप कंपनी अपनी कार्यक्षमता एवं सेवाओं को और मजबूत कर सकेगी।

नई जिम्मेदारी संभालने पर श्री हिरोयुकी ताओ ने कहा, यह दायित्व संभालना मेरे लिए सम्मान की बात है। थर्मल पावर इंजीनियरिंग और परियोजना निष्पादन के क्षेत्र में तीन दशक से अधिक समय बिताने के बाद अब मैं तोशिबा जेएसडब्ल्यू की टीम के साथ मिलकर कंपनी की इंजीनियरिंग, विनिर्माण, परियोजना निष्पादन और रखरखाव सेवाओं की क्षमताओं को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं।

उन्होंने आगे कहा कि तोशिबा की तकनीक और गुणवत्ता प्रबंधन की कार्यप्रणालियों को भारत में अपने अनुभव के साथ जोड़कर कंपनी ग्राहकों के विद्युत संयंत्रों की विश्वसनीयता और कार्यक्षमता बढ़ाने में निरंतर सहयोग देगी। इसके साथ ही भारत के विद्युत क्षेत्र के विकास में भी अपना योगदान जारी रखेगी।

सेवाएं ठप की घटनाओं ने डिजिटल बुनियादी ढांचे पर निर्भरता के जोखिमों को किया उजागर

माइक्रोसाफ्ट और एयरलाइंस के बाद एप्पल और मैरियट की डिजिटल सेवाएं भी हुईं ठप

वाशिंगटन

अमेरिका में पिछले एक सप्ताह से लगातार सामने आ रहे तकनीकी व्यवधानों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। संघीय विमानन प्रशासन, यूनाइटेड एयरलाइंस और माइक्रोसाफ्ट जैसे दिग्गज संस्थानों की सेवाएं बाधित होने के बाद अब दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों में से एक एप्पल और प्रमुख होटल श्रृंखला मैरियट इंटरनेशनल की डिजिटल सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। लगातार हो रही इन घटनाओं ने आधुनिक प्रौद्योगिकी मंचों और डिजिटल बुनियादी ढांचे पर बढ़ती व्यापक निर्भरता से जुड़े गंभीर जोखिमों को एक बार फिर उजागर कर दिया है।

एप्पल ने अपनी वेबसाइट पर सेवाओं की स्थिति की जानकारी देने वाले पेज पर स्वीकार किया कि उसकी एप्पल म्यूजिक, ऐप स्टोर और एप्पलकेयर सेवाएं ठप पड़ गईं। इसके अलावा आईक्लाउड में लागइन करने में भी दिक्कतें आईं। प्रौद्योगिकी सेवाओं की निगरानी करने वाली वेबसाइट डाउनडिटेक्टर डाट को के मुताबिक एप्पल पे के संबंध में भी उपयोगकर्ताओं की शिकायतों में अचानक वृद्धि हुई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ने ईमेल के जरिए जारी एक बयान में कहा है कि एक आंतरिक अपडेट के कारण हमारी कुछ सेवाएं बाधित हो गई थीं। इनमें से कई सेवाएं अब फिर से शुरू हो गई हैं। हम बाकी सेवाओं को भी जल्द से



जल्द बहाल करने काम कर रहे हैं। अमेरिका की सबसे बड़ी होटल संचालक कंपनी मैरियट इंटरनेशनल को भी तकनीकी समस्याओं का सामना करना पड़ा। सोशल मीडिया पर उपयोगकर्ताओं ने बताया कि इन समस्याओं के कारण होटल में कमरों की बुकिंग और मेहमानों के चेक-इन समेत कई सेवाएं प्रभावित हुईं। डाउनडिटेक्टर डाट काम ने भी मैरियट की सेवाएं बाधित होने की जानकारी दी। पिछले एक सप्ताह में सरकारी और निजी क्षेत्र की कई अहम सेवाओं में साइबर प्रौद्योगिकी से जुड़ी कई समस्याएं सामने आई हैं। इनमें शुक्रवार को एक प्रणाली पर अत्यधिक दबाव पड़ने से अमेरिका में सभी उड़ानों को रोकना, जेपी मार्गन चेज में तकनीकी समस्या के कारण वित्तीय प्रणाली पर व्यापक असर पड़ना और यूनाइटेड एयरलाइंस की आंतरिक प्रणालियां ठप होने से उड़ानों के प्रस्थान में देरी होने की घटनाएं शामिल है। रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि इस समस्या के कारण एनएसएनेट का कामकाज बाधित हुआ। एनएसए ने कहा कि तय नियमित रखरखाव के दौरान राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी के कामकाज में अस्थायी बाधा आई। हालांकि कुछ आंतरिक प्रणालियां प्रभावित हुईं लेकिन महत्वपूर्ण अभियानों से जुड़ी हमारी क्षमताएं पूरी तरह काम कर रही हैं और देश की सुरक्षा करने की हमारी क्षमता बरकरार है। एजेंसी ने कहा कि एनएसए का बुनियादी ढांचा इस तरह तैयार किया गया है कि नियमित रखरखाव या अप्रत्याशित घटनाओं के दौरान भी कामकाज जारी रखने के लिए कई स्तरों पर वैकल्पिक व्यवस्थाएं मौजूद रहें। अमेरिकी प्रशासन के राष्ट्रीय खुफिया निदेशक ने एक साक्षात्कार में इन घटनाओं के बारे में कहा कि यह कोई साइबर हमला नहीं है और न ही किसी देश की ओर से रची गई कोई साजिश है। उन्होंने कहा कि इन समस्याओं की वजह सरकारी संस्थानों और निजी कंपनियों द्वारा करीब एक ही समय पर अपनी कंप्यूटर प्रणालियों को उन्नत बनाने के प्रयास हैं और इसी के कारण समय-समय पर तकनीकी दिक्कतें सामने आ रही हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपको भूमि, रिअल-एस्टेट या सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। परिवार में किसी बुज़ुर्ग की ख़राब तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। उन लोगों की बातों का बुरा न मानें जिनकी आपके जीवन में कोई अहमियत नहीं है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

मौज-मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ेगा, जो आपको तनाव दे सकता है। कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा दौड़-भाग भरी और तनावपूर्ण रहेगी। आपका जीवनसाथी बिना जाने कुछ ऐसा ख़ास काम कर सकता है, जिसे आप कभी भुला नहीं पाएंगे। लोगों के बीच रहकर सबका सम्मान करना आपको आता है इसलिए आप भी सबकी नजरों में अच्छी छवि बना पाते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

सेहत अच्छी रहेगी। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। जरुरी कामों को समय न देना और फिजूल के कामों पर वक्त जाया करना आज आपके लिए घातक सिद्ध हो सकता है। जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं। आज किसी सामाजिक काम में हिस्सेदारी करके आपको अच्छा महसूस होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपके जीवन-साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है इसलिए साथ में अपना क़ीमती समय बिताएँ। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। कोई पुराना दोस्त आपके और आपके जीवनसाथी की साझा यादों को तरोताज़ा कर सकता है। यदि आप किसी खेल में महारत रखते हैं तो आज के दिन आपको वो खेल खेलना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर कोई मूवी या मैच देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इज़ाफा होगा। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़, थोड़ी छेड़-छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे। हालांकि किसी भी चीज़ की अति नुक़सानदेह है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। आपकी ज्ञान की प्यास आपको नए दोस्त बनाने में मददगार साबित होगी। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। इस राशि के युवाओं की आज अपने जीवन में प्रेम की कमी महसूस होगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा-सी चिंता और मानसिक तनाव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। भाई बहनों की मदद से आज आपको आर्थिक लाभ मिल पाएगा। अपने भाई बहनों की सलाह लें। कोई चिट्ठी या ई-मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है- जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। वे निवेश-योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें- कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। समय को व्यर्थ गँवाने की बजाय आज किसी विदेशी भाषा को सीखना आपके वार्तालाप के तरीक़ों में वृद्धि कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। इस राशि के जातक आज लोगों से मिलने से ज्यादा अकेले में वक्त बिताना पसंद करेंगे। आज आपका खाली समय घर की सफाई में बीत सकता है। बच्चों को साथ समय का पता नहीं चलता आज आप भी अपने बच्चों के साथ वक्त बिताकर यह जान जाएँगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख़्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है। अगर आज कुछ अधिक करने को नहीं है तो अपने घर के सामानों को दुरुस्त करके आप अपने को व्यस्त रख सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख़्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। एक लम्बा दौर जो काफ़ी समय से आपको दबोचे हुए था, ख़त्म हो चुका है- क्योंकि जल्दी ही आपको आपका जीवन-साथी मिलने वाला है। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का असली स्वाद चख सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। ग़लतफ़हमी के लम्बे दौर के बाद इस शाम आपको जीवनसाथी के प्यार का तोहफ़ा नसीब होगा। आज आप सब चिंताओं को भुलाकर अपनी रचनात्मकता को बाहर निकाल सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 20 नवंबर 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2083
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी प्रात: 07:17 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपद प्रात: 06:57 तक
योग : हर्षण प्रात: 06:39 तक
करण : गर प्रात: 07:17 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:23, सूर्यास्त 05:39 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:20, सूर्यास्त 05:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:14, सूर्यास्त 05:41 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:13, सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रात: 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : देवोत्थिनी एकादशी व्रत स्मार्तनाम् , चातुर्मास समाप्त, भीष्म पंचक व्रत आरंभ , पंचक चालू है , तुलसी विवाह, भद्रा रात्रि 06:59

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पंच प्यारे साहिबानों की अगुवाई में विशाल नगर कीर्तन आयोजित






हैदराबाद, 19 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गुरुद्वारा साहिब सिकंदराबाद गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार कुलदीप सिंह सलूजा के तत्वावधान में श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 557वें प्रकाश पर्व के अवसर पर विशाल नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। पंच प्यारे साहिबानों की अगुवाई तथा श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की छत्रछाया में निकाले गए इस नगर कीर्तन में हजारों की संख्या में सिख श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

नगर कीर्तन मनोहर टॉकीज, क्लॉक टावर, नटराज सिनेमा हॉल, पैंटी सर्कल, किंग्सवे, शारदा स्टोर मोड़, मार्केट, गुरु शॉपिंग सेंटर और अल्फा होटल होते हुए सिकंदराबाद गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर संपन्न हुआ।

नगर कीर्तन में जत्था तेरा, स्त्री सत्संग, मराठा जत्था नांदेड़, जय तेगन गतका अखाड़ा श्री अमृतसर तथा दशमेश कलगीधर जत्थे ने भाग लिया। सिख मार्शल आर्ट गतका के माध्यम से विभिन्न दलों के कलाकारों ने हैरतअंगेज करतब दिखाकर श्रद्धालुओं को आकर्षित किया। नगर कीर्तन के दौरान स्त्री सत्संग तथा सिख पुरुषों एवं महिलाओं ने गुरुवाणी पर आधारित शब्द कीर्तन प्रस्तुत किया। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने गुरु महाराज के जयकारों के साथ भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बनाए रखा।

नगर कीर्तन के स्वागत के लिए विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं एवं सामाजिक संस्थाओं की ओर से जलपान और मिठाइयों का वितरण किया गया। नगर कीर्तन के समापन के पश्चात गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से साध-संगत के सहयोग से गुरु का लंगर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी सिकंदराबाद के अध्यक्ष सरदार कुलदीप सिंह सलूजा, श्री गुरु सिंह सभा अशोक बाजार गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार गुरचरण सिंह बग्गा, महासचिव सरदार रणबीर सिंह गांधी, सरदार जोगेंद्र सिंह मुजराल तथा सरदार तरनदीप सिंह भाटिया ने नगर कीर्तन के आयोजन में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं एवं सेवाभावी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

गौलीगुडा में सीवरेज पाइपलाइन का काम शुरू



हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल के बीआरएस नेता एम. आनंद कुमार गौड़ ने कहा कि गौलीगुडा और आसपास के क्षेत्रों के निवासी पिछले कई वर्षों से सीवरेज की समस्या से परेशान थे। अब इस समस्या का स्थायी समाधान होने जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को उन्होंने बस्तीवासियों के साथ मिलकर गौलीगुडा में नई सीवरेज पाइपलाइन के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर आनंद कुमार गौड़ ने बताया कि स्थानीय निवासियों ने उन्हें पिछले कई वर्षों से क्षेत्र में बनी सीवरेज समस्या से अवगत कराया था। इसके बाद उन्होंने जलमंडल के प्रबंध निदेशक (एमडी) अशोक रेड्डी से मुलाकात कर गौलीगुडा की पेयजल एवं जल निकासी संबंधी समस्याओं को विस्तार से बताया। समस्या पर तुरंत संज्ञान लेते हुए एमडी अशोक रेड्डी ने रेड हिल्स वाटर वर्क्स के महाप्रबंधक (जीएम) अल्ताफ को इसके तत्काल समाधान के निर्देश दिए। इसके बाद शीघ्र प्रस्ताव तैयार कर नई सीवरेज पाइपलाइन के निर्माण कार्य की शुरुआत की गई।

आनंद कुमार गौड़ ने कहा कि स्थानीय लोगों द्वारा समस्या उनके ध्यान में लाए जाने के एक सप्ताह के भीतर ही उन्होंने इसके स्थायी समाधान के लिए पहल की। उन्होंने कहा कि गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में कहीं भी कोई समस्या हो और उसे उनके संज्ञान में लाया जाए तो वे उसके त्वरित समाधान के लिए लगातार प्रयास करते रहेंगे।

उन्होंने हाल ही में राजनीति में आए कुछ नए नेताओं की आलोचना करते हुए कहा कि कुछ लोग स्वयं को बड़ा नेता बताते हैं और केवल समाचार पत्रों में तस्वीरें प्रकाशित करवाने के लिए फोटो खिंचवाते हैं। उन्होंने जनता से अपील की कि वह पहचानें कि वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए कौन संघर्ष कर रहा है। गौलीगुडा की सीवरेज समस्या के स्थायी समाधान के लिए विशेष प्रयास करने पर स्थानीय निवासियों ने आनंद कुमार गौड़ का भव्य सम्मान किया और उनके प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में आनंद यादव, अनूप, महेश गौड़, रवि यादव, नरेंद्र चारी, अशोक, बाबू, राजू, अनिल, चिंटू, सुशील, साई, लाला, टिल्लू यादव, नरेश गौड़, भजन सिंह सहित बड़ी संख्या में बस्तीवासी उपस्थित थे।

आचार्य तुलसी-महाप्रज्ञ सेवा चेतना केंद्र की गतिविधियों की आचार्यश्री महाश्रमणजी ने की सराहना



बेंगलूरु, 19 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। परम पूज्य गुरुदेव तेरापंथ धर्मसंघ के अधिशास्ता आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन आशीर्वाद एवं करुणा दृष्टि से आचार्य तुलसी-महाप्रज्ञ सेवा चेतना केंद्र निरंतर सेवा के नए आयाम स्थापित कर रहा है। केंद्र की सेवा गतिविधियों की विस्तृत जानकारी एवं रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए अध्यक्ष ललित मांडोत के नेतृत्व में बेंगलूरु से एक प्रतिनिधिमंडल लाडनूं पहुंचा और योगक्षेम वर्ष के अंतर्गत वहां विराजित आचार्यश्री के समक्ष वंदन कर सेवा कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर ललित मांडोत ने बताया कि पूज्य गुरुदेवश्री के ऐतिहासिक चातुर्मास से कृतार्थ यह परिसर आज तेरापंथ समाज के साथ-साथ विभिन्न समाजों एवं प्रवासी बंधुओं के लिए भी सेवा, संस्कार और आध्यात्मिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बन चुका है।

उन्होंने बताया कि गणाधिपति गुरुदेवश्री तुलसीजी की दीक्षा शताब्दी के अवसर पर केंद्र की ओर से 'पावन नाम तुलसी स्वामी' भव्य भक्ति संध्या का आयोजन किया गया था। इसमें बेंगलूरु एवं आसपास के क्षेत्रों से 2500 से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

शिक्षा सेवा के अंतर्गत जरूरतमंद विद्यार्थियों को स्कूल बैग तथा विभिन्न विद्यालयों को बेंच एवं शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। चिकित्सा सेवा के तहत 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए। इसके साथ ही आधुनिक उपकरणों के माध्यम से नेचुरोपैथी जांच एवं स्वास्थ्य परामर्श की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है।

आध्यात्मिक गतिविधियों के अंतर्गत प्रेक्षा विश्व भारती के सहयोग से प्रेक्षाध्यान शिविर तथा सभा के माध्यम से संस्कार निर्माण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। परिसर में अन्य समाजों की ओर से भी राष्ट्रीय स्तर के शिविर आयोजित किए जाते हैं।

केंद्र का आगामी लक्ष्य शिक्षा एवं चिकित्सा सेवाओं का विस्तार करना, नेचुरोपैथी को प्रोत्साहित करना तथा प्रेक्षाध्यान के माध्यम से अधिकाधिक लोगों को आत्मचिंतन एवं आत्मकल्याण की दिशा में प्रेरित करना है। केंद्र की ओर से आयकर अधिनियम की धारा 80जी के तहत कर छूट की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है, जिससे दानदाता सेवा कार्यों से जुड़कर अपना योगदान दे सकते हैं।

इस अवसर पर केंद्र के अध्यक्ष ललित मांडोत, मंत्री लादूलाल बाबेल, उपाध्यक्ष गौतम मुथा एवं मदन बरमेचा, संगठन मंत्री विक्रम दुग्गड़, कन्हैयालाल चिप्पड़, आचार्य तुलसी चेतना केंद्र के अध्यक्ष मदन बोराणा, मंत्री प्रेम चावत, बद्रीलाल पीतलिया, बी.सी. बरलोटा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने केंद्र की सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए भविष्य में इनका और अधिक विस्तार होने की मंगलकामना की।



वसुधैव कुटुंबकम, हिल रिज स्प्रिंग्स की महिलाओं ने मंजू शर्मा के निवास पर आयोजित बैठक में 21 नवंबर 2026 को कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वादशी के पावन अवसर पर तुलसी पूजन एवं तुलसी विवाह कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया। इस दौरान सभी महिलाओं से अपने-अपने दीपक लेकर पूजा में शामिल होने का अनुरोध किया गया। पूजा आयोजक हरिणी रेला मुनि ने बताया कि एचआरएस परिसर में आँवले के वृक्ष के नीचे मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधानपूर्वक तुलसी पूजन किया जाएगा।

कर्मचारियों ने काले बैज लगाकर जताया विरोध



बांसवाड़ा, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा के सरकारी अस्पताल में कार्यरत सुरक्षा, मरीज देखभाल, स्वच्छता कर्मचारियों और सुपरवाइजरों ने गुरुवार को काले बैज लगाकर न्यूनतम वेतन बढ़ाकर 26 हजार रुपये करने की मांग की। धरने को संबोधित करते हुए एआईटीयूसी के जिला उपाध्यक्ष दुबास रामुलु ने कर्मचारियों को नौकरी की सुरक्षा, हर महीने की पहली तारीख को वेतन भुगतान, त्योहारों पर राष्ट्रीय अवकाश तथा मातृत्व अवकाश देने की मांग भी उठाई।

विरोध प्रदर्शन में सुपरवाइजर रणमपल्ली साईं, सुरेंदर गौड़, मोहम्मद अब्दुल मोसिन, कुरुमा कृष्णमूर्ति, सैयद कमर, जैल सिंह, सुरेखा, कल्याणी, राज कुमार, राम चरण, सुशीला, डी. साईं, शंकर, सरिता, अनसूया सहित अन्य कर्मचारी शामिल हुए।

डीसीपी ने किया थाने का निरीक्षण



पेद्दापल्ली, 19 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामागुंडम पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत मंचेरियल डीसीपी ए. भास्कर ने गुरुवार को देवपुर पुलिस स्टेशन का अचानक निरीक्षण किया। उन्होंने पुलिसकर्मियों को कर्तव्यों के निर्वहन और अपराध नियंत्रण में निरंतर सतर्क रहने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान डीसीपी ने एसआई गंगाराम से ऑनलाइन मामला पंजीकरण, आईटीटीएसओ मामलों, ई-साक्ष्य, ई-समन, जांचाधीन मामलों और पुराने लंबित मामलों की प्रगति की जानकारी ली। साथ ही थाना क्षेत्र में बार-बार होने वाले अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए उठाए जा रहे कदमों की समीक्षा कर आवश्यक सुझाव दिए।

उन्होंने कुख्यात अपराधियों और आपराधिक रिकॉर्ड वाले संदिग्ध व्यक्तियों के घरों का नियमित निरीक्षण करने तथा उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश दिए। डीसीपी ने थाने में 5एस प्रबंधन प्रणाली प्रभावी ढंग से लागू करने और सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सीसीटीवी कैमरों की पूरी जानकारी रखने की सलाह दी। उन्होंने लोगों और व्यापारियों को सीसीटीवी कैमरे लगाने के प्रति जागरूक करने तथा अपराध रोकथाम में जनभागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया।

धूमधाम से मनाया गया गोपाष्टमी पर्व



मंचेरियाल, 19 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल मारवाड़ी महिला मंडल की ओर से गर्मिला स्थित हरि ओम श्री रामदेव बाबा गो सेवा समिति की गोशाला में गोपाष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने गौ माता की विशेष पूजा-अर्चना कर उन्हें हरी घास खिलाई। मंडल अध्यक्ष संतोष बलदवा ने बताया कि गोपाष्टमी भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोचरण प्रारंभ करने की स्मृति में मनाई जाती है। इस दिन गौ माता की पूजा, सेवा और दान का विशेष महत्व है। उन्होंने बताया कि 15 सखियों ने गौ माता के लिए तुलादान किया, जिसमें अनाज, फल, चुनरी, हरी घास सहित अन्य सामग्री अर्पित की गई। गोधूलि बेला में गौ माता का श्रृंगार, पूजन एवं आरती की गई। इसके बाद महिलाओं ने गौ माता के पीछे चलकर उनके चरणों की धूलि मस्तक पर लगाई। इस अवसर पर संदेश दिया गया कि गौ माता भारतीय संस्कृति का आधार हैं और उनकी सेवा ही सच्ची मानव सेवा है। कार्यक्रम की सफलता पर संतोष बलदवा ने मंडल सचिव आरती झंवर, कोषाध्यक्ष चेतना गुप्ता, कार्याध्यक्ष शिल्पा अग्रवाल, संगठन मंत्री राजकुमारी रेनवा, उपाध्यक्ष लक्ष्मी मुंदड़ा, उपसचिव अभिलाषा रेनवा सहित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

इंदिरा गांधी को दी श्रद्धांजलि



मंचेरियाल, 19 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की जयंती पर मंचेरियाल नगर निगम के 11वें डिवीजन में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर केक काटकर जयंती मनाई गई। विधायक कोक्किराला प्रेमसागर राव एवं जिला कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष कोक्किराला सुरेखा के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम में मेयर धरनी मधुकर, डिप्टी मेयर सह्ला रम्या-महेश, मार्केट कमेटी चेयरमैन रामगिरि बानेश, जिला इंटक अध्यक्ष पूदरी तिरुपति सहित पार्षदों, कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। मेयर ने इंदिरा गांधी के देश की एकता, महिला सशक्तिकरण एवं गरीबों के कल्याण के लिए किए गए कार्यों को याद किया।

माहेश्वरी समाज का स्नेह सम्मेलन संपन्न



निजामाबाद, 19 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

माहेश्वरी समाज का दीपावली स्नेह सम्मेलन गत रविवार, 15 नवंबर को स्थानीय माहेश्वरी भवन में हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महेश की आरती एवं महेश वंदना के साथ किया गया। इसके पश्चात मुंबई से पधारे मुख्य अतिथि दिनेश सोमानी (रिसर्च एनालिस्ट) एवं विशेष अतिथि ओमप्रकाश सारडा का आत्मीय स्वागत किया गया।

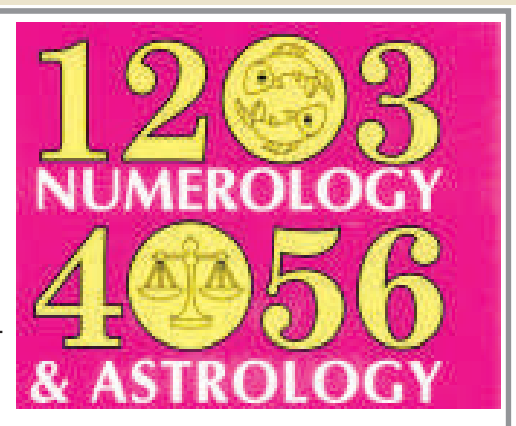
सभा अध्यक्ष बालकिशन बंग ने स्वागत भाषण देते हुए सभी समाजजनों का अभिनंदन किया। वहीं, मंत्री बालकिशन लोया ने सभा की वार्षिक एवं समसामयिक रिपोर्ट प्रस्तुत की।

अपने प्रेरणादायी संबोधन में मुख्य अतिथि दिनेश सोमानी ने माहेश्वरी समाज को एकजुट रहने, अपने संस्कारों को और अधिक निखारने, बड़ों का आदर करने तथा परोपकार की भावना अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने विवाह संस्कार समय पर संपन्न करने पर भी जोर दिया। विशेष अतिथि ओमप्रकाश सारडा ने उपस्थित सभी समाजजनों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक किशोर मालू, उपसंयोजक महेश जाजू, युवा संगठन अध्यक्ष आनंद मोदानी, युवा मंत्री अनुराग भांगड़िया, महिला संगठन अध्यक्ष रंजना सारडा, महिला मंत्री तारा मूंदड़ा, भवन सभापति कुंजबिहारी मूंदड़ा, सभा अध्यक्ष बालकिशन बंग, उपाध्यक्ष गोपाल बजाज, मंत्री बालकिशन लोया, उपमंत्री महेश जाजू, कोषाध्यक्ष सीताराम जाजू, संगठन मंत्री संतोष लोया, महासभा प्रतिनिधि रमेश डालिया, प्रांतीय प्रतिनिधि श्रीराम जाजू, विनय सोनी एवं रमेश राठी सहित अनेक समाजबंधुओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच मुख्य अतिथि एवं विशेष अतिथि का शॉल, माला और साफा पहनाकर सम्मान किया।

कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन नितेश मालू एवं अरुणा जाजू ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन के पश्चात सभी समाजजनों ने स्नेहभोज का आनंद लिया।

नाम भी वजह है सुख-दुख की



नाम का भी बड़ा महत्व है। नाम से व्यक्ति की सूरत और सीरत दोनों का ही जुड़ाव होता है। यदि जन्म नक्षत्रों के अनुसार सही नाम का चयन किया जाए, तो वह आपको अकल्पनीय सफलताएं दिला सकता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जीवन में सुख और दुख की प्राप्ति में नाम का बड़ा हाथ होता है। जानिए, नाम का जीवन पर किस -किस तरह, क्या-क्या प्रभाव पड़ता है...

नाम की महिमा अपार है। नाम का असर व्यक्ति के विकास, गुणों एवं शरीर पर आवश्यक रूप से पड़ता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जातक के जन्म के समय जो नक्षत्र जिस चरण में हो, उसी चरण के निर्धारित अक्षर के अनुसार उस जातक का नामकरण किया जाता है। वर्तमान में अभिभावक बच्चों के कुछ नए एवं हटकर नाम रखने के ख्याल में नाम के अर्थ को नजरअंदाज कर देते हैं, जबकि ऐसा होना नहीं चाहिए।

राशि व बोलचाल के नाम का महत्व

सोलह संस्कारों में एक संस्कार है नामकरण। पूर्व काल में गुरु अथवा वृद्धजन घर में आए नए बच्चे का नामकरण करते थे। नाम अर्थपूर्ण होते थे। जहां तक हो सकेराशि के अनुसार जो नाम आया हो, बच्चे का वही नाम रखना उत्तम होता है। वह उसका स्थाई नाम होता है और सभी स्थाई कार्यों में, जैसेविवाह, व्यापार, नौकरी, मकान आदि में प्रयोग होता है। कई बार राशि का नाम उच्चारण में कठिन या आकर्षक नहीं होता है, तो परिजन बच्चे का कोई दूसरा नाम रख देते हैं, जो बोलचाल के साथ-साथ स्थाई जैसा हो जाता है, क्योंकि उसका बैंक खाता, मकान, व्यापार, विवाह, प्रमाण-पत्र सभी उसी नाम पर आधारित होते हैं। लेकिन ऐसे में उसकी पत्रिका के साथ उसके नाम राशि को प्रभावित करने वाले गोचर ग्रहों पर भी नजर रखना आवश्यक होता है। भगवान राम का जन्म कर्क राशि में हुआ, किंतु उनका नाम राम तुला राशि से संबधित रखा गया। ऐसे ही श्रीकृष्ण का जन्म रोहिणी नक्षत्र में हुआ, किंतु उनका नाम मिथुन राशि के अनुसार कृष्ण ही ज्यादा प्रसिद्ध हुआ, जिसने पूरे जीवन दोनों को प्रभावित किया। राशि के अनुसार रखे गए या बोलचाल के नाम का जो अर्थ होता है, उसका जातक के जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ता है। नाम के अर्थ अनुसार ही उसका चरित्र एवं क्रिया-कलाप होता है। कृष्ण द्वारा जितनी लीलाएं की गईं, उन्ही के अनुसार उनके नाम पड़ते गए।

नाम बदलने का असर

कई बार असफलता किसी का पीछा नहीं छोड़ती। इसका कारण नाम भी हो सकता है। नाम बदलने या उसमें थोड़ा बदलाव करके भी सफलता पा लेते हैं। अंग्रेजी में नाम के अंदर यदि विषम सं या हो, तो जातक सफल होता है। सम संख्या होने पर संघर्षशील होता है। लेकिन ऐसा हर नाम के साथ नहीं होता। हिंदी में यही चार या उससे ज्यादा अक्षरों वाले नाम के साथ होता है। ज्यादा अक्षर वाले नाम के जातक ज्यादातर सफल होते हैं। वहीं दस्तखत करते समय भी नाम का स्पष्ट लिखना धन एवं सुख की वृद्धि का कारक होता है। जो वस्तु नष्ट होने वाली हो, उन नामों का प्रयोग करने पर कष्ट उठाना पड़ता है। देवियों के नाम पर स्त्रियों के नाम होने से, उन्ही के समान प्रभावशाली एवं अखंड सौभाग्य को पाने वाली होती हैं। यदि किसी कन्या का नाम नदियों, फूलों एवं रंगों पर आधारित हो, तो वह विवाह के बाद अपने जन्म नक्षत्र के अनुसार अपना नाम बदल भी सकती है। इसका जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

सरनेम बदलने पर

ज्यादातर विवाह के बाद कन्याओं का उपनाम (सरनेम) बदल जाता है। इससे नाम के अक्षरों में बदलाव हो जाता है, जो सुख या दु:ख का कारक हो सकता है। कई विवाहित स्त्रियों को सरनेम बदलने के बाद कठिनाई का सामना करना होता है, जबकि किसी के साथ इसके विपरीत होता है।

प्रयास यह करें कि विवाह बाद यदि कष्ट हो, तो इसका कारण नाम के अक्षरों में सरनेम सहित विषम संख्या हो सकती है। अत: उसको ऐसा लिखने का प्रयास करें कि वह सम संख्या में बदल जाए। इसके लिए या तो उसमें एक अक्षर बढ़ा दें या एक घटा दें। ऐसा करने से निश्चित रूप से आपके वैवाहिक जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। यदि आपके नाम की सम संख्या है और फिर भी विवाह में कष्ट हो, तो उसमें दो अक्षर और जोड़कर उसको लंबा कर लें, यह शुभ और सुख कारक होगा।

न्यूमरोलॉजी में नाम

ज्योतिष की ही एक अन्य शाखा अंक गणित के अनुसार नाम को संख्या के अनुसार बदलने का विधान बताया गया है। अंक ज्योतिष के अनुसार हर अक्षर का एक अंक होता है। जैसे किसी का नाम राम है, तो आर=2, ए=1, एम=4 इस प्रकार इनका जोड़ हुआ 7 यह विषम संख्या है। यदि 7 अंक के अनुसार आपको परेशानी हो रही हो, तो इसमें एक अक्षर ए=1 जोड़कर नाम की कुल संख्या को 8 कर सकते हैं, जो कि सम होगा और आपके लिए शुभ रहेगा।

गलत उच्चारण से अर्थ का अनर्थ

नाम रखते समय शब्दों के चयन में भी सावधानी रखनी होती है। एक अक्षर नाम के अर्थ का अनर्थ कर देता है। जैसे गणपति को कई लोग गजानंद कहकर संबोधित करते हैं। जबकि सही नाम है गजानन, जिसका अर्थ होता है हाथी जैसे मुखवाला एवं गजानंद का अर्थ है हाथी की संतान। इसी तरह नाम है अवि, आधुनिकता के चक्कर यह नाम ज्यादा सुनने में आता है, जिसके दो अर्थ हैं- भेड़ और सूर्य। यदि किसी को अवि कहकर संबोधित करेंगे, तो क्या समझेंगे भेड़ या सूर्य। इसलिए नाम रखते समय ध्यान रखें कि दो विपरीत अर्थ न हो।

पीपल की पूजा

भारत में प्राचीन से ही पीपल के पेड़ की पूजा की जाती है। इस पेड़ को देववृक्ष माना गया है। कहते हैं कि पीपल के दर्शन-पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। क्या आप जानते हैं कि शनिवार को पीपल की पूजा का शास्त्रों में विशेष महत्व क्यों माना गया है?

ऐसा माना गया है कि प्रत्येक शनिवार पीपल की सेवा करने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं। शनिवार को पीपल वृक्ष के पूजन और सात परिक्रमा करने से तथा काले तिल डालकर सरसों के तेल का दीपक जलाकर छायादान से शनि की पीड़ा का शमन होता है। शनिवार की अमावस्या में पीपल के पूजन से शनि के अशुभ प्रभाव से मुक्ति प्राप्त होती है। श्रावण मास में अमावस्या की समाप्ति पर पीपल वृक्ष के नीचे शनिवार के दिन श्री हनुमान की पूजा करने से बडे संकट से मुक्ति मिल जाती है। पीपल के पेड़ की शनिवार के दिन पूजा करने से शनिदोष दूर होता है।

स्नान क्यों करें

वैसे तो भारतीय लोग हर रोज नहाते हैं, लेकिन धार्मिक परंपरा में नहाने का महत्व और भी बढ़कर है। संक्रांति के वक्त, वैसाखी पर या कुंभ के मेले के दौरान स्नान को विशेष महत्व दिया जाता है। हमारे ऋषियों ने इन विशेष मौकों पर गंगा स्नान या किसी भी बहते पानी में स्नान के महत्व बताए हुए हैं। इसीलिए हमारी धार्मिक पूजा के मौके पानी के भीतर जाकर, जहां पानी आपकी छाती तक पहुंच रहा हो, पूजा करने की विधि भी बताई गई है। हम मंदिर या दूसरे धार्मिक स्थानों में प्रवेश करने से पहले अपने हाथ-पांव धोते हैं। इसके पीछे भी वही धारणा काम करती नजर आती है। यही नहीं है हमारे ऋषियों ने इस बात का तत्व हमें निकाल कर दिया है कि पानी और मनुष्य के शरीर का संबंध क्या है। किस तरह से हमारे शरीर की ऊर्जा को पानी विलीन करता है। हम तरो-ताजा हो जाते हैं।

विवाह के सामान्य उपाय



- कन्या के विवाह में हो रहे विलम्ब को दूर करने के लिए पिता को चाहिए कि विवाह वार्ता के समय कन्या को कोई नया वस्त्र अवश्य पहनाएं।
- यदि विवाह प्रस्ताव नहीं प्राप्त हो रहे तो पिता को चाहिए कि कन्या को गुरूवार को पीला वस्त्र एवं शुक्रवार को सफेद वस्त्र पहनावें। ये वस्त्र नये हों, तो शीघ्र फल मिलेगा। यदि 4 सप्ताह तक यह प्रयोग किया जावे तो अच्छे विवाह प्रस्ताव प्राप्त होने लग जावेंगे। अत: किसी वस्त्र को दोबारा नहीं पहनाना चाहिए।
- यदि कन्या के विवाह प्रस्ताव सगाई तय होने के अन्तिम चरण में पहुंचकर टूट जाते हैं तो माता-पिता को यह प्रयास करना चाहिए कि जिस कक्ष में बैठकर सगाई/शादी के सम्बन्ध में वार्ता की जावे उसमें वह अपने जूते चप्पल उतार कर प्रवेश करें। जूते चप्पल कक्ष से बाहर द्वार के बायीं ओर और उतारें।
- जिस समय भी कन्या के परिजन वर पक्ष के घर प्रवेश करते समय कन्या के माता पिता अथवा अन्य व्यक्ति वह पैर सबसे पहले घर में रखना चाहिए जिस नासिका में (दायीं अथवा बायीं ओर का) स्वर प्रवाहित हो रहा हो।
- जिस समय भी कन्या के परिजन वर पक्ष से विवाह वार्ता के लिए जावें उस समय कन्या अपने बालों को खोले रखे तथा उनके लौटकर आ जाने के समय तक खोले रखे, न तो जूड़ा और न ही चोटी बनाए। कन्या को चाहिए कि अपने परिजनों को विवाह वार्ता के लिए प्रस्थान करते समय प्रसन्नता पूर्वक उन्हें मिष्ठान खिलाकर विदा करे।
- विवाह योग्य युवक-युवतियों को जब भी किसी विवाह उत्सव में भाग लेने का अवसर मिले तो लड़के या कन्या को लगाई जाने वाली मेंहदी में कुछ मेंहदी लेकर अपने हाथों पर लगाना चाहिए।
- शीघ्र विवाह के लिए कन्या को 16 सोमवार का व्रत करना चाहिए। मां पार्वती का श्रृंगार करें, शिव पार्वती के मध्य गठजोड़ बांधे तथा शीघ्र विवाह के लिए प्रार्थना करें। विवाह प्रस्ताव आने प्रारम्भ हो जाएंगे।
- वर की कामना पूर्ति हेतु कन्या को निम्न मंत्र का शिव-गौरी पूजनकर एक माला का जप करना चाहिए। 'ऊं नम: मनोभिलाषितं वरं देहि वरं ही ऊं गोरा पार्वती देव्यै नम:'



तारकासुर राक्षस के अत्याचारों से जब सभी देवता परेशान हो गए, तब उन्होंने ब्रह्माजी की शरण ली। उन्होंने रास्ता बताया। कहा, 'शिवजी से प्रार्थना करो, क्योंकि शिव-पार्वती का पुत्र ही तारकासुर का वध कर सकता है। लेकिन एक सबसे बड़ी समस्या है। वे समाधि में हैं। अगर उनकी समाधि किसी तरह टूट जाए और वह आपकी प्रार्थना स्वीकार कर लें, तो उनका जो पुत्र होगा, वह देवसेनापति होगा। वही आपकी समस्या का समाधान करेगा।'

देवताओं के कहने पर कामदेव ने उनकी समाधि भंग कर दी। लेकिन उसे अपना शरीर गंवाना पड़ा। पर देवताओं का काम आसान हो गया। सभी देवता शिवजी के पास गए। उन्होंने शिवजी से प्रार्थना की कि तारकासुर हमें परेशान कर रहा है। अगर आप पार्वती से विवाह कर लें, तो हमारी समस्या दूर होगी। देवताओं की प्रार्थना का असर शिवजी पर हुआ। उन्होंने स्वीकृति दे दी। यह देवताओं की प्रार्थना का कमाल था कि औघड़ शिव दूल्हा बने। उन्होंने पार्वती से विवाह किया। इससे कार्तिकेय उत्पन्न हुए। वह देवताओं की सेना के सेनापति बने। उन्होंने तारकासुर का वध कर देवताओं को राक्षसों के भय से मुक्त कर दिया। श्रीरामचरितमानस में इसका उल्लेख है—

सब सुर बिष्नु बिरंचि समेता।
गए जहाँ सिव कृपानिकेता॥
पृथक पृथक तिन्ह कीन्हि प्रसंसा।
भए प्रसन्न चंद्र अवतंसा॥

अर्थ- विष्णु और ब्रह्मा सहित सभी देवता वहां गए, जहां कृपा के धाम शिव थे। उन सबने शिवजी से अलग- अलग प्रार्थना की। तब शिव प्रसन्न हो गए।

शिक्षा- यह कथा हमें बोध कराती है कि जीवन में हमारे सामने कई बार ऐसे अवसर आते हैं, जब हमारा कोई काम रुक जाता है या उसमें बाधा उत्पन्न हो जाती है, तो हमें किसी समर्थ की मदद की जरूरत पड़ती है। यदि हम उनसे प्रार्थना करें, तो तो वे हमारी मदद अवश्य करते हैं। प्रार्थना से भगवान भी प्रसन्न हो जाते हैं। वास्तव में प्रार्थना हृदय की पुकार है। सच्चे मन से हम प्रार्थना करें, तो वह निष्फल नहीं जाती।

शिव मिलन की घड़ी

नयनाभिराम झीलों, चश्मों, हिमाच्छादित पर्वतमालाओं, देवदार और चील के घने जंगलों में नयनसुख प्रदान करने वाली कश्मीर घाटी को 'धरती का स्वर्ग' कहते हैं। इसी घाटी की पीर पंजाल की आसमान घूती पर्वतमालाओं में पावन गुफा है, जिसे शिव भक्त बेमिसाल श्रद्धा और विश्वास के साथ देखने और शीश निवाने जाते है। भोले बाबा अमरनाथ स्वामी द्वारा माता पार्वती को अमर कथा सुनाने की किवदंतियों से जुड़ी यह पावन गुफा विश्व का ऐसा अजूबा है, जिसके दीदार के लिए बार-बार आने को जी चाहता है।

बिना किसी द्वार के पर्वतों के आगोश में अपने आप बनी 60 फीट लंबी, 30 फीट चौड़ी और लगभग 15 फीट ऊंची ऊबड़-खाबड़ गुफा के भीतर बनने वाला हिमलिंग भोले बाबा का साक्षात चमत्कार है। इससे बड़ा आश्चर्य यह है इस पावन गुफा के भीतर अमरनाथ स्वामी का शिवलिंग और प्राकृतिक पीठ (हिम चबूतर) पक्की बर्फ के हैं, जबकि गुफा के बाहर हर तरफ कच्ची बर्फ का साम्राज्य है। गुफा में हिमलिंग से कुछ फीट की दूरी पर पार्वती पीठ और गणेश पीठ का निर्माण भी स्वयंमेव होता है।

कहा जाता है, श्री अमरनाथ गुफा की यात्रा सर्वप्रथम भृगु ऋषि ने की थी। मगर वर्तमान काल में इस गुफा को खोजने का श्रेय एक मुसलमान चरवाहे बूटा मलिक को जाता है। बकरियां चराते-चराते बूटा मालिक को पर्वतों के बीच एक साधु मिला, जिसने उसे कोयले का एक थैला दिया। घर लौटकर बूटा ने जब थैला खोला, तो उसमें सोना था। बूटा मलिक पुन: पर्वतों की ओर उस साधु को ढूंढ़ने निकला। उसे साधु तो नहीं मिला, अपितु एक गुफा जरूर मिली, जिसमें प्रवेश करने पर उसने देखा कि वहां एक शिवलिंग बना हुआ है। बर्फ से बने इस शिवलिंग की बात फैली तो भक्तों का आना शुरू हो गया। जो आज तक चलता आ रहा है। आज भी इस गुफा में बूटा मलिक के वंशज सेवा में लीन हैं तथा यहां चढ़ने वाले चढ़ावे का एक हिस्सा उन्हें मिलता है। अपनी अमरनाथ यात्रा के दौरान मैंने स्वयं मुसलमान सेवादार को रात्रि में आरती करते हुए देखा और सुना।

अमरनाथ यात्रा

वेदों और उपनिषदों में शिव को अद्वितीय देव कहा गया है। शिव ज्ञान, बल, क्रिया एवं शक्ति में अद्वितीय हैं। वे सृष्टि से संबंधित तीनों कार्यों पालन, संहार और निर्माण के कारक हैं। वेदों के अनुसार शिव सभी विद्याओं एवं भूतों के ईश्वर हैं, वहीं महेश्वर हैं तथा सम्पूर्ण विश्व के जीव-जन्तुओं व वनस्तपतियों में निवास करते हैं। शिव सरसता के प्रतीक हैं। शिव ने कभी ऐश्वर्य, सुख, भोग को स्वीकार नहीं किया। वह कैलाश पर तपस्या में लीन होने के बावजूद सृष्टि की व्यवस्था को हमेशा से प्रेरणादायक, अनुकरणीय और वंदनीय मानते हैं। ऐसे आराध्य देवादिदेवेश्वर भोले बाबा की अमर कथा सुनाने की गाथा भी शिव भ तों को रोमांचित करती है। इसी रोमांच में बंधकर हर साल लाखों श्रद्धालु यहां खिंचे चले आते हैं।

अमर कथा और अमरत्व

पौराणिक मान्याताओं के अनुसार एक बार मां पार्वती ने भोलेनाथ से प्रश्न किया कि आप अपने गले में मुण्डमाला क्यों धारण किए रहते है? उत्तर में सदाशिव ने कहा जब

क्या है कबूतरों का रहस्य?

पावन गुफा में कबूतरों के एक जोड़े को इधर-उधर उड़ते देखा जा सकता है। जब कि पूरी पर्वत श्रृंखला में कोई दूसरा पक्षी दिखाई नहीं देता। कहा जाता है कि एक बार महादेव संध्या के समय नृत्य में लीन थे, तभी दो गण आपस में ईर्ष्या के कारण कुरू-कुरू शब्द कहने लगे। महादेव ने नृत्य में व्यवधान पड़ा देख क्रोध में उन्हें श्राप दे दिया कि तुम दीर्घ काल तक 'कुरू-कुरू' शब्द का उच्चारण ही करते रहो। कहते हैं कि वे रूद्र रूप गण उसी समय कबूतर बन गए और यह उनकी स्थाई निवास हो गया। भी तुम्हारा जन्म होता है, मैं एक-एक मुण्ड गले में धारण कर लेता हूं। अर्थात जिनते मुण्ड मेरे गले में हैं, उनते जन्म तुम ले चुकी हो। उ ार सुनकर माता पार्वती सोचने लगीं, शिव तो अजर-अमर हैं और मैं शक्ति होते हुए भी बार-बार जन्म क्यों लेती हूं? तब उन्होंने शिव जी से अमरत्व का रहस्य समझाने को कहा। इस रहस्य को खोलने के लिए भोले बाबा ने जिस निर्जन स्थान का चयन किया, वह 'अमरनाथ गुफा' है। यहां आने से पहले शिव जी ने पहलगांव जो पूर्व में बैल गांव कहलाता था, मैं नन्दी बैल को छोड़ा, चंदन बाड़ी में मस्तक का चन्द्रमा, शेषनाग में गले में पहना शेषनाग और महागुणस पर्वत पर पुत्र गणेश जी को छोड़ा। तत्पश्चात आगे बढ़ते हुए पंचतरणों में पांच तत्वों का त्याग किया और नटराज के रूप में नृत्य किया। यहां उनकी जटाएं खुल गईं और पांच धाराओं में गंगा बह निकली। पंचतरणी में आज भी पांच धाराओं में गंगा प्रवाहित होती है। पंचतरणी से आगे चलकर वह गुफा में पहुंचे और माता पार्वती को अमरत्व की कथा सुनाई। बताते हैं कि माता पार्वती कथा सुनतेसुनते सो गई थीं, मगर हुंकार एक तोता मरता रहा। कथा समाप्ति पर पार्वती को सोए और तोते को वहां पाकर भोलेनाथ क्रोधित हो उठे। यही तोता बाद में शुकदेव मुनि के नाम से जगत प्रसिद्ध हुआ। क्रोधित शिव ने शुकदेव को श्राप दिया कि इस कथा को सुनने वाले अमर तो नहीं होंगे, शिव लोक को अवश्य प्राप्त करेंगे।

बर्फ में यात्रा

पूर्व काल में इस कठिन यात्रा पर साधु-संत, योगी, तपस्वी और राजा आदि ही जाया करते थे। बाद में धीरे-धीरे यहां शिव के भक्त जान को जेखिम में डालकर आने लगे। पूर्व में यह यात्रा पूरा श्रावण मास चला करती थी और श्रावण पूर्णिमा को सम्पन्न हो जाती थी। भक्तों के निरंतर बढ़ती संख्या को देखते हुए कुछ वर्ष पूर्व इसे आषाढ़ और श्रावण के दो माह के लिए कर दिया गया। इस वर्ष से यह यात्रा डेढ़ माह की अवधि तक सीमित कर दी गई, जो इस बार 29 जून के प्रथम दर्शन के साथ प्रारम्भ हो गई है तथा रक्षा बंधन के दिन 13 अगस्त को सम्पन्न हो जाएगी।

लंगरों के अस्थाई नगर

बाबा बर्फानी की यात्रा पर आने वाले भक्तों की सेवा व सुरक्षा पर जम्मू कश्मीर सरकार पूरा इंतजाम करती है मगर देश की धार्मिक संस्थाओं द्वारा पठानकोट से लेकर गुफा तक के परम्परागत पहलगांव व बालटाल मार्ग के हर पड़ाव पर जो लंगर लगाए जाते हैं, उसकी सराहना करनी होगी। लंगरों की व्यवस्था करीब 150 स्थानों पर की गई है, यहां यात्रियों को अत्यंत स्वादिष्ट विभिन्न प्रकार के व्यंजन परोसे जाते हैं।



आस्था और विश्वास



पर्वतारोहियों का एक दल एक अजेय पर्वत पर विजय पाने के लिए निकला। उनमें एक अतिउत्साही पर्वतारोही भी था, जो यह चाहता था कि पर्वत के शिखर पर विजय पताका फहराने का श्रेय उसे ही मिले। रात के घने अंधेरे में वह अपने तम्बू से चुपके से निकल पड़ा और अकेले ही उसने पर्वत पर चढ़ना आरंभ कर दिया। उसके साथी इस बात से पूरी तरह अनभिज्ञ थे कि उनका एक साथी इतना उत्साही है कि वह उन्हें बिना बताए, अकेला ही रात के अंधकार में पर्वत पर चढ़ने का प्रयास कर रहा है।

बहुत प्रयास करने के बाद शिखर जब कुछ ही दूर प्रतीत हो रहा था, तभी अचानक उसका पैर फिसल गया और वह तेजी से नीचे की तरफ गिरने लगा। उसे अपनी मृत्यु सामने ही दिख रही थी, लेकिन उसकी कमर से बंधी रस्सी ने झटके से उसे रोक दिया। रात इतनी अंधेरी थी कि उसे नीचे कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। वह अंदर से बहुत डर गया था। रस्सी को जकड़कर ऊपर पहुंच पाना भी संभव नहीं था। बचने की कोई सूरत न पाकर वह चिल्लाया 'हे ईश्वर मेरी मदद करो!'

तभी उसे एक गंभीर स्वर सुनाई दिया- 'तुम मुझ से क्या चाहते हो?' पर्वतारोही बोला- 'हे ईश्वर! मेरी रक्षा करो!'

'क्या तुम्हें सच में विश्वास है कि मैं तुम्हारी रक्षा कर सकता हूं?' 'हां ईश्वर! मुझे तुम पर पूरा भरोसा है।' पर्वतारोही कांपती आवाज़ में बोला। 'ठीक है, अगर तुम्हें मुझ पर विश्वास है, तो अपनी कमर से बंधी रस्सी काट दो।' यह सुनकर पर्वतारोही का दिल डूबने लगा। वह अंदर ही अंदर बहुत डर चुका था। कुछ क्षण के लिए वहां एक चुप्पी-सी छा गई और उस पर्वतारोही ने अपनी पूरी शक्ति से रस्सी को पकड़े रहने का निश्चय कर लिया। अगले दिन बचाव दल जब उसे ढूंढ़ने निकला, तो उसे रस्सी के सहारे लटका हुआ पर्वतारोही का ठंड से जमा हुआ शव मिला। उसके हाथ रस्सी को मजबूती से थामे थे और वह धरती से केवल दस फुट की ऊंचाई पर था।

यदि उसने रस्सी को छोड़ दिया होता, तो वह पर्वतीय ढलान से लुढ़कता हुआ मामूली नुकसान के साथ जीवित बच गया होता। ईश्वर में सम्पूर्ण आस्था और विश्वास रखना सहज नहीं है।

तेज बुखार से कैसे पाएं राहत



जब हमारे शरीर पर कोई बैक्टीरिया या वायरस हमला करता है तो शरीर खुद ही उसे मारने की कोशिश करता है। शरीर जब अपना तापमान सामान्य 98.3 डिग्री फॉरनहाइट से ज्यादा बढ़ाता है तो उसे बुखार कहा जाता है। ऐसे में 100 डिग्री तक बुखार में किसी दवा आदि की जरूरत नहीं होती, लेकिन बुखार इसी रेंज ज्यादा दिन तक लगातार बना रहे तो इलाज की जरूरत होती है।

विटामिन डी दूर भगा सकता है प्रोस्टेट कैंसर

शरीर की मजबूती और बेहतर स्वास्थ्य के लिए विटामिन डी की जरूरत तो सब जानते हैं। विटामिन डी का सप्लीमेंट लेने से बिना सर्जरी या रेडिएशन के ही कम तीव्रता या हल्के स्तर (लो ग्रेड) के प्रोस्टेट कैंसर को रोकना संभव है। यहां तक कि यह उस ट्यूमर को खत्म करने में भी सक्षम है। डॉक्टर के अनुसार अब तक इस बात को नहीं जान सके हैं कि कैसे प्रोस्टेट कैंसर का इलाज या रोकथाम करता है।

आसानी से दूर हो सकेगी निकोटिन की लत



आम तौर पर तमाम उपायों के बावजूद सिगरेट, तंबाकू जैसे पदार्थों के सेवन से छुटकारा नहीं मिल पाता। अमेरिकी शोधकर्ताओं ने इसकी लत से निजात पाने का नया तरीका ईजाद करने का दावा किया है। वैज्ञानिकों ने एक विशेष प्रोटीन की 3डी संरचना बनाने में सफलता हासिल की है। इस की मदद से निकोटिन मोलेक्यूल के प्रभाव का विश्लेषण कर इसकी लत से निजात पाना अब संभव हो सकेगा।

हेल्थ अलर्ट

शब्द भूलने की आदत है लेथोलॉजिका बीमारी



क्या आपके साथ कभी ऐसा हुआ है कि आप किसी शब्द को याद कर रहे हो और वह दिमाग में आकर भी आपकी जुबा पर नहीं आ पाते। अगर ऐसा है तो इस समस्या को नजरअंदाज न करें क्योंकि ये एक बीमारी है।

कई बार ऐसा होता है कि हम कुछ बोलने की कोशिश करते है और शब्द हमारे मुंह स बाहर ही नहीं निकलते, ऐसा आपके साथ हुआ होगा। ऐसा लगभग सबके साथ होता है। बार-बार वह शब्द आपकी जुबां पर होने के बावजूद बाहर नहीं आ पाता। वैसे मिलते-जुलते कई शब्द आपके मन में आते हैं, मगर लाख कोशिश करने के बावजूद वह विशेष शब्द आपको समझ में नहीं आता और आप झुंझलकार रह जाते हैं।अगर यह बड़े स्तर पर हो रहा हो तो नजरअंदाज न करें क्योंकि ये एक बीमारी है। वैज्ञानिकों ने इस बीमारी का नाम लेथोलॉजिका रखा है। 'लेथोलॉजिका' ऐसी बीमारी है, जिसमें हम शब्द भी भूल जाते हैं। ये ग्रीक भाषा के दो शब्दों से मिलकर बना है। पहला शब्द है लेथे, यानी भूलने की आदत। और दूसरा ग्रीक शब्द है लोगोस जिसका मतलब है पढ़ाई। जुबां पर आने के बावजूद शब्द न याद कर पाने वाली इस बीमारी को ये नाम, बीसवीं सदी के मशहूर मनोवैज्ञानिक, कार्ल गुस्ताव जंग ने दिया था।

जानकारी को समझना या महसूस करना

ब्रिटिश मनोवैज्ञानिकों के अनुसार हमारा दिमाग किसी कंप्यूटर की तरह काम नहीं करता कि आपने किसी चीज को ढूढ़ा और झट से उसका जवाब हाजिर हो जाए। असल में किसी शब्द या जानकारी को हम जितनी शिद्दत से समझते या महसूस करते हैं। हमारा दिमाग उसी हिसाब से उस शब्द या जानकारी को अपने अंदर अलग-अलग खांचों में रखता है।

इंसान का एक्टिव शब्दकोश

किसी भी व्यक्ति के लिए पढ़ा हुआ हर शब्द सही समय पर याद करना करीब-करीब नामुमकिन होता है। आमतौर पर हर इंसान बोलने और लिखने में औसतन पचास हजार शब्दों का इस्तेमाल करता है। इसे वैज्ञानिकों की भाषा में किसी इंसान का एक्टिव शब्दकोश कहते है। इसके अलावा भी लगभग हर व्यक्ति को बहुत से और शब्द पता होते हैं। इन शब्दों को कम ही इस्तेमाल में लाते हैं। और इस तरह अपने दिमाग को संदेश देते हैं कि इन शब्दों की अहमियत हमारे लिए कम है। दिमाग इन शब्दों को छांटकर किसी ऐसी जगह रख देता है, कि, पता होने के बावजूद भी ये याद नहीं आते। ऐसा लगता है कि बस अभी आपकी जुबां पर ये शब्द आया, मगर याद नहीं आता। ये वैसा ही होता है, हम कोई चीज बक्से में बंद करके भूल जाते हैं।

गैरजरूरी जानकारी दिमाग से साफ करें

लेथोलॉजिका एक ऐसी बीमारी है, जिसमें हम शब्द भी भूल जाते हैं, और उसका पता ठिकाना भी। मतलब उससे हमारा रिश्ता टूट सा जाता है। मगर वह हमारे दिमाग के स्टोरेज की जगह, भी घेरे रहते हैं। इसके लिए जरूरी है कि हम गैरजरूरी जानकारी दिमाग से साफ करें और जरूरत वाली बातें ही याददाश्त के बक्से में रखें, ताकि जब जरूरत पड़े तो हमें फौरन



तीसरी आंख और इसके मसाज के फायदे

हिंदू धर्म ग्रंथों में तीसरी आंख का धार्मिक वर्णन मिलता है, और भगवान शंकर में तीसरी आंख होने की बात भी कही गई है। हालांकि तीसरी आंख को किसी ने नहीं देखा , यह केवल मानसिक चेतना की बात है। लेकिन विज्ञान की मानें तो तीसरी आंख यानी अवचेतन मन का हमारे दिमाग पर बहुत असर पड़ता है। यह एक ऐसा बिंदु है जिस पर मसाज करने से शरीर के साथ-साथ दिमाग को भी फायदा होता है। महिलाएं इसी बिंदु पर बिंदी लगाती हैं, और इसके फायदों को विज्ञान ने भी माना है। इस लेख में हम आपको थर्ड आई यानी तीसरी आंख में मसाज के तरीके और इससे होने वाले फायदों के बारे में बता रहे हैं।

कहां हैं तीसरी आंख

प्राचीन परंपराओं में ही कई वर्तमान समस्याओं का उपचार निहित है। तीसरी आंख हमारी दोनों भौहों के बीच का हिस्सा है। इस पर मसाज करने के कई फायदे हैं - जैसे इससे दिमाग को केंद्रित करने में मदद मिलती है, इससे तनाव दूर होता है, यह आंखों की थकान भी दूर करता है, इसके अलावा इसके कई दूसरे अन्य फायदे भी हैं। योग में भी इसक बहुत अधिक महत्व है, इसको जागृत करने के लिए कई योग और ध्यान मुद्रायें भी हैं।

कैसे करें मसाज

तीसरी आंख के बिंदु पर मसाज करने के लिए मन को शांत कर लेट जाएं। दोनों आंखों को बंद कर लें। फिर दोनों अंगूठों से भौहों के बीच में दबाव डालें। हाथों की दूसरी उंगलियों से सिर के



दूसरे हिस्सों को पकड़ें। मसाज के दौरान अंगूठों को बिंदु से दूर ले जाकर आराम से पास ले आएं। शुरू में हल्का दबाव डालें, फिर दबाव और बढ़ा सकते हैं। शरीर को अच्छा एहसास होने तक मसाज करें। इससे तनाव और थकान तुरंत छूमंतर हो जाएगा।

क्या हैं फायदे

तीसरी आंख सीधे पाइनियल ग्रंथि से जुड़ी है, जिसपर मसाज करने से शरीर को कई तरह के फायदे होते हैं। यह शरीर का वह हिस्सा है जिसके अंदर से मेलाटोनिन हार्मोन का स्राव होता है। यह वही हार्मोन है जो इंसान के सोने और उठने की दिनचर्या को नियमित करता है। इससे तनाव दूर होता है, मूड अच्छा होता है, शरीर को ऊर्जा मिलती है, थकान दूर होती है। दिनभर के कामकाज से थकने के बाद अगर इस बिंदु पर चंद मिनट ही मसाज की जाए तो सभी तरह का दर्द और थकान दूर हो जाएगा और आपको चैन की नींद आएगी। ऐसा माना जाता है कि इस बिंदु की खोज 5 हजार साल पहले हुई थी। आज हमारे शरीर में 400 से ज्यादा बिंदु ऐसे हैं जिनपर दबाव डालने से शरीर के कई रोग दूर होते हैं और आराम मिलता है।

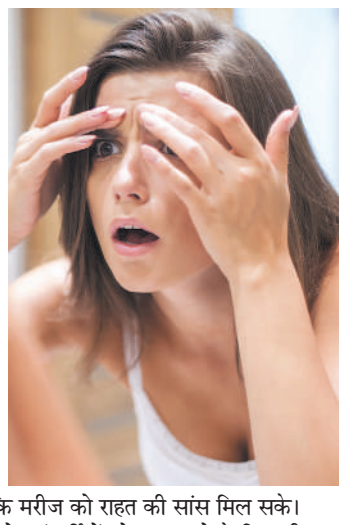
हेल्थ केयर

ताकि त्वचा को मिले राहत की सांस...



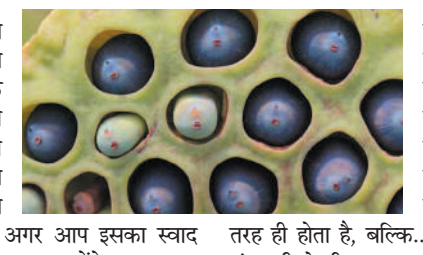
सर्दी जुकाम हो या फिर त्वचा की देखभाल, भाप लेना एक बेहतरीन कारगर प्रक्रिया है। बगैर किसी साइड इफेक्ट के, कई स्वास्थ्य और सेहत के फायदे पाने के लिए भाप लेना स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद है

- सर्दी-जुकाम और कफ होने की स्थिति में भाप लेना रामबाण उपाय है। भाप लेने से न केवल आपकी सर्दी ठीक होगी बल्कि गले में जमा हुआ कफ भी आसानी से निकल सकेगा और आपको किसी तरह की परेशानी नहीं होगी।
- त्वचा की गंदगी को हटाकर अंदर तक त्वचा की सफाई करने और त्वचा को प्राकृतिक चमक प्रदान करने के लिए भाप लेना एक बेहतरीन तरीका है। बगैर किसी मेकअप प्रोडक्ट का इस्तेमाल किए यह तरीका आपकी स्किन को ग्लोइंग बना सकता है।



- अस्थमा जैसी स्वास्थ्य समस्याओं में भी भाप लेना काफी फायदेमंद साबित होता है। डॉक्टर्स ऐसी परिस्थिति में भाप लेने की सलाह देते हैं, ताकि मरीज को राहत की सांस मिल सके।
- चेहरे की मृत त्वचा को हटाने एवं झुर्रियों को कम करने के लिए भी भाप लेना एक बढ़िया उपाय है। यह आपकी त्वचा को ताजगी देता है, जिससे आप तरोताजा नजर आते हैं। त्वचा की नमी भी बरकरार रहती है।
- अगर चेहरे पर मुंहासे हैं, तो बिना देर किए चेहरे को भाप दीजिए। इससे रोमछिद्रों में जमी गंदगी और सीबम आसानी से निकल पाएगा और आपकी त्वचा साफ हो पाएगी।

दिमागी विकास के लिए करें कमलगट्टे का सेवन



कमलगट्टे का नाम तो आपने सुना ही होगा। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि पूजा-पाठ और मंत्रजाप की माला में प्रयोग किया जाने वाला कमलगट्टा खाने के काम भी आता है।... बेशक आपको हैरानी हो, लेकिन एक बार अगर आप इसका स्वाद चखेंगे तो इसे बार-बार खाना चाहेंगे। दरअसल कमलगट्टा, कमल का ही फल है, जिसका निर्माण कमल के फूल से ही होता है। कमल के इस फल में मौजूद बीजों को छीलकर खाया जाता है, जो मूंगफली की तरह होते हैं। इनका स्वाद भी मूंगफली की तरह ही होता है, बल्कि... यह कहा जा सकता है कि मूंगफली से भी ज्यादा स्वादिष्ट होते हैं। यह स्वादिष्ट छोटा सी बीज कई प्रकार के पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह डाइबिटीज, दिमागी क्षमता, किडनी और पाचन तंत्र के लिए बेहद फायदेमंद होता है। कमलगट्टे की खासियत यह है कि यह साल भर में एक बार कुछ ही समय के लिए बाजार में उपलब्ध होते हैं। लेकिन इनकी मांग बनी रहती है और इसके प्रशंसकों की संख्या



कभी कम नहीं होती। कमलगट्टे की तरह ही कमल की जड़..यानि कमल-ककड़ी का प्रयोग भी सब्जी के रूप में किया जाता है। खास तौर से पंजाब में इसे लोग काफी पसंद करते हैं। इसके अलावा भी सिंधी और पंजाबी लोगों में कमल-ककड़ी को बेहद पसंद किया जाता है।

तनाव के कारण पैदा होता है त्वचा में सोरायसिस

ठहाका लगाकर हंसने से दूर होती है बीमारी

त्वचा में सोरायसिस (हाथ-पैर में चमड़े की परत छूटना) ठहाका या जोर से हंसने से काफी कम हो जाता है। यह बीमारी सबसे अधिक तनाव के कारण होती है। सबसे अधिक युवा इस बीमारी से पीड़ित हो रहे हैं। बिहार में इस बीमारी से पीड़ितों की संख्या लगभग 56 लाख है। 300 मरीजों पर किए गए अध्ययन के बाद पता चला कि सोरायसिस में कोशिकाएं टूटने लगती हैं, जिससे त्वचा की ऊपरी परत में सूखापन आ जाता है।

इसमें परत छोड़ती है त्वचा

इस बीमारी में त्वचा परत छोड़ने लगती है। अध्ययन में पाया गया कि ठहाका लगाने पर नसों का टूटना कम हो जाता है। यह रक्त संचार तेज होने से होता है। पीएमसीएच में 300 मरीजों में 30 ऐसे हैं] जिन्होंने ठहाका, जोर से हंसने, योग करने से इस बीमारी पर नियंत्रण पाया है । बीमारी सबसे पहले कोहनी, सिर और घुटने में होती है। इसके बाद यह पूरे शरीर में फैलना शुरू हो जाती है। हालांकि इससे ज्यादा घबराने की जरूरत नहीं है। नारियल का तेल इस बीमारी में काफी फायदेमंद साबित होता है।



अमेरिकी विशेषज्ञों ने दी थी जानकारी

ठहाका लगाकर हंसने से सोरायसिस जैसी बीमारी पर नियंत्रण पाने का पता अमेरिकी विशेषज्ञों ने लगाया था। फिर अमेरिका में ऐसे मरीजों को लॉफिंग क्लबों में जाने की सलाह दी गई। यह काफी कारगर हुआ। इसके बाद एम्स नई दिल्ली और रिम्स रांची में विशेषज्ञों ने अलग-अलग अध्ययन किया। इसी आधार पर पटना के पीएससीएच में भी 300 मरीजों का अध्ययन किया।

सबसे ज्यादा युवा होते हैं पीड़ित, लंबे समय तक चलता है इलाज

एक अध्ययन में पाया गया कि सोरायसिस पीड़ितों में सबसे ज्यादा युवा हैं। इन्हें यह बीमारी तनाव, अनियमित दिनचर्या, हाइपरटेंशन और रोग प्रतिरोधी क्षमता कम होने के कारण हुई है। यह ऐसी बीमारी है जिसकी दवा लम्बे समय तक चलती है। ठहाका, जोर से हंसना, योग इसका बेहतर उपचार हैं। मरीजों को ऐसा करने की सलाह दी जा रही है।

हॉबी भी बन सकती है कमाई का साधन

यदि आपकी भी कोई हॉबी है, तो वह आपको अच्छा रिटर्न भी दे सकती है। जरूरत है कि आप अपनी हॉबी को अपना पैशन बना लें, तभी तो वह आपको लाभ देगी। पैशन को निवेश में बदलने की शुरुआत करने पर उससे संबंधित कुछ बातों को जानना जरूरी है, तभी तो आप उसकी सही कीमत पा सकते हैं और अपनी कड़ी मेहनत से जुटाई संग्रहणीय वस्तुओं को भी सुरक्षित रख सकते हैं।



कलेक्शन के लिए जुनून

कलेक्शन की ललक किसी में बचपन या बुढ़ापे से लेकर कभी भी पैदा हो सकती है। कला, पेंटिंग, स्कल्पचर, स्टांप, सिक्के और नोट सरीखी वस्तुओं का कलेक्शन लंबे समय में आपको अच्छा रिटर्न दे सकता है।

पैशन को दें दिशा...

अपने पैशन को यूं ही मत जाने दें। आपका यह पैशन आपको किसी बड़े निवेश की ओर ले जा सकता है। अगर आपको सिक्के इकट्ठे करने का शौक है तो आप सिक्कों का एक बड़ा कलेक्शन कर इन्हें बेच कर अच्छी-खासी कमाई कर सकते हैं। पेंटिंग, स्कल्पचर, स्टांप तथा दुनिया के तमाम देशों की करंसी इकट्ठा करने की आपकी हॉबी आपको धनवान बना सकती है।

अभिभावकों की भूमिका...

अगर किसी बच्चे में कलेक्शन की हॉबी है तो अभिभावक और शिक्षकों को उसे प्रोत्साहित करना चाहिए। अभिभावकों में अपने बच्चे के टैलेंट को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए। प्रत्येक माता-पिता का दायित्व है कि वे अपने बच्चे की कलेक्शन की आदत को पैशन बनाने में उसे प्रोत्साहन दें।

डीलर की पहचान जरूरी...

स्टांप, स्कल्पचर और सिक्के बेचने वाले डीलरों से कोई चीज खरीदने से पहले आप अच्छी तरह जांच-पड़ताल कर लें कि वास्तव में वह वस्तु अपने दाम के अनुरूप है या नहीं। एंटीक वस्तुएं खरीदते समय प्रत्येक आइटम का गहनता से परीक्षण करना होगा। इसकी भी जांच कर लें कि वह चीज अच्छी स्थिति में हो और किसी अधिकृत संस्था द्वारा प्रमाणित हो।

संकलन का बाजार...

संकलनकर्ताओं को देखना चाहिए कि उनके संकलन के लिए आसान खरीद और बिक्री का बाजार हो। संकलित वस्तुओं को किसी मान्यता प्राप्त अथॉरिटी से प्रमाण-पत्र मिला होना चाहिए। संग्राहक के पास अपने संकलन को बेहतर स्थिति में सुरक्षित रखने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर भी होना चाहिए।

रेसिपी



स्पाईसी चायनीज पिज़्ज़ा

सामग्री

4 थिन क्रस्ट पिज्ज़ा बेस, 1 कप कसा हुआ मोज़रैला चीज़, चायनीज़ टॉपिंग के लिए , 1 1/2 कप उबले हुए हक्का नूडल्स, 1/2 कप सेज़वान सॉस, 1 स्पून सोया सॉस, 1 1/2 स्पून जैतून का तेल, 2 टी-स्पून बारिक कटा हुआ लहसुन, 1 1/2 कप तिरछी कटी हुई हरी प्याज़, 1 1/2 कप तिरछे कटे और हल्के उबाले हुए बेबी कॉर्न, 1 1/2 कप तिरछी कटी हुई रंग-बिरंगी शिमला मिर्च, 2 टेबल-स्पून टमाटर की प्युरी, नमक स्वादअनुसार

विधि

चायनीज़ टॉपिंग के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन में जैतून का तेल गरम करें, लहसुन डालकर मध्यम आंच पर कुछ सेकेन्ड के लिए भून लें। हरी प्याज़, बेबी कॉर्न और रंग-बिरंगी शिमला मिर्च डालकर मध्यम आंच पर 2 मिनट के लिए भून लें। उबले हुए हक्का नूडल्स, सेज़वान सॉस, सोया सॉस, टमाटर की प्युरी और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 2 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। टॉपिंग को 4 भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** पिज्ज़ा बेस को साफ, सूखी जगह पर रखकर, प्रत्येक पिज्ज़ा बेस पर चायनीज़ टॉपिंग के 1 भाग और 1/4 कप मोज़रैला चीज़ डालकर अच्छी तरह फैला लें। पिज्ज़ा बेस को चुपड़ी हुई बेकिंग ट्रे पर रखकर, पहले से गरम अवन में 200°c (400°f) के तापमान पर 10-12 मिनट के लिए बेक कर लें। कप दोहराकर 2 और पिज्ज़ा बना लें। बराबर टुकड़ो में काटकर तुरंत परोसें।



स्प्राउटस् सेन्डविच

सामग्री

8 गेहूं के ब्रेड के स्लाईस, 8 प्याज़ के स्लाईस, 2 स्पून लो-फैट मक्खन, 1 कप उबले मिले-जुले अंकुरित दाने, 2 स्पून तेल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज़, 2 स्पून अदरक-लहसुन पेस्ट, 1 स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 2 स्पून पाव भाजी मसाला, 2 स्पून धनिया-ज़ीरा पाउडर, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 स्पून काला नमक, 1 1/2 कप बारीक कटे हुए टमाटर, नमक स्वादानुसार, 1/2 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू

विधि

स्प्राउटस् मिश्रण के लिए: एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, प्याज़ डालकर, मध्यम आंच पर 1-2 मिनट या उनके पारदर्शी होने तक भून लें। अदरक-लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डालकर, मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भून लें। पाव भाजी मसाला, धनिया-ज़ीरा पाउडर, हल्दी पाउडर, काला नमक, टमाटर, नमक और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 5 मिनट तक पका लें। अंकुरित दानें और आलू डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। अंकुरित दानें के मिश्रण को 4 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** एक गेहूं के ब्रेड स्लाईस को सूखे समतल जगह पर रखें और अंकुरित दानें के मिश्रण के एक भाग को उपर फैला लें। 2 प्याज़ के स्लाईस रखकर दूसरे ब्रेड स्लाईस से सेन्डविच बना लें। ग्रिलर को गरम करें और सेन्डविच को 1/2 टी-स्पून लो-फैट मक्खन के साथ सेन्डविच दोनो तरफ से के सुनहरा और करारा होने तक ग्रिल कर लें। दोहराकर 3 और सेन्डविचस् बना लें। तुरंत परोसें।

संपादकीय

पहले कटे, अब जुड़ेंगे

उप्र की ड्राफ्ट मतदाता सूची का विश्लेषण करें, तो स्पष्ट हो जाएगा कि शुद्धिकरण के नाम पर, देश भर में, कितना रायता फैलाया गया? चुनाव आयोग और घर-घर न जाने वाले बीएलओ की नालायकी, नाकामियां और विसंगतियां कितनी हैं? ढेरों विरोधाभास और संदेह सामने आ रहे हैं। खुद उप्र के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा ने स्वीकार किया है कि यदि जनसंख्या को आधार तय किया जाए, तो उप्र में ही 2.58 करोड़ से अधिक मतदाता कम हैं। महिला मतदाता ही 1.64 करोड़ कम हैं। 18-19 साल के युवा मतदाताओं में करीब 72 लाख नाम और जुडने चाहिए। सीईओ साहब जनगणना विशेषज्ञ भी बन गए हैं, लेकिन इतनी संख्या में मतदाता छूट गए हैं। यह कोई सामान्य संख्या नहीं है। लोकतंत्र की बुनियाद ही खोखली है। उप्र की अंतिम मतदाता सूची 10 अप्रैल, 2026 को जारी की जा चुकी थी, लेकिन उसमें अब भी पुनरीक्षण, संशोधन, दावे आदि जारी हैं। यानी अब कटे हुए नाम नए सिरे से जोडने की कवायद जारी है। अब नई तारीख 4 जनवरी, 2027 तय की गई है। उप्र के अलावा पंजाब, उत्तराखंड, मणिपुर, गोवा में भी 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन राज्यों में 20.7 लाख मतदाता बढ़े हैं, अकेले उप्र में ही 18.84 लाख से अधिक मतदाता बढ़ गए हैं। जिन 13 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में ड्राफ्ट मतदाता सूचियां जारी की गई थीं, उनमें करीब 75 लाख नाम जुड़े हैं। उनके बावजूद 'वोट चोरी' का विवाद यथावत है। सर्वोच्च अदालत में भी राहुल गांधी और अन्य विपक्षियों की याचिका पर 9 दिसंबर को तो सुनवाई शुरू होगी। न जाने कितनी तारीखों के बाद अदालत का फैसला देश के सामने आएगा? उप्र में ड्राफ्ट सूची के मुताबिक, 13.58 करोड़ 68905 मतदाता दर्ज किए गए हैं, जबकि जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर यह संख्या 16.16 करोड़ से अधिक होनी चाहिए। यह हमारा या कोई निजी विश्लेषण नहीं, बल्कि उप्र के सीईओ रिणवा का विश्लेषण है कि 2.58 करोड़ से अधिक मतदाता कम हैं। इतने मतदाताओं का छूटना या काट देना एक गंभीर, संवैधानिक सवाल है। भारत में मतदाता बनना 'स्वैच्छिक' है। उसका नागरिकता से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन 'मताधिकार' को संविधान में मौलिक अधिकार माना गया है, लिहाजा इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का छूटना 'संवैधानिक आघात' भी है। औसतन 85 फीसदी भारतीय ही मतदाता हैं। उप्र ड्राफ्ट सूची के बाद यह अहम और गंभीर सवाल उठता है कि क्या विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) बेमानी रहा? एसआईआर के बावजूद करोड़ों मतदाता कैसे छूट गए? क्या यही विशेष गहन शुद्धिकरण या विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) था? बिहार, बंगाल, दिल्ली, महाराष्ट्र आदि राज्यों में तो 'वोटर कट' के बाद 'वोटर जोड़' के अभियान नहीं चलाए गए। कमोबेश बिहार और बंगाल में मतदाता सूची को ही 'ब्रह्मसत्य' मान लिया गया। बंगाल में 27.16 लाख से अधिक मतदाताओं के मताधिकार छीन लिए गए, लेकिन न्यायाधीश ने भी टिप्पणी कर दी कि अगली बार मतदान कर लेना। मताधिकार कोई 'भीख' है क्या? उप्र में अब भी 16 दिसंबर तक का समय दिया गया है, ताकि कटे हुए नाम फिर जोड़े जा सकें। यह तथ्य कहीं सामने नहीं आया कि 1.27 करोड़ हिंदुओं के वोट काट दिए गए हैं या 1.65 फीसदी मुस्लिम वोट बढ़ गए हैं। सीईओ रिणवा ने स्पष्ट कहा कि चुनाव आयोग धर्म और जाति के आधार पर न तो विश्लेषण करता है और न ही ऐसा डाटा रखता है। बहरहाल भाजपा ने तुरंत अपना 'वोट जोड़ो' अभियान शुरू कर दिया है। लक्ष्य 86.86 लाख मतदाता जुड़वाने का तय किया गया है। हर बूथ पर 50 वोट बनवाने का कोटा दिया गया है। कार्यकर्ता घर-घर जाएंगे और वोट सुनिश्चित करेंगे।

> भारत में मतदाता बनना 'स्वैच्छिक' है। उसका नागरिकता से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन 'मताधिकार' को संविधान में मौलिक अधिकार माना गया है, लिहाजा इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का छूटना 'संवैधानिक आघात' भी है। औसतन 85 फीसदी भारतीय ही मतदाता हैं। उप्र ड्राफ्ट सूची के बाद यह अहम और गंभीर सवाल उठता है कि क्या विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) बेमानी रहा? एसआईआर के बावजूद करोड़ों मतदाता कैसे छूट गए? क्या यही विशेष गहन शुद्धिकरण या विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) बेमानी रहा? बिहार, बंगाल, दिल्ली, महाराष्ट्र आदि राज्यों में तो 'वोटर कट' के बाद 'वोटर जोड़' के अभियान नहीं चलाए गए। कमोबेश बिहार और बंगाल में मतदाता सूची को ही 'ब्रह्मसत्य' मान लिया गया। बंगाल में 27.16 लाख से अधिक मतदाताओं के मताधिकार छीन लिए गए, लेकिन न्यायाधीश ने भी टिप्पणी कर दी कि अगली बार मतदान कर लेना। मताधिकार कोई 'भीख' है क्या? उप्र में अब भी 16 दिसंबर तक का समय दिया गया है, ताकि कटे हुए नाम फिर जोड़े जा सकें। यह तथ्य कहीं सामने नहीं आया कि 1.27 करोड़ हिंदुओं के वोट काट दिए गए हैं या 1.65 फीसदी मुस्लिम वोट बढ़ गए हैं। सीईओ रिणवा ने स्पष्ट कहा कि चुनाव आयोग धर्म और जाति के आधार पर न तो विश्लेषण करता है और न ही ऐसा डाटा रखता है। बहरहाल भाजपा ने तुरंत अपना 'वोट जोड़ो' अभियान शुरू कर दिया है। लक्ष्य 86.86 लाख मतदाता जुड़वाने का तय किया गया है। हर बूथ पर 50 वोट बनवाने का कोटा दिया गया है। कार्यकर्ता घर-घर जाएंगे और वोट सुनिश्चित करेंगे।

और वोट सुनिश्चित करेंगे। क्या एसआईआर का मकसद यही था? क्या अब ऐसी संभावनाएं हैं कि जो भी आवेदन करेगा, उसे मतदाता सूची में शामिल कर लिया जाएगा और इस तरह 2.58 करोड़ का 'खालीपन' भरा जाएगा? यदि मतदाताओं की जांच-पड़ताल नहीं हो सकी, तो फिर एसआईआर बिल्कुल बेमानी है। उस पर करोड़ों रुपए क्यों फूंके जा रहे हैं? चुनाव आयोग और मतदाता सूची के मायने हैं कि बिल्कुल निष्पक्ष और पारदर्शी। यदि उसी पर गंभीर सवाल हैं और विपक्ष सवाल पूछना चाहता है, तो आत्मचिंतन करें।

कुछ अलग

बनिये श्रवण कुमार...

कभी कभी किसी मनुष्य को हमारी सलाह नहीं चाहिए होती, उसे केवल हमारे कान चाहिए होते हैं। उसे समाधान नहीं चाहिए होता, वह केवल इतना चाहता है कि कोई उसकी पूरी बात सुन ले। वह रो रहा हो तो हम तुरंत उसके आंसू पोंछने न लगें, वह दुख कह रहा हो तो बीच में अपनी कहानी न शुरू कर दें, वह उलझन बता रहा हो तो तुरंत ज्ञान बांटने न लगें। हम बस सुनें, पूरे मन से, पूरी सजगता से। शायद किसी दुखी मनुष्य के लिए इससे बड़ी राहत उस क्षण कोई और नहीं हो सकती। हमारी स्मृतियों में श्रवण कुमार का नाम आते ही एक पुत्र की छवि उभरती है, वह युवक जो अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थयात्रा पर ले जा रहा था और एक गलतफहमी में राजा दशरथ के हाथों मारा गया। वह कथा युगों पुरानी है, लेकिन उसके भीतर छिपा एक शब्द आज भी उतना ही जीवंत है- श्रवण। श्रवण का अर्थ है सुनना।

विश्व बाल दिवस- 20 नवम्बर 2026

हिंसा, शोषण और अभाव से मुक्त हो भारत का बचपन

> बच्चे केवल परिवार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। वर्ष 2026 की थीम "मेरा दिन, मेरे अधिकार, मेरा भविष्य" है। इसी बुनियादी प्रश्न को सामने रखती है कि क्या हमारे बच्चों को वास्तव में अपने अधिकारों के साथ जीने, सपने देखने और अपना भविष्य गढ़ने का अवसर मिल रहा है? भारत में बचपन की तस्वीर विरोधाभासों से भरी है। एक ओर महानगरों के वातानुकूलित कमरों में पलते बच्चे आधुनिक शिक्षा, तकनीक और सुविधाओं से घिरे हैं, तो दूसरी ओर फुटपाथ, झुग्गियों, कारखानों, ढाबों और खेतों में ऐसे बच्चे भी हैं जिनके हाथों में किताब की जगह औजार हैं।

हम में से प्रत्येक को बच्चों के अधिकारों की वकालत करने, उन्हें बढ़ावा देने, उनके शोषण को रोकने, उनका समग्र विकास करने और बच्चों का उत्सव मनाने के लिए एक प्रेरणादायी अवसर के रूप में विश्व बाल दिवस है, यह उस समाज की आत्मपरीक्षा का अवसर है, जो अपने भविष्य को बच्चों की आंखों में देखता है। बच्चे केवल परिवार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि राष्ट्र की अमूल्य धरोहर हैं। वर्ष 2026 की थीम "मेरा दिन, मेरे अधिकार, मेरा भविष्य" है। इसी बुनियादी प्रश्न को सामने रखती है कि क्या हमारे बच्चों को वास्तव में अपने अधिकारों के साथ जीने, सपने देखने और अपना भविष्य गढ़ने का अवसर मिल रहा है? भारत में बचपन की तस्वीर विरोधाभासों से भरी है। एक ओर महानगरों के वातानुकूलित कमरों में पलते बच्चे आधुनिक शिक्षा, तकनीक और सुविधाओं से घिरे हैं, तो दूसरी ओर फुटपाथ, झुग्गियों, कारखानों, ढाबों और खेतों में ऐसे बच्चे भी हैं जिनके हाथों में किताब की जगह औजार हैं। किसी बच्चे के लिए बचपन खेल, शिक्षा और परिवार का स्नेह है, तो किसी के लिए भूख, श्रम, हिंसा और असुरक्षा से जूझने का नाम। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना की भी परीक्षा है। सबसे गंभीर चुनौती बाल हिंसा और मानसिक दबाव की है। हिंसा का अर्थ केवल बच्चे को पीटना नहीं है। लगातार डांटना, अपमानित करना, डराना, उसकी तुलना दूसरे बच्चों से करना, उसकी इच्छा और प्रतिभा को नकारना तथा हर समय परिणाम का दबाव बनाना भी हिंसा के ही रूप हैं। आज अनेक अभिभावक चाहते हैं कि उनका बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस या किसी प्रतिष्ठित पेशे में जाए। महत्वाकांक्षा गलत नहीं, लेकिन जब माता-पिता की अधूरी इच्छाओं का बोझ बच्चे के कंधों पर रख दिया जाता है, तब शिक्षा विकास का माध्यम न रहकर तनाव का कारण बन जाती है। स्कूल भी इससे अछूते नहीं हैं। अनुशासन के नाम पर अपमान, डर और कठोरता बच्चे के व्यक्तित्व को भीतर से तोड़ सकती है। जिस विद्यालय में बच्चे को प्रश्न पूछने, गलती करने और फिर सीखने का अवसर मिलना चाहिए, वहां भय का वातावरण उसकी



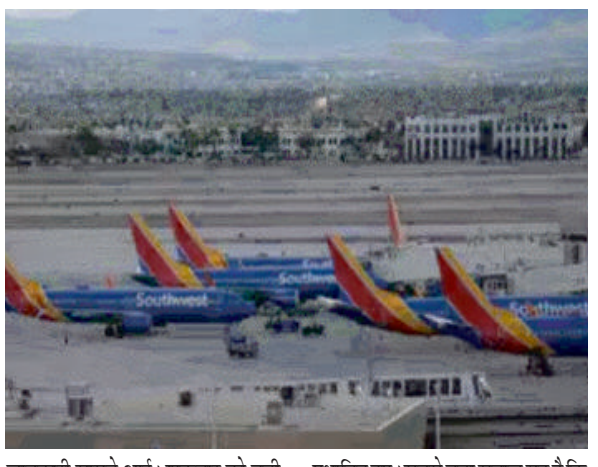
रचनात्मकता को कुंठित कर देता है। हमें यह समझना होगा कि डर से आज्ञाकारी बच्चा तो बनाया जा सकता है, लेकिन आत्मविश्वासी नागरिक नहीं। भारत में बाल मजदूरी, बाल तस्करी, यौन शोषण और भिक्षावृत्ति जैसी समस्याएं आज भी हमारी सामूहिक चेतना एवं राजनीतिक नेतृत्व पर प्रश्नचिह्न हैं। आर्थिक मजबूरी के कारण अनेक बच्चे शिक्षा से दूर होकर श्रम की दुनिया में पहुंच जाते हैं। कुछ खतरनाक उद्योगों और असुरक्षित कार्यस्थलों पर काम करने के लिए विवश होते हैं। कई बच्चे तस्करी के जाल में फंसकर अपने परिवार और बचपन दोनों से दूर हो जाते हैं। सबसे पीड़ादायक स्थिति उन बच्चों की है जिन्हें अपराध, भीख या यौन शोषण के अंधेरे में धकेल दिया जाता है। इन परिस्थितियों में उनसे केवल उनका वर्तमान नहीं छीना जाता, बल्कि भविष्य की संभावनाएं भी छीन ली जाती हैं। गरीबी बचपन की सबसे बड़ी चुनौती है, लेकिन गरीबी से भी बड़ी समस्या है अवसरों की असमानता। यदि किसी गरीब परिवार का बच्चा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और सुरक्षित वातावरण से वंचित रहता है तो वह अपनी प्रतिभा का पूरा उपयोग कैसे करेगा? विकसित भारत का सपना तभी वास्तविक होगा जब विकास की रोशनी गांव, झुग्गी, श्रमिक परिवार और वंचित समुदाय के बच्चे तक पहुंचेगी। किसी राष्ट्र की प्रगति का सही पैमाना उसके सबसे कमजोर बच्चे की स्थिति है। इसलिए बाल अधिकारों को केवल कानून की पुस्तकों तक सीमित रखने के बजाय घर, स्कूल और समाज की संस्कृति का हिस्सा बनाना होगा। बच्चे को यह विश्वास होना चाहिए कि वह अपनी समस्या बिना भय के माता-पिता, शिक्षक अथवा किसी विश्वसनीय व्यक्ति से कह सकता है। परिवार में संवाद की परंपरा विकसित करनी होगी। माता-पिता को बच्चों के साथ केवल उनकी पढ़ाई और परीक्षा की बात नहीं करनी चाहिए, बल्कि उनके डर, मित्रता, सपनों, असफलताओं और भावनाओं को भी सुनना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में भी बड़ा परिवर्तन आवश्यक है। शिक्षा का लक्ष्य केवल अंक और रोजगार नहीं, बल्कि संवेदनशील, आत्मनिर्भर, नैतिक और मानसिक रूप से स्वस्थ मनुष्य बनाना होना चाहिए। बच्चों को अधिकारों के साथ कर्तव्यों, संविधान, लैंगिक सम्मान, डिजिटल सुरक्षा, आत्मरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया जाना चाहिए। सरकार को बाल संरक्षण कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ बाल श्रम, तस्करी और यौन अपराधों के विरुद्ध तंत्र को और मजबूत करना होगा। गरीब बच्चों की शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य को आर्थिक सहायता से जोड़ना भी जरूरी है। हमें यह भी स्वीकार करना होगा कि बच्चों की सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। पड़ोस में किसी बच्चे से दुर्व्यवहार हो रहा हो, किसी दुकान या कारखाने में बाल मजदूर दिखाई दे, कोई बच्चा लगातार भय में जी रहा हो या उसके साथ शोषण की आशंका हो, तो "हमें क्या लेना-देना है" कहकर आगे बढ़ जाना सामाजिक अपराध के प्रति मौन स्वीकृति है। बच्चे की रक्षा के लिए समाज को संवेदनशील प्रहरी बनना होगा।

विश्व बाल दिवस के अवसर पर बच्चों के सामने उभरती नई चुनौतियों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) भी एक गंभीर विषय बनकर सामने आई है। एआई शिक्षा, रचनात्मकता और ज्ञान-विस्तार का प्रभावी साधन हो सकता है, लेकिन उसका अनियंत्रित और अत्यधिक उपयोग बच्चों की सोचने-समझने की मौलिक क्षमता, कल्पनाशक्ति, एकाग्रता और निर्णय लेने की स्वतंत्रता को प्रभावित कर सकता है। चैटबॉट पर अत्यधिक निर्भरता बच्चों को स्वयं प्रश्न पूछने, उत्तर खोजने और गलतियों से सीखने की प्रक्रिया से दूर कर सकती है। साथ ही, एआई से बने भ्रामक या अनुपयुक्त कंटेंट, डीपफेक, साइबर बुलिंग, ऑनलाइन शोषण, निजता के खतरे और बच्चों के मानसिक संसार पर बढ़ते डिजिटल दबाव जैसी चुनौतियां भी चिंता का विषय हैं। इसलिए आज आवश्यकता केवल बच्चों को एआई से परिचित कराने की नहीं, बल्कि उन्हें एआई के सुरक्षित, संतुलित और विवेकपूर्ण उपयोग की शिक्षा देने की है, ताकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता बच्चों की बुद्धि का विकल्प नहीं, बल्कि उनकी प्रतिभा और रचनात्मकता को विकसित करने का सहायक माध्यम बने। विश्व बाल दिवस का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा जब भारत में ऐसा वातावरण बने जहां हर बच्चा सुरक्षित हो, सुना जाए, सम्मान पाए, पढ़ सके, खेल सके, अपनी प्रतिभा विकसित कर सके और बिना भय के सपने देख सके। हमें बच्चों को अपने सपनों के अनुसार जीने का अवसर देना होगा, अपने सपनों के अनुसार ढालने का नहीं। बचपन किसी राष्ट्र की प्रतीक्षा करती हुई सुबह है। यदि उस सुबह पर हिंसा, शोषण, भूख और भय के बादल छा गए तो विकसित भारत का सूर्योदय अधूरा रहेगा। इसलिए आज जरूरत केवल बाल दिवस मनाने की नहीं, बल्कि बचपन को बचाने की है।

देश दुनिया से

अमेरिका का आसमान ठहर गया

अमेरिका से आई विमानन क्षेत्र की खबर केवल एक देश के हवाई यातायात में आई अव्यवस्था की कहानी नहीं है, बल्कि आधुनिक तकनीक पर अत्यधिक निर्भर होती दुनिया के सामने खड़े एक बड़े खतरे का संकेत भी है। जिस अमेरिका को तकनीकी विकास, वैज्ञानिक नवाचार और आधुनिक परिवहन व्यवस्था का अग्रणी देश माना जाता है, उसी के हवाई यातायात तंत्र में आई गंभीर तकनीकी गड़बड़ी ने हजारों उड़ानों को प्रभावित कर दिया। प्रमुख हवाई अड्डों पर यात्रियों की लंबी कतारें लग गईं, उड़ानों के सूचना पट्टों पर रद्द होने और देरी की सूचनाएँ दिखाई देने लगीं तथा हजारों लोग अपनी यात्रा के अगले कदम को लेकर असमंजस में पड़ गए। 13 नवंबर 2026 को अमेरिका के संघीय विमानन प्रशासन (FAA) ने हवाई यातायात नियंत्रण केंद्रों में संचार संबंधी समस्या के कारण देशभर से उड़ान भरने वाले विमानों पर अस्थायी रोक लगा दी। यह फैसला सामान्य परिचालन बाधा नहीं था, बल्कि यात्रियों और विमानों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया एक असाधारण कदम था। लगभग चार घंटे से अधिक समय तक चली इस रोक को अमेरिकी समयानुसार शुक्रवार रात लगभग 8 बजकर 15 मिनट पर हटाया गया। लेकिन हवाई क्षेत्र को दोबारा खोल देने भर से संकट समाप्त नहीं हुआ। विमानों, चालक दल और उड़ान कार्यक्रमों की पूरी व्यवस्था को फिर से पटरी पर लाना एक बड़ी चुनौती बन गया। 14 नवंबर की उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, शुक्रवार और शनिवार को मिलाकर हजारों उड़ानें रद्द हो चुकी थीं। शनिवार को ही शुरुआती आंकड़ों में 3,200 से अधिक उड़ानों के रद्द होने की



जानकारी सामने आई। शुक्रवार को बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द हुईं और देरी का आंकड़ा भी हजारों में पहुंच गया। विभिन्न उड़ान निगरानी संस्थाओं के आंकड़ों में अंतर है, लेकिन इतना स्पष्ट है कि इस घटना से 15 हजार से अधिक उड़ानें किसी न किसी रूप में प्रभावित हुईं और 15 लाख से अधिक हवाई यात्रियों की यात्रा व्यवस्था पर असर पड़ा। इस संकट की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि शिकागो का ओ'हेयर, अटलांटा का हार्ट्सफील्ड-जैक्सन, डलास-फोर्ट वर्थ, न्यूयॉर्क के प्रमुख हवाई अड्डे, डेनवर, लॉस एंजिलिस और सैन फ्रांसिस्को जैसे व्यस्त विमानन केंद्र भी इससे प्रभावित हुए। ये केवल यात्रियों के आने-जाने के स्थान नहीं हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार, पर्यटन, शिक्षा, रोजगार और वैश्विक संपर्क के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। इन हवाई अड्डों पर परिचालन बाधित होने का असर अमेरिका की सीमाओं से बाहर दूसरे देशों की उड़ानों और यात्रियों तक पहुंचना स्वाभाविक था। यूरोप और अन्य क्षेत्रों से अमेरिका आने-जाने वाली उड़ानों के कार्यक्रम भी प्रभावित हुए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर ऐसा हुआ क्यों? अमेरिकी अधिकारियों के शुरुआती बयानों के अनुसार, हवाई यातायात नियंत्रण केंद्रों के बीच संचार व्यवस्था में तकनीकी समस्या पैदा हुई। परिवहन सचिव सीन डफी ने पुराने और आधुनिकीकृत किए जा रहे उपकरणों तथा नेटवर्क पर अत्यधिक दबाव को समस्या की वजह बताया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, संचार नेटवर्क में असंगत आंकड़ों और उपकरणों की कार्यक्षमता से जुड़ी परेशानी सामने आई। इसके कारण विमानन नियंत्रण व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हुए और सुरक्षा की दृष्टि से उड़ानों को रोकना आवश्यक समझा गया। अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्री मार्कवेन मुलिन ने शुरुआती जानकारी में साइबर हमले के कोई संकेत नहीं होने की बात कही, हालांकि उन्होंने जांच जारी रहने की बात भी स्पष्ट की। इसलिए इस घटना को फिलहाल साइबर हमले का परिणाम बताना उचित नहीं होगा। वास्तविक कारणों की पुष्टि विस्तृत तकनीकी जांच के बाद ही हो सकेगी। यह घटना एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाती है कि क्या आधुनिक तकनीकी विकास के साथ हमारी आधारभूत व्यवस्थाओं का आधुनिकीकरण भी उसी गति से हो रहा है? आज विमान केवल पायलट के अनुभव के भरोसे नहीं उड़ते। इनके संचालन में रडार, रेडियो संचार, उपग्रह, डिजिटल नेटवर्क, मौसम संबंधी आंकड़े और स्वचालित नियंत्रण प्रणालियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इन व्यवस्थाओं में कहीं एक बड़ी गड़बड़ी पैदा हो जाए तो उसका प्रभाव हजारों किलोमीटर दूर तक महसूस किया जा सकता है। विमानन व्यवस्था में सुरक्षा सर्वोपरि है। इसलिए यदि नियंत्रण प्रणाली में संचार संबंधी अनिश्चितता पैदा होती है तो उड़ानों को रोकना यात्रियों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार निर्णय है। किसी भी देश के लिए यह बेहतर है कि कुछ समय तक विमान जमीन पर रहें, बजाय इसके कि तकनीकी अनिश्चितता के बीच यात्रियों की जान जोखिम में डाली जाए। इस दृष्टि से FAA का निर्णय सुरक्षा के महत्व को रेखांकित करता है। लेकिन इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि ऐसी स्थिति उत्पन्न ही न हो, इसके लिए मजबूत तकनीकी ढांचा तैयार किया जाए। इस घटना का एक दूसरा पक्ष आम यात्रियों की परेशानियां हैं। हवाई अड्डे पर फंसे यात्रियों के लिए समय केवल घड़ी की सुइयों से नहीं मापा जाता। किसी की अंतरराष्ट्रीय व्यापार बैठक छूट जाती है, किसी विद्यार्थी की परीक्षा या प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित होती है, कोई व्यक्ति परिवार में बीमारी या आपात स्थिति के कारण यात्रा कर रहा होता है तो किसी की महीनों पहले बनाई गई छुट्टियों की योजना अचानक बिखर जाती है।

आप का नज़रिया

बेकाबू दरिया के किनारे

तपोवन की दोपहर में लोकतांत्रिक विरासत के अहम बिंदु अगर सदन के प्रांगण में सवाल खड़े करते रहे, तो राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाओं का दरिया बेकाबू होने लगा है। मीडिया से रूबरू होते कुल्लू और नगरोटा बगवां के विधायक आखिर इशारों-इशारों में कह क्या रहे हैं। सुंदर सिंह ठाकुर के वक्तव्यों ने बता दिया कि उनका वजन क्या है, जबकि पहली बार विधायक बने आर एस बाली अपने दबाव को तोल रहे हैं। एक को मंत्री पद चाहिए, तो दूसरे को कांगड़ा की पतवार। विधानसभा चुनाव से सिर्फ कुछ महीनों या साल भर के शेष में अपना रुतबा डालने की कोशिश कमोबेश हर विधायक करेगा। सुंदर सिंह ठाकुर मंत्री बन सकते हैं, तो ऐसी कौनसी शक्तियां कांग्रेस में हैं जो उनकी 'झंडी' को तार-तार कर रही हैं। हैं कई खामोशियां तेरे वजूद में, तूने तो सिर्फ खुद को पुकारा है। हिमाचल के राजनीतिक माहौल में अब तरह-तरह की खिचड़ी पक रही है, तो आकाश की हवा बेचैन है। आश्चर्य यह कि सारी बेचैनियां पलकों पर सवार होकर जुबान को हौसला दे रही हैं। सुंदर सिंह का हौसला विधानसभा परिसर के बाहर परवान चढ़ा, तो सियासत का यह रंग अब बिखर सकता है। अगर विधायक दल की बैठक में कांग्रेस के मुद्दे बिफर कर, मीडिया से चुगलखोरी कर रहे हैं, तो पार्टी के भीतर एक विपक्ष खड़ा है। बाली ने कांगड़ा जिला के विभाजन को लेकर अपनी कमान सीधी की है, तो इस लश्कर में बड़ा सामान है। कम से कम जिले के पुनर्गठन पर सियासत की आरजू-सियासत की ही गलियों से युद्धरत है। बहरहाल यह इक्का दुक्का विधायकों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि राज्य के सामने खड़े अनेक मसले सदन के बाहर अपना कद बता रहे हैं। इससे पहले कि सरकार द्वारा पूर्व भाजपा के शासन काल पर श्वेत पत्र बाहर आता, विपक्ष ने जमीनी मसलों की लुकाछिपी में अपनी विस्तृत तकरीर रख दी है। कांगड़ा एयरपोर्ट के दायरे में बिकी जमीनें या पालमपुर से निकलते जमीन घोटाले के धुएं को माचिस दिखाकर, भाजपा की फेहरिस्त में धारा 118 के जबड़ों में विरोध के टुकड़े फंसे हैं। कम से कम हम सत्र की तासीर में कई आक्रमण देख सकते हैं। जाहिर है चुनावी मुद्दे बनाने के लिए अब शेष बचे सत्रों का लोहा पिघलेगा, तो सामने वही पुराने आक्रोश बाहुबली हो जाएंगे। ऐसे में तपोवन परिसर इस बार विभिन्न अवसरों पर अपने ही शोरगुल से कानों को ढांपने की कोशिश कर रहा है। जो सदन में नहीं कहा जाएगा या जिसे सुनने की मशक्कत बढ़ जाएगी, उसके लिए बाहर के दरवाजे काम आएंगे। विडंबना यह है कि हिमाचल के लिए आम सहमति के मुद्दे कब परवान चढ़ेंगे। ऐसे हजारों दस्तखत दोनों ओर से मिल जाएं, अनुबंधों पर तराशा रोजगार मिल जाएगा, सत्ता की नियुक्तियों में कई नेताओं का उद्धार हो जाएगा, लेकिन प्रदेश की साझी विरासत में दोनों पार्टियों में मतैव्य की कोशिश नहीं होगी। सदन में तपती राजनीति अगर मशगूल भी रहे, बाहर नवंबर महीने की खुशकी का असर कौन देखेगा। जलवायु परिवर्तन में उजड़ते खेत, माफिया के कब्जे में बजरी और रेत तथा जमीनों की खरीद फरोख्त में लुटता हिमाचल किसी एक पक्ष पर दोषारोपण से सबूत एकत्रित नहीं करेगा। हमने पढ़ाई के बहाने हजारों शिक्षण केंद्र बेकार कर दिए और बेरोजगारों की संख्या में हमारी प्राथमिकता क्या यही बनी रहेगी कि सत्ता के प्रभाव से चंद नेता अपने विधानसभा क्षेत्र में कई-कई नए संस्थान खोल लेंगे। एक बार या विधानसभा सत्र के कम से कम एक दिन दोनों दल मिल बांट कर उस दर्द को समझें कि जब पढ़ लिख कर बच्चे बेरोजगार रहते हैं, तो अभिभावकों के लिए न नए मंत्री और न ही नए जिले उद्धार करते हैं। जब बंदर, सूअरों और नीलगायों के उत्पात से खेत उजड़ते हैं, तो उनके जिम्मेदार मंत्री कितने बेकार लगते हैं।

> मीडिया से रूबरू होते कुल्लू और नगरोटा बगवां के विधायक आखिर इशारों-इशारों में कह क्या रहे हैं। सुंदर सिंह ठाकुर के वक्तव्यों ने बता दिया कि उनका वजन क्या है, जबकि पहली बार विधायक बने आर एस बाली अपने दबाव को तोल रहे हैं। एक को मंत्री पद चाहिए, तो दूसरे को कांगड़ा की पतवार। विधानसभा चुनाव से सिर्फ कुछ महीनों या साल भर के शेष में अपना रुतबा डालने की कोशिश कमोबेश हर विधायक करेगा। सुंदर सिंह ठाकुर मंत्री बन सकते हैं, तो ऐसी कौनसी शक्तियां कांग्रेस में हैं जो उनकी 'झंडी' को तार-तार कर रही हैं। हैं कई खामोशियां तेरे वजूद में, तूने तो सिर्फ खुद को पुकारा है। हिमाचल के राजनीतिक माहौल में अब तरह-तरह की खिचड़ी पक रही है, तो आकाश की हवा बेचैन है। आश्चर्य यह कि सारी बेचैनियां पलकों पर सवार होकर जुबान को हौसला दे रही हैं। सुंदर सिंह का हौसला विधानसभा परिसर के बाहर परवान चढ़ा, तो सियासत का यह रंग अब बिखर सकता है। अगर विधायक दल की बैठक में कांग्रेस के मुद्दे बिफर कर, मीडिया से चुगलखोरी कर रहे हैं, तो पार्टी के भीतर एक विपक्ष खड़ा है। बाली ने कांगड़ा जिला के विभाजन को लेकर अपनी कमान सीधी की है, तो इस लश्कर में बड़ा सामान है। कम से कम जिले के पुनर्गठन पर सियासत की आरजू-सियासत की ही गलियों से युद्धरत है। बहरहाल यह इक्का दुक्का विधायकों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि राज्य के सामने खड़े अनेक मसले सदन के बाहर अपना कद बता रहे हैं। इससे पहले कि सरकार द्वारा पूर्व भाजपा के शासन काल पर श्वेत पत्र बाहर आता, विपक्ष ने जमीनी मसलों की लुकाछिपी में अपनी विस्तृत तकरीर रख दी है।

दृष्टि कोण

विश्व राजनीति में भारत की बुलंद आवाज थी इंदिरा गांधी

इंदिरा जी को स्वयं अपनी मौत का आभास पहले ही हो गया था लेकिन फिर भी वह अपने दृढ़ इरादों से टस से मस न हुईं और अलगाववादियों के खिलाफ अपना अभियान पहले से भी तेज कर दिया। पं. जवाहरलाल नेहरू के घर 19 नवम्बर 1917 को जब प्रियदर्शिनी नामक कन्या ने जन्म लिया था तो किसे पता था कि यही कन्या आगे चलकर न केवल इस देश की बागडोर संभालेगी बल्कि अपनी दबंगता से पूरी दुनिया में मिसाल बन जाएगी। ऑक्सफोर्ड और स्विट्जरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्ति के पात्र इंदिरा गांधी ने उच्च पद पर नौकरी करने या कोई अन्य कार्य करने के बजाय अपना जीवन देशसेवा में समर्पित करने का निाय किया। देशभक्ति की भावना इंदिरा जी में बचपन से ही वूट-वूटकर भरी थी। विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के आव्हान से प्रेरित होकर बचपन में ही इन्होंने अपने घर के बाहर अपने कीमती कपड़ों की होली जलाकर न केवल अपनी इसी भावना का परिचय दिया था बल्कि उसके बाद इंदिरा जी से प्रेरणा लेकर इस आन्दोलन ने पूरे देश में जोर पकड़ा था। इंदिरा जी के स्वूली दिनों में एक दिन स्वूल में गांधी जी के आमरण अनशन को लेकर एक सभा का आयोजन था, जिसमें बच्चों को भी बोलने का अवसर दिया गया था। जब इंदिरा जी ने बोलना शुरू किया तो सभागार में सन्नाटा छा गया और सभी एकटक इंदिरा को निहारने लगे कि इतनी छोटी बालिका इतनी गूढ़ बातें वैसे कर रही है। उन्होंने कहा, ''आखिर स्वर्ण अपने ही दलित भाईयों को गिरा हुआ, छूत और निवृष्ट क्यों समझते हैं तथा उनके साथ दुवर्यवहार और अत्याचार क्यों करते हैं? अगर हमने अपनी ही सेवा



करने वालों का इस तरह से निरन्तर तिरस्कार न किया होता तो आज अंग्रेजों को इस प्रकार लाभ उठाने का अवसर न मिल रहा होता और न ही बापू को इस तरह से आमरण अनशन कर अपने प्राण दांव पर लगाने पड़ते।'' इंदिरा जी की इन गूढ़ और तर्वसम्मत बातों के समक्ष सभी नतमस्तक थे और उनकी सराहना कर रहे थे। इंदिरा में बचपन से ही एक अच्छी राजनेता होने के तमाम गुण विद्दामान थे। 21 वर्ष की आयु में वह कांग्रेस में शामिल होकर सायि राजनीति में वूद पड़ी। उसके बाद उन्होंने आजादी के आन्दोलन में बढ़- चढ़कर हिस्सा लिया। 1942 में उन्होंने फिरोज गांधी से प्रेम विवाह किया किन्तु 1960 में फिरोज गांधी का अकस्मात निधन हो गया। पिता जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद देश की बागडोर संभालने की जिम्मेदारी इंदिरा के वंधों पर आईं तो अपनी दृढ़ता, दबंगता, निडरता और वाकपटुता से उन्होंने दुनियाभर को अपना लोहा मानने को विवश कर



वेलिंगटन टेस्ट : सिराज को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखने पर हर्षा भोगले और आकाश चोपड़ा ने जताई हैरानी

वेलिंगटन

न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व मैदान पर खेले जा रहे पहले टेस्ट मुकाबले में भारतीय टीम मैनेजमेंट के प्लेइंग इलेवन से जुड़े फैसले ने सभी को हैरान कर दिया। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, लेकिन टीम की अंतिम एकादश में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को जगह नहीं मिली। सिराज को बाहर रखने के फैसले पर क्रिकेट जगत में भी चर्चा शुरू हो गई है। मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले और पूर्व भारतीय क्रिकेटर एवं कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने इस पर अपनी हैरानी जाहिर की है।

भारतीय टीम ने इस मुकाबले के लिए चार तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह, आकाश दीप, अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया है। वहीं, विदेशी परिस्थितियों में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के अहम सदस्य माने जाने वाले मोहम्मद सिराज को बाहर बैठना पड़ा।

सिराज को प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किए जाने पर मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि भारतीय टीम द्वारा सिराज को बाहर किए जाने से वह हैरान और निराश हैं।

भोगले ने कहा कि सिराज ने वह सब कुछ किया है, जो उनसे करने को कहा गया। बुमराह की गैरमौजूदगी में उन्होंने गेंदबाजी आक्रमण की जिम्मेदारी संभाली और खुद को एक बेहतरीन तथा सकारात्मक टीम खिलाड़ी साबित किया। कंबोज को शुभकामनाएं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि सिराज के साथ इस फैसले को लेकर पूरी ईमानदारी से बातचीत की गई होगी।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने भी टीम मैनेजमेंट के इस फैसले पर आश्चर्य जताया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि प्लेइंग इलेवन में मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को जगह नहीं मिलना उनके लिए वास्तव में हैरान करने वाला फैसला है।

टास के दौरान कप्तान शुभमन गिल ने भी माना कि टीम संयोजन चुनना आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि टीम मैनेजमेंट पिछले एक सप्ताह से इस पर विचार कर रहा था कि किन खिलाड़ियों के साथ मैदान पर उतरना चाहिए, क्योंकि सभी तेज गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

गिल के मुताबिक, सिराज और गुरनूर को बाहर रखना बेहद मुश्किल फैसला था। दोनों ने वनडे सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था और गुरनूर को तो प्लेयर आफ द सीरीज भी चुना गया था। हालांकि, टीम को उम्मीद है कि चुने गए तेज गेंदबाज अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह निभाएंगे।

मोहम्मद सिराज का टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन शानदार रहा है। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में उन्होंने 23 विकेट हासिल किए थे। ओवल में खेले गए टेस्ट मुकाबले में नौ विकेट लेकर भारत की यादगार जीत में अहम भूमिका निभाई थी। श्रीलंका के खिलाफ पिछली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में भी सिराज ने चार विकेट हासिल किए थे।

अपने टेस्ट डेब्यू के बाद से ही सिराज विदेशी परिस्थितियों में भारतीय टीम के भरोसेमंद तेज गेंदबाजों में शामिल रहे हैं। उन्होंने अब तक भारत के लिए 48 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें उनके नाम 144 विकेट दर्ज हैं। इस दौरान उन्होंने आठ बार एक पारी में चार विकेट और पांच बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया है। ऐसे में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में सिराज को बाहर रखने का फैसला निश्चित तौर पर चर्चा का विषय बन गया है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन

केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, ध्रुव जुरेल, आकाश दीप, अंशुल कंबोज, जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा।

न्यूज ब्रीफ

अब बीबीएल में खेलते हुए लय हासिल करने का प्रयास करेंगे लाबुशेन, ब्रिस्बेन हीट ने किया है रिटेन

सिडनी। आस्ट्रेलियाई टीम से बाहर हुए अनुभवी बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन अब अगले माह घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) में बेहतर प्रदर्शन कर अपना खाया फार्म हासिल करने उतरेंगे। ब्रिस्बेन हीट ने बीबीएल के 16वें सीजन के लिए लाबुशेन को अपनी टीम में बनाये रखा है। लाबुशेन लगातार 11वें सत्र में ब्रिस्बेन के लिए खेलते नजर आएंगे, जो टीम के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और महत्व को दर्शाता है। उन्हें क्रिस लिन जैसे प्रमुख खिलाड़ी के साथ बरकरार रखे गए खिलाड़ियों की सूची में रखा गया है।वहीं क्वींसलैंड क्रिकेट के जनरल मैनेजर परफार्मेंस, बेनेट किंग ने लाबुशेन के अनुभव और प्रतिस्पर्धी स्वभाव की सराहना की। किंग ने कहा, मार्नस जब भी मैदान पर उतरते हैं, वे अपना शत-प्रतिशत देते हैं। ऐसा बहुत कम है, जो उन्होंने अपने करियर में अब तक क्रिकेट के मैदान पर अनुभव न किया हो। उनका अनुभव अनमोल है और उनकी विविध स्किल्स हमें विरोधी टीमों के खिलाफ रणनीतिक रूप से मदद करेंगी, साथ ही हमारे समग्र स्क्वाड में संतुलन भी प्रदान करेंगी। टीम ने केवल अनुभवी खिलाड़ियों पर ही भरोसा नहीं दिखाया है, बल्कि युवा प्रतिभाओं को भी मौका दिया है। टीम ने अपनी 18-सदस्यीय टीम में बची हुई जगहों को युवा तेज गेंदबाजों टाम बाल्किन और ओली पैटरसन को शामिल करके भरा है। इन दोनों खिलाड़ियों ने पिछले सीजन में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था और अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया था।22 वर्षीय टाम बाल्किन ने पिछले सीजन के पांच मैचों में छह महत्वपूर्ण विकेट लिए थे, जबकि 20 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ओली पैटरसन ने तीन मैचों में चार विकेट लिए थे। पैटरसन का घरेलू सर्किट में प्रदर्शन भी शानदार रहा है; वे लगातार दूसरे सीजन में टी20 मैक्स टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। दोनों युवा खिलाड़ियों ने क्वींसलैंड के लिए घरेलू वनडे कप में अपना लिस्ट ए डेब्यू किया है, और बाल्किन ने प्रतिष्ठित शेफील्ड शील्ड मैच में भी हिस्सा लिया है, जो उनके बढ़ते अनुभव और बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है।

धोनी के इन तीन रिकार्डो की शायद ही कोई बराबरी कर पाये

चेन्नई। आईपीएल टीम चेन्नई सुपरकिंग्स को अपनी कप्तानी में पांच बार खिताब जिताने वाले महेंद्र सिंह धोनी अब हालांकि मेंटर के तौर पर ही मैदान पर नजर आयेंगे पर उनके बनाये तीन रिकार्डों की बराबरी करना किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होगा। पहला रिकार्ड है आईपीएल में कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा मैच खेलने का। धोनी एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने 200 से अधिक आईपीएल मैचों में कप्तानी की है। उन्होंने कुल 235 मुकाबलों में टीम की अगुवाई की, जिसमें से 136 में जीत हासिल की और 97 में हार का सामना करना पड़ा। वहीं दो मैचों का कोई परिणाम नहीं निकला। उनकी कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने रिकार्ड पांच बार आईपीएल का खिताब जीता। मुम्बई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के नाम भी पांच बार आईपीएल खिताब जीतने का रिकार्ड है पर अब वह कप्तान नहीं है। ऐसे में उनके लिए धोनी का रिकार्ड तोड़ना संभव नहीं है। इसके अलावा और कोई भी कप्तान मुकाबले में नहीं है।

साहिल और अनन्या ने जीते अंडर-17 राष्ट्रीय टेबल टेनिस खिताब



फगवाड़ा। तीसरी राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में पंजाब के साहिल रावत और तमिलनाडु की अनन्या मुरलीधरन ने अंडर-17 वर्ग के खिताब जीत लिए। बालक एकल फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त साहिल ने दिल्ली के शीर्ष वरीय रित्विक गुप्ता को 4-1 से हराया, जबकि बालिका वर्ग में दूसरी वरीय अनन्या ने महाराष्ट्र की रियाना भूट्टा को 3-2 से पराजित किया। मुकाबले लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के शांति देवी मित्तल इंडोर स्टेडियम में खेले गए। बालक फाइनल में साहिल और रित्विक के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। साहिल ने पहला गेम 12-10 से जीता, लेकिन रित्विक ने दूसरा गेम 11-2 से जीतकर वापसी की। इसके बाद साहिल ने लगातार दो गेम 12-10, 12-10 से जीतकर खिताब अपने नाम किया। (आधिकारिक परिणाम में मैच 4-1 बताया गया है, जबकि उपलब्ध गेम स्कोर 3-1 का है।) बालिका फाइनल में रियाना ने पहला गेम 11-7 से जीता। अनन्या ने अगले दो गेम 11-8, 11-8 से जीतकर बढ़त बनाई। रियाना ने चौथा गेम 11-7 से जीतकर मुकाबला निर्णायक गेम तक पहुंचाया। पांचवें गेम में अनन्या ने 11-9 से जीत दर्ज कर खिताब हासिल किया। पिछले दिन महिला एकल फाइनल में हार का सामना करने के बाद अनन्या की यह शानदार वापसी रही।

निकल्स का शतक, फिलिप्स का साथ

ग्राउंड्समैन से किया वादा निभाया, 72 रन पर पांच विकेट गंवाने के बाद न्यूजीलैंड ने की शानदार वापसी

सिराज को प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिलने पर उठे सवाल, बल्लेबाजी कोटक ने प्रबंधन के फैसले का किया बचाव





नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड के बीच वेलिंग्टन के बेसिन रिजर्व मैदान पर खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के पहले दिन न्यूजीलैंड के बल्लेबाज हेनरी निकल्स ने शानदार शतक जड़कर न केवल अपनी टीम को संकट से उबारा, बल्कि मैदान के ग्राउंड्समैन से किया अपना वादा भी पूरा किया। मैच की शुरुआत से पहले ग्राउंड्समैन ने निकल्स से इस मुकाबले में शतक लगाने की इच्छा जाहिर की थी। कीवी बल्लेबाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उनकी यह इच्छा पूरी कर दी। बेसिन रिजर्व मैदान पर यह निकल्स का पांचवां शतक था। उन्होंने अपने करियर के 12 टेस्ट शतकों में से पांच इसी मैदान पर बनाए हैं।

तेज गेंदबाजों के सामने लड़खड़ाई न्यूजीलैंड

भारतीय तेज गेंदबाजों ने बेसिन रिजर्व में तेज हवाओं का शुरुआत से ही पूरा फायदा उठाया। एक समय न्यूजीलैंड की टीम 72 रन के स्कोर पर पांच विकेट गंवाकर मुश्किल में फंस गई थी। भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत में लगातार विकेट लेकर कीवी बल्लेबाजी क्रम पर दबाव बनाया। हालांकि, इसके बाद हेनरी निकल्स और ग्लेन फिलिप्स ने मोर्चा संभालते हुए शानदार बल्लेबाजी की और शतकीय साझेदारी कर टीम को संकट से बाहर निकाला। पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद प्रसारणकर्ता से बातचीत में निकल्स ने ग्राउंड्समैन के साथ हुई बातचीत का खुलासा किया। उन्होंने कहा, मुझे पक्का नहीं पता। मैं ग्राउंड्समैन के साथ मजाक कर रहा था। वह कह रहा था कि यहां उसका पहला साल है। उसने बताया कि पहले या दूसरे मैच में मैंने यहां अपना पहला शतक बनाया था। आज सुबह उसने कहा कि बहुत अच्छा होगा अगर तुम इस बार भी शतक बना सको।

निकल्स ने बताया कि ग्राउंड्समैन ने उनसे शतक लगाने की इच्छा जताई थी। उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से उसकी इच्छा पूरी कर दी और वेलिंग्टन के मैदान पर पांचवां शतक जड़कर न्यूजीलैंड को मुश्किल परिस्थिति से बाहर निकाला।

निकल्स-फिलिप्स की शतकीय साझेदारी

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 52 रन के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिए थे, जबकि 70 रन तक पहुंचते-पहुंचते आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी। ऐसे मुश्किल समय में हेनरी निकल्स और ग्लेन फिलिप्स ने जिम्मेदारी संभाली। दोनों बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया और पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 173 रन की अविजित साझेदारी कर ली। दिन का खेल खत्म होने तक निकल्स 113 रन और फिलिप्स 94 रन बनाकर नाबाद थे। दोनों की इस साझेदारी ने न्यूजीलैंड को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया और पहले दिन का पलड़ा भारत से छीन लिया।

सिराज को टीम में जगह नहीं मिलने पर उठे सवाल

न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंग्टन में गुरुवार से शुरू हुए पहले टेस्ट मैच में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिलने पर क्रिकेट जगत में सवाल उठने लगे। टीम प्रबंधन के इस फैसले की काफी आलोचना हुई। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने भी सिराज को बाहर रखने के फैसले पर आपत्ति जताई। हालांकि, भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने टीम चयन का बचाव करते हुए इसे सही फैसला बताया।

भारतीय टीम इस मुकाबले में चार तेज गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरी। इनमें जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाशदीप और अंशुल कंबोज शामिल थे। सिराज को अंतिम एकादश में जगह नहीं दी गई। इस फैसले पर उठ रहे सवालों के बीच बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने स्पष्ट किया कि टीम का चयन केवल पहले दिन के प्रदर्शन को ध्यान में रखकर नहीं किया जाता, बल्कि पूरे टेस्ट मैच की परिस्थितियों को देखते हुए किया जाता है।

पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कोटक ने कहा, सिराज के साथ कुछ भी गलत नहीं है। जब हमने टीम चुनी, तब हमें लगा कि यही सर्वश्रेष्ठ टीम है। मुझे नहीं लगता कि सिराज को बाहर रखना गलत फैसला था। यह केवल पहला दिन है। हम टीम का चयन सिर्फ पहले दिन के लिए नहीं, बल्कि दूसरे, तीसरे और चौथे दिन को ध्यान में रखकर करते हैं।

आईपीएल से पहले घरेलू क्रिकेट पर ध्यान दें युवा : रैना



नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने में युवा खिलाड़ियों से कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पीछे भागने की जगह पर उन्हें पहले अपने राज्य के घरेलू क्रिकेट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। रैना के अनुसार, मेरे करियर का सबसे यादगार पल कोई आईपीएल खिताब या धमाकेदार टी20 पारी नहीं, बल्कि 2005-06 में उत्तर प्रदेश को पहली बार रणजी ट्राफी का खिताब जीतना रहा है।

इसी अनुभव के आधार पर, रैना युवा प्रतिभाओं को सलाह देते हैं कि वे अपनी नींव मजबूत करें। उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए बताया कि कैसे लखनऊ में स्टेट रोडवेज की बसों से किट बैग लेकर सफर करते हुए एक मोहल्ले की महिला ने उनसे पूछ लिया था, बेटा, इस बैग में क्या बेच रहे हो साड़ी है क्या यह बात उन्हें इतनी चुभ गई कि उन्होंने उसी क्षण संकल्प लिया कि एक दिन वे भारतीय टीम की जर्सी पहनकर उसी मोहल्ले में लौटेंगे। रैना ने अपना यह वादा पूरा किया। अंडर-19 क्रिकेट में भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद जब वे उसी इलाके में लौटे, तो वही महिला उनके साथ तस्वीर खिंचवाना चाहती थी। रैना के लिए यह केवल पहचान मिलने का क्षण नहीं था, बल्कि उस दृढ़ संकल्प और संघर्ष का जवाब भी था, जिसे उन्होंने अपने शुरुआती दिनों में अनुभव किया था।

रैना का मानना है कि फ्रेंचाइजी क्रिकेट का आकर्षण युवा खिलाड़ियों को उनके मूल लक्ष्यों से भटका सकता है। उन्होंने उत्तर प्रदेश की मौजूदा टीम के खिलाड़ियों को स्पष्ट संदेश दिया है कि उनका पहला लक्ष्य सैयद मुश्ताक अली ट्राफी जीतना होना चाहिए, आईपीएल कान्ट्रैक्ट की चिंता उसके बाद करें। अपने कप्तानी के दिनों का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि 2016 में जब उत्तर प्रदेश ने सैयद मुश्ताक अली ट्राफी जीती, तो उसके बाद गुजरात लायंस के कप्तान के तौर पर वे उत्तर प्रदेश के आठ से दस खिलाड़ियों को अपनी टीम में ले गए थे। रैना ने जोर देकर कहा कि टीम उनकी थी, लेकिन उसमें खेलने वाले सभी खिलाड़ी उत्तर प्रदेश के थे, जो राज्य की प्रतिभा को दर्शाता है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने उत्तर प्रदेश में चार से छह घरेलू टीमें बनाने की भी वकालत की है। उनका तर्क है कि जब गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में कई टीमें हैं, तो उत्तर प्रदेश जैसी बड़ी आबादी और प्रतिभा वाले राज्य में भी युवा खिलाड़ियों को ज्यादा अवसर मिलने चाहिए।

वर्ल्ड टेनिस लीग में पाउला बडोसा , भांबरी और नागल भी खेलते दिखेंगे



बेंगलुरु। बेंगलुरु में अगले माह वर्ल्ड टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) का पांचवां सत्र खेला जाएगा। ये मुकाबले 17 से 20 दिसंबर तक केएसएलटीए, एस.एम. कृष्णा टेनिस स्टेडियम में रखे गये हैं। इस टूर्नामेंट में देश-विदेश के शीर्ष खिलाड़ियों को खेलते देखने का अवसर टेनिस प्रशंसकों मिलेगा। इनमें स्पेन की पूर्व टाप-10 खिलाड़ी पाउला बडोसा भी खेलती दिखेंगी। वहीं भारत की बात करें तो युकी भांबरी और सुमित नागल जैसे स्टार खिलाड़ी इसमें खेलते दिखेंगे। इनके अलावा, दक्षिणेश्वर सुरेश, माया राजेश्वरन रेवती और श्रीवल्ली भामिदिपति जैसे उभरते खिलाड़ी भी शामिल होंगे। वर्ल्ड टेनिस लीग के सह-संस्थापक और भारतीय टेनिस के दिग्गज महेश भूपति इस टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, पिछला सीजन वर्ल्ड टेनिस लीग के लिए एक बेहद रोमांचक अध्याय था, जिसमें अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं और भारतीय खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर मिला था। अब पांचवें सत्र में भी हम लय को बनाये रखना चाहते है।वहीं डब्ल्यूटीएल की सह-संस्थापक हेमाली शर्मा ने भी बेंगलुरु में लीग की वापसी पर खुशी जाहिर की।

सैंडपेपरगेट मामले से आस्ट्रेलियाई क्रिकेट के मतभेद सामने आये : अश्विन

चेन्नई

भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि सैंडपेपरगेट मामले को लेकर आस्ट्रेलियाई क्रिकेट दो भागों में बंटता नजर आ रहा है। इसमें कुछ लोग आरोप लगाने वाले पूर्व सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के साथ हैं। वहीं कई लोग उनके विरोध में है, बहरहाल इस पूरे मामले से आस्ट्रेलियाई क्रिकेट की छवि जरुर खराब हो रही है। ख्वाजा की हाल ही में रिलीज हुई किताब सब्र ने 2018 में केपटाउन टेस्ट के दौरान हुए इस सैंडपेपरगेट विवाद को फिर से उजागर किया है। अश्विन ने इस पूरे प्रकरण और आस्ट्रेलियाई टीम के सदस्यों के अलग-अलग बयानों पर अपनी राय रखी है। अश्विन ने कहा कि ख्वाजा ने अपनी किताब में अपनी बात स्पष्ट तरीके से बताई है। उन्होंने ख्वाजा के इस दावे पर भी ध्यान दिलाया कि वह सामूहिक जवाबदेही मांग रहे हैं। ख्वाजा का कहना है कि इस घटना के बारे में केवल तीन लोग नहीं, बल्कि और भी लोग जानते थे।

अश्विन ने आस्ट्रेलियाई खेमे के भीतर के विरोधाभासी बयानों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने ख्वाजा के दावों को आधारहीन , बकवास और बिना सबूत वाला बताया। अश्विन ने कमिंस की एक क्रिकेटर के तौर पर प्रशंसा करते हुए भी इस बात पर जोर दिया। हालांकि, उन्होंने डेविड वार्नर के बयान को



चिंता की बात करार दिया, क्योंकि वार्नर का बयान ख्वाजा के दावों का समर्थन करता है। वार्नर स्वयं 2018 की घटना में शामिल थे और उन पर प्रतिबंध भी लगा था।अश्विन ने क्रिकेट आस्ट्रेलिया के सीईओ द्वारा केस को दोबारा न खोलने वाले बयान को सही तरीका बताया। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि इन अलग-अलग बयानों ने आस्ट्रेलियाई ड्रेसिंग रूम में पुरानी दरारों को फिर से हरा कर दिया है। उनके अनुसार, यह बात बिल्कुल साफ है कि इस मुद्दे पर विचारों और राय को लेकर ड्रेसिंग रूम में पहले भी मतभेद थे, और यह दरारें अब भी खत्म नहीं हुई हैं। अश्विन के लिए यह स्थिति ज्यादा चिंता की बात है।

गौरतलब है कि ख्वाजा ने अपनी किताब सब्र में दावा किया है कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2018 के टेस्ट मैच के दौरान क्रिकेट बाल पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने की जानकारी पूरी आस्ट्रेलियाई टीम को थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि पोर्ट एलिजाबेथ में पिछले टेस्ट में भी टीम ने ऐसा ही किया था।ज्ञात हो कि 2018 के सैंडपेपरगेट मामले में तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ, गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करने वाले कैमरन बैनक्राफ्ट और डेविड वार्नर को दोषी ठहराया गया था और उन पर कड़ी सजा लगाई गई थी। मौजूदा कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी उस मैच का हिस्सा थे।

भोपाल में महिला एशियन चैंपियंस ट्राफी में पहले मैच में मलेशिया से भिड़ेगी भारतीय महिला हाकी टीम

28 नवंबर तक छह देशों के बीच होगी खिताबी जंग, मौजूदा चैंपियन भारत की नजर चौथी बार ट्रॉफी जीतने पर

भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में महिला एशियन हाकी चैंपियंस ट्राफी-2026 का आगाज होने जा रहा है। प्रतियोगिता के पहले दिन मेजबान भारतीय महिला हाकी टीम अपने अभियान की शुरुआत मलेशिया के विरुद्ध करेगी। भारत और मलेशिया के बीच मुकाबला शाम 4:35 बजे खेला जाएगा। प्रतियोगिता में भारत सहित चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड की छह टीमें हिस्सा लेंगी।

मध्य प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने बताया कि मध्य प्रदेश के खेल इतिहास में पहली बार इस स्तर की अंतरराष्ट्रीय महिला हाकी प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि भोपाल में एशियन चैंपियंस ट्राफी का आयोजन प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। इससे मध्य प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी और प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय हाकी देखने तथा उससे प्रेरणा लेने का अवसर मिलेगा।

शानदार उपलब्धियों के साथ मैदान में उतरेगी भारतीय टीम, चौथे खिताब पर नजर

भारतीय महिला हाकी टीम इस प्रतियोगिता में मौजूदा चैंपियन के रूप में उतरेगी। भारत अब तक तीन बार महिला एशियन चैंपियंस ट्राफी का खिताब जीत चुका है। पिछले दो संस्करणों में भी भारतीय टीम ने लगातार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। दक्षिण कोरिया के नाम भी तीन



खिताब हैं। ऐसे में भारतीय टीम के पास चौथी बार ट्राफी जीतकर इस प्रतियोगिता के इतिहास की सर्वाधिक सफल टीम बनने का अवसर है।

भारतीय महिला हाकी टीम के लिए वर्ष 2026 उपलब्धियों से भरा रहा है। टीम ने हैदराबाद में आयोजित एफआईएच महिला हाकी विश्व कप क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व कप में अपनी जगह सुनिश्चित की। इसके बाद न्यूजीलैंड के आकलैंड में आयोजित एफआईएच महिला नेशंस कप में भारत ने अपने सभी पांच मुकाबले जीतकर खिताब अपने नाम किया और एफआईएच प्रो लीग में पदोन्नति हासिल की।

बेल्जियम में आयोजित महिला हाकी विश्व कप में भारतीय टीम ने पांचवां स्थान प्राप्त किया, जो वर्ष 1974 के बाद विश्व कप में भारतीय महिला हाकी टीम का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। वहीं, जापान में आयोजित एशियन गेम्स में भारतीय महिला टीम ने 44 वर्षों का इंतजार समाप्त करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा।

पहले दिन तीन मुकाबले, शाम 4:35 बजे भारत और मलेशिया की भिड़ंत

प्रतियोगिता के पहले दिन तीन मुकाबले खेले जाएंगे। दोपहर 1 बजे चीन और थाईलैंड के बीच पहला मुकाबला होगा। इसके बाद दोपहर 3:15 बजे जापान और दक्षिण कोरिया आमने-सामने होंगे। दिन का सबसे प्रतीक्षित मुकाबला शाम 4:35 बजे भारत और मलेशिया के बीच खेला जाएगा।

भारतीय टीम लीग चरण में पांच मुकाबले खेलेगी। मलेशिया के बाद 21 नवंबर को भारत का मुकाबला दक्षिण कोरिया, 22 नवंबर को थाईलैंड, 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान से होगा।

प्रतियोगिता राउंड राबिन प्रारूप में आयोजित होगी। सभी टीमें एक-दूसरे के विरुद्ध मुकाबला करेंगी और लीग चरण के बाद शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी। 27 नवंबर को सेमीफाइनल मुकाबले तथा 28 नवंबर को ब्रान्ज मेडल और गोल्ड मेडल के लिए मुकाबले खेले जाएंगे। फाइनल मुकाबला 28 नवंबर को शाम 7 बजे होगा। भारतीय टीम ने प्रतियोगिता से पहले जापान के विरुद्ध अभ्यास मैच में 4-1 से शानदार जीत दर्ज की है। मुख्य कोच स्वोर्ड मारिन के मार्गदर्शन में टीम अपनी रणनीति और खेल में विविधता लाने पर काम कर रही है।





नवनियुक्त हैदराबाद पुलिस आयुक्त महेश मुरलीधर भागवत को सम्मानित करते हुए तेलंगाना भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के उपाध्यक्ष प्रदीप सुराणा एवं भाजपा तेलंगाना व्यापारी प्रकोष्ठ के कार्यकारिणी सदस्य श्रेष्ठ सुराणा।



हैदराबाद के नवनियुक्त पुलिस कमिश्नर डॉ. महेश मुरलीधर भागवत (आईपीएस) से सी. अक्षय कुमार, निखिल जैन, धीरज कंडेरा, सुशील बिड़लान, संतोष सहित अन्य ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर सभी ने उन्हें नई जिम्मेदारी संभालने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।



जियागुड़ा डिवीजन में गुरुवार को पूर्व कॉर्पोरेटर बोहिनी दर्शन एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मधिरा सत्यनारायण ने सोना होटल से डोर बस्ती हनुमान मंदिर तक सीसी सड़क निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोहिनी दर्शन ने केशवस्वामी नगर में चार लेन की सड़क तथा इमामपुरा में नवा भारत संघ कम्युनिटी हॉल से श्री श्री रेणुका येल्लम्मा मंदिर तक सीसी सड़क निर्माण कार्य शुरू कराने की जानकारी दी।



अत्तापुर स्थित श्री करणी माता मंदिर में सोमानी परिवार की ओर से अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन कर अन्नकूट प्रसाद का लाभ लिया। कार्यक्रम में चंदुलाल सोमानी, सुरेश मालपानी, गोपाल राठी, गोविंद जाजू, रचिता झंवर, कौशल झंवर, पं. गोविंद महाराज, राजेश करवा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।





कबूतरखाना स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में जाजू परिवार की ओर से अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भक्तों ने भगवान के दर्शन कर अन्नकूट प्रसाद का लाभ लिया। कार्यक्रम में कांता बाई जाजू, श्रीगोपाल जाजू, गोविंद जाजू, राजगोपाल जाजू, नंदकिशोर चांडक, किशन गोपाल जाजू, नंदकिशोर जाजू, संजय असावा, राजेश करवा, श्रीधर जाजू सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अतिसुंदर मिलाप

मिस यूनिवर्स में दोस्ती की झलक





नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच रिश्ते काफी जटिल हैं। इन तीनों देशों का इतिहास और संस्कृति तो एक जैसी है ही, लेकिन इनके बीच राजनीतिक तनाव और सरहदों की तल्खी भी चर्चा में रहती है। हालांकि, एक वजह से इन तीनों देशों का नाम पिछले कुछ दिनों से इंटरनेट की दुनिया में एक साथ लिया जा रहा है और इसके पीछे दुश्मनी नहीं, बल्कि दोस्ती है।

मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता में भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश की प्रतिनिधि हिस्सा ले रही हैं और तीनों के बीच खूब प्यार देखने को मिल रहा है। प्यूर्टो रिको में मिस यूनिवर्स के एक कार्यक्रम से इतर इन तीनों देशों की प्रतिनिधि एक साथ आईं और उन्होंने आपसी सौहार्द तथा बहनापे का जश्न मनाया। इस प्रतियोगिता के बीच तीनों पड़ोसी देशों की सुंदरियों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहे हैं।

सुंदरियों ने साझा की दोस्ती की तस्वीरें

तीनों सुंदरियों ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट के कैप्शन में बांग्लादेश की समीरा खान माही ने लिखा, 'देश अलग हैं, झंडे अलग हैं, लेकिन प्यार और दोस्ती एक जैसी है। सरहद रिश्तों के बीच नहीं आ सकती। मिस यूनिवर्स में इन खूबसूरत पलों को साझा करके बेहद खुशी हो रही है।' पोस्ट में डळीिंशीहेव हैशटैग का भी इस्तेमाल किया गया।

इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए पाकिस्तान की मिसबाह अरशद ने लिखा, 'अपनी खूबसूरत बहनों काजिया लिज मेजो और समीरा खान माही के साथ।'

किसने क्या पहना?

तस्वीरें खिंचवाते समय तीनों सुंदरियों ने बेहद खूबसूरत परिधान पहने थे। भारत की काजिया लिज मेजो बरगंडी रंग के को-ऑर्ड सेट में नजर आईं, जिसमें स्ट्रैपलेस टॉप और ट्राउजर शामिल थे। इस परिधान को लग्जरी वेस्टर्न-वियर ब्रांड रोजा डेम ने डिजाइन किया था। वहीं, बांग्लादेश की समीरा खान माही पाउडर ब्लू रंग के विशेष रूप से तैयार ब्लेजर-कम-टॉप और टेलर्ड पैंट वाले पावर सूट में नजर आईं। इस परिधान में उनका लुक काफी आकर्षक लग रहा था। पाकिस्तान की मिसबाह भी आधुनिक पश्चिमी परिधान में नजर आईं। उनके पहनावे में शर्ट, स्कर्ट और कढ़ाई वाला कॉर्सेट शामिल था। इस दौरान तीनों सुंदरियों ने अपने-अपने देश का सैश भी पहना हुआ था।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कार्पो'पेट' का...

पहले आठ महीने बाद चिट्ठी मिलती थी। आज एक हफ्ते में रिफंड आ जाता है। आता है या नहीं? कम से कम इसके लिए तो ताली बजाइए।

कंपनियों की कमाई अर्थव्यवस्था से तेज

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की जून 2026 की रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2019-20 से 2025-26 के बीच निफ्टी-500 कंपनियों की कमाई सालाना औसतन 28.7 प्रतिशत की दर से बढ़ी। इसी दौरान देश के सकल घरेलू उत्पाद की औसत सालाना वृद्धि 9.5 प्रतिशत रही। कंपनियों का मुनाफा बढ़ने के साथ विदेशों में भारतीय कंपनियों का निवेश भी बढ़ा है। फाइनेंशियल टाइम्स की इस साल जुलाई में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय कंपनियों ने 1 अप्रैल से शुरू हुए वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में विदेशों में 14 अरब डॉलर से अधिक के इक्विटी निवेश की घोषणा की। पिछले 12 महीनों में यह रकम 18.7 अरब डॉलर थी।

आम लोग दे रहे कंपनियों से ज्यादा टैक्स

भारत में अब व्यक्तिगत आयकर से सरकार को कॉर्पोरेट कर के मुकाबले अधिक कमाई हो रही है। सरकार ने वर्ष 2016 से कंपनियों को कई बार कर में राहत दी है। सितंबर 2019 में घरेलू कंपनियों के लिए कॉर्पोरेट कर की दर 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत करने का विकल्प दिया गया था। छोटी कंपनियों के लिए भी कम कर दर का लाभ बढ़ाया गया। दूसरी ओर, आम लोगों को भी नई कर व्यवस्था में राहत दी गई। इसके तहत कुछ शर्तों के साथ 12 लाख रुपये तक की सालाना आय पर कर नहीं देना पड़ता। आयकर विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023-24 में व्यक्तिगत आयकर और प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) से सरकार को 10.45 लाख करोड़ रुपये मिले। वहीं, कंपनियों से कॉर्पोरेट कर के रूप में 9.11 लाख करोड़ रुपये प्राप्त हुए।

यह पहली बार वित्त वर्ष 2020-21 में हुआ था, जब व्यक्तिगत आयकर से 4.88 लाख करोड़ रुपये मिले थे, जबकि कॉर्पोरेट कर से 4.58 लाख करोड़ रुपये आए थे। वित्त वर्ष 2021-22 में कॉर्पोरेट कर फिर आगे निकल गया। इसके बाद 2022-23 में व्यक्तिगत आयकर ने दोबारा बढ़त बना ली। जेएम फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशनल सिक्योरिटीज की अगस्त 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक, कुल प्रत्यक्ष कर में व्यक्तिगत आयकर की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2013-14 के 38.1 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 53.4 प्रतिशत हो गई। वहीं, कॉर्पोरेट कर की हिस्सेदारी 61.9 प्रतिशत से घटकर 46.6 प्रतिशत रह गई।

कंपनियों का मुनाफा रिकॉर्ड स्तर पर

कंपनियों को एक तरफ कर में राहत मिली है, तो दूसरी तरफ उनका मुनाफा भी तेजी से बढ़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मार्च 2026 के आकलन के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 में 7,992 कंपनियों का कर चुकाने के बाद बचने वाला मुनाफा 23.1 प्रतिशत बढ़ा।

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, इन कंपनियों का कुल मुनाफा वित्त वर्ष 2020-21 में 2.5 लाख करोड़ रुपये था। यह चार साल में बढ़कर 2024-25 में 7.1 लाख करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कंपनियों का शुद्ध मुनाफा मार्जिन भी 10 प्रतिशत से ऊपर पहुंच गया। इसमें विनिर्माण यानी सामान बनाने वाली कंपनियों का बड़ा योगदान रहा।

मोतीलाल ओसवाल की जून 2026 की रिपोर्ट में भी कंपनियों के बढ़ते मुनाफे की तस्वीर सामने आई। रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में निफ्टी-500 कंपनियों के मुनाफे का सकल घरेलू उत्पाद में हिस्सा बढ़कर 5.2 प्रतिशत हो गया। शेयर बाजार में सूचीबद्ध सभी भारतीय कंपनियों को मिलाकर यह हिस्सा 5.7 प्रतिशत रहा, जो 18 साल में सबसे ज्यादा है। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2025-26 में निफ्टी-500 कंपनियों का कुल मुनाफा 15.6 प्रतिशत बढ़कर 18.1 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। वित्त वर्ष 2021-22 में यह 9.8 लाख करोड़ रुपये था।

रोजगार बढ़ा, लेकिन पक्की नौकरियां कम

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, देश में रोजगार के कुछ संकेतकों में सुधार हुआ है। 15 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों में काम करने वालों का अनुपात 2017-18 के 46.8 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 58.2 प्रतिशत हो गया। इसी अवधि में बेरोजगारी दर 6 प्रतिशत से घटकर 3.2 प्रतिशत रही। हालांकि, रोजगार बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि लोगों को पक्की और सुरक्षित नौकरियां भी उसी अनुपात में मिली हैं।

नीति आयोग की आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) 2023-24 के आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट के मुताबिक, देश के 63.4 करोड़ कामकाजी लोगों में से करीब 87 प्रतिशत असंगठित क्षेत्र में काम कर रहे थे। केवल लगभग 13 प्रतिशत लोगों के पास औपचारिक नौकरी थी।

सीतारमण भी कर चुकी हैं अपील

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सितंबर 2025 में कहा था कि सरकार ने उद्योग जगत की जरूरतों और उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए नीतियां बनाई हैं। अब कंपनियों को आगे आकर अधिक निवेश करना चाहिए और उत्पादन बढ़ाने के लिए अपनी क्षमता का विस्तार करना चाहिए।

ईपीएफओ नियम...

ईपीएफओ के अनुसार, इस पहल से सदस्यों को लचीली, नियमित और भरोसेमंद आय का जरिया मिलेगा। इससे सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक सुरक्षा बढ़ेगी और उनके परिवारों के हितों की भी रक्षा होगी।

और क्या हुए सुधार?

केंद्रीय न्यासी बोर्ड ने न्यूनतम भविष्य निधि बैलेंस की जरूरत को 25 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत करने को भी मंजूरी दे दी है। इससे पात्र सदस्य 55 वर्ष की उम्र से पहले अपनी बचत का 90 प्रतिशत तक निकाल सकेंगे। इसके अलावा, अंतिम भविष्य निधि निकासी के लिए प्रतीक्षा अवधि को कथित तौर पर 12 महीने से घटाकर दो महीने कर दिया गया है।

अंतिम पेंशन निकासी के लिए न्यूनतम प्रतीक्षा अवधि 36 महीने ही रहेगी। एसडब्ल्यूपी प्रस्ताव से उन सेवानिवृत्त होने वाले सदस्यों को फायदा होने की उम्मीद है, जो अपनी बचत को तुरंत समाप्त किए बिना नियमित आय चाहते हैं। हालांकि, इस योजना के संचालन संबंधी दिशा-निर्देश, पात्रता की शर्तों और लागू होने की समय-सीमा का अभी इंतजार है।

2028 तक...

सोने की कीमतों में तेजी की उम्मीद लगाए बैठे निवेशकों के लिए गोल्डमैन सैक्स का नया अनुमान अहम है। इस वैश्विक निवेश बैंक का मानना है कि सोना 2028 के आखिर तक 5,600 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर पहुंच सकता है। हालांकि, इस लक्ष्य तक पहुंचने से पहले सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। गोल्डमैन सैक्स के मुताबिक, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में बढ़ोतरी निकट भविष्य में सोने की मांग पर दबाव डाल सकती है। दूसरी तरफ, दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी सोने की कीमतों को सहारा देती रहेगी। बाद में फेड की ब्याज दरों में कटौती और पश्चिमी देशों के निवेशकों की वापसी सोने में तेजी को नई रफ्तार दे सकती है।

2028 के अंत तक 5,600 डॉलर का लक्ष्य

गोल्डमैन सैक्स की विश्लेषक लीना थॉमस की अगुवाई वाली टीम ने अपनी नई शोध रिपोर्ट में अनुमान जताया है कि सोना 2028 के आखिर तक 5,600 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। बैंक के मुताबिक, इस लक्ष्य को हासिल करने में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती और पश्चिमी देशों के निवेशकों की वापसी अहम होगी।

गोल्डमैन सैक्स का मानना है कि ब्याज दरें घटने से सोने में निवेश की अवसर लागत कम होगी। इससे अमेरिका और यूरोप के निवेशक एक बार फिर गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेश बढ़ा सकते हैं। पश्चिमी बाजारों से आने वाली यह मांग सोने की कीमतों को 5,600 डॉलर के स्तर तक पहुंचाने में मदद कर सकती है।

2027 के अंत तक 4,650 डॉलर की संभावना

5,600 डॉलर के बड़े लक्ष्य से पहले गोल्डमैन सैक्स ने 2027 के आखिर तक सोने का भाव 4,650 डॉलर प्रति औंस रहने का अनुमान दिया है। बैंक के मुताबिक, इस दौरान सोने को सबसे ज्यादा सहारा केंद्रीय बैंकों की खरीदारी से मिलेगा।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2026 से 2028 के बीच केंद्रीय बैंक हर महीने औसतन 60 टन सोना खरीद सकते हैं। इसकी तुलना में 2022 से पहले केंद्रीय बैंकों की औसत मासिक खरीद करीब 17 टन थी। गोल्डमैन सैक्स का मानना है कि केंद्रीय बैंकों की यह खरीदारी विदेशी मुद्रा भंडार के प्रबंधन में आए बड़े बदलाव का संकेत है। कई देश अपने विदेशी मुद्रा भंडार में विविधता लाने और डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए सोने का भंडार बढ़ा रहे हैं।

पहले बढ़ेंगी ब्याज दरें, फिर कटौती का अनुमान

सोने की कीमतों को लेकर गोल्डमैन सैक्स के अनुमान में अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति की बड़ी भूमिका है। बैंक के अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि फेड दिसंबर 2026 में 25 आधार अंक और मार्च 2027 में एक और 25 आधार अंक की बढ़ोतरी कर सकता है। ब्याज दरें बढ़ने से निवेशकों के लिए बॉन्ड जैसे ब्याज देने वाले विकल्प ज्यादा आकर्षक हो सकते हैं। इससे सोने में निवेश की मांग पर दबाव पड़ सकता है।

हालांकि, गोल्डमैन सैक्स का अनुमान है कि नवंबर 2027 से सितंबर 2028 के बीच फेड चार बार 25-25 आधार अंकों की कटौती कर सकता है। इससे फेडरल फंड्स दर घटकर 3.25 से 3.50 प्रतिशत के दायरे में आ सकती है। बैंक के मुताबिक, ब्याज दरों में संभावित कटौती से पश्चिमी देशों के निवेशकों की सोने में दिलचस्पी फिर बढ़ सकती है। यही मांग सोने को 5,600 डॉलर के लक्ष्य तक पहुंचाने में मदद कर सकती है।

तेजी के अनुमान पर ये जोखिम भी

गोल्डमैन सैक्स ने सोने की कीमतों को लेकर कुछ जोखिमों का भी जिक्र किया है। अगर अमेरिकी फेड अनुमान से ज्यादा बार ब्याज दरें बढ़ाता है और ऊंची दरें लंबे समय तक बनी रहती हैं, तो सोने की तेजी सीमित हो सकती है। बैंक के एक जोखिम आकलन के मुताबिक, अगर फेड चार बार अतिरिक्त ब्याज दरें बढ़ाता है, तो 2027 के आखिर तक सोने का भाव 4,585 डॉलर प्रति औंस रह सकता है। वहीं, अगर गोल्ड ईटीएफ से करीब 300 टन सोने की निकासी होती है, तो 2027 के आखिर का अनुमान घटकर 4,265 डॉलर प्रति औंस तक आ सकता है।

इस तरह गोल्डमैन सैक्स का 5,600 डॉलर का अनुमान कोई गारंटी नहीं है। सोने की आगे की चाल केंद्रीय बैंकों की खरीदारी, अमेरिकी फेड की ब्याज दरों और पश्चिमी देशों के निवेशकों की वापसी पर निर्भर करेगी।

जल रहा....

मिली मौत की सजा के विरोध में 'काला दिवस' मनाया गया।

गुरुवार के बंद के दौरान परिवहन, दुकानें, उद्योग, दफ्तर, बैंक, अदालत और स्कूल-कॉलेज बंद रखने का ऐलान किया गया है। हालांकि, एंबुलेंस, अस्पताल, दवा दुकानें, दमकल और मीडिया को छूट दी गई है।

हसीना के गढ़ गोपालगंज में बवाल

अवामी लीग की सक्रियता सबसे ज्यादा हसीना के जन्मस्थान तुंगीपारा वाले गोपालगंज जिले में दिखाई दे रही है। रविवार को कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर शक्ति प्रदर्शन किया। लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से लैस भीड़ ने पुलिस बैरिकेड तोड़े, बख्तरबंद वाहन और पुलिस बॉक्स में तोड़फोड़ की तथा शेख कमल स्टेडियम के पास जुलाई स्मारक को आग लगा दी। अगस्त 2024 से बंद जिला अवामी लीग कार्यालय भी खोल दिया गया।

'द डेली स्टार' के मुताबिक, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेताओं और कार्यकर्ताओं के कम से कम सात घरों पर हमला हुआ। तुंगीपारा नगरपालिका के बीएनपी अध्यक्ष इमदादुल हक मोल्ला के घर में लूटपाट और आगजनी की गई तथा एक पुलिस उपनिरीक्षक घायल हो गया।

सोमवार को तुंगीपारा में मार्च निकाला गया और दो साल से बंद स्थानीय कार्यालय का ताला तोड़ा गया। 'प्रथम आलो' के मुताबिक, 100 से ज्यादा कार्यकर्ता जुटे और शेख मुजीबुर रहमान के मकबरे तक गए। कोटालीपाड़ा में स्थानीय हथियारों से लैस समर्थकों ने बीएनपी नेता के स्मारक मेहराब को नुकसान पहुंचाया और उसमें आग लगा दी।

थाने में आगजनी, बंदियों को छुड़ाया

मंगलवार शाम तुंगीपारा में अवामी लीग और छात्र लीग के कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद हिंसा भड़क गई। मस्जिद के लाउडस्पीकर से घोषणा के बाद भीड़ तुंगीपारा थाने के बाहर जुटी। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने थाने पर हमला कर तोड़फोड़ की, इमारत और गाड़ियों को आग के हवाले किया, कई बंदियों को छुड़ाया और हथियार भी लूट लिए।

गोपालगंज-3 के बीएनपी सांसद एसएम जिलानी के घर को भी आग लगा दी गई। हमले के वीडियो फेसबुक पर सामने आए, जिनमें 'जय बांग्ला' के नारे सुनाई दिए। थाने में नौ पुलिस वाहन और 15 मोटरसाइकिलें जल गईं।

बुधवार को गोपालगंज-तुंगीपारा रोड पर दरांती और कुल्हाड़ियों के साथ प्रदर्शन हुए। छह जगह पेड़ और बांस लगाकर रास्ते रोक दिए गए। तुंगीपारा थाना खाली पड़ा मिला, जहां कंप्यूटर और फर्नीचर क्षतिग्रस्त थे। पुलिसकर्मियों ने सामान हटाया और एक अधिकारी ने हथियार लूटे जाने तथा कुछ हथियारों की बरामदगी की पुष्टि की।

देशभर में धमाके, मजदूरों का आंदोलन

हिंसा सिर्फ गोपालगंज तक सीमित नहीं है। 7 से 9 नवंबर के बीच कम से कम 19 बसें जलाई गईं और 29 जगह देसी बम धमाकों की सूचना मिली। नेत्रकोना में हावर एक्सप्रेस के एक डिब्बे में आग लगी और ढाका विश्वविद्यालय के बिजनेस स्टडीज तथा आर्ट्स फैकल्टी के पास देसी बम फटे।

बीते 10 दिनों में कम से कम 28 जिलों में दर्जनों देसी बम धमाके और वाहनों में आगजनी की घटनाएं दर्ज हुईं। 16 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास दो देसी बम फटे। 10 नवंबर से ग्रामीण बैंक के कम से कम 37 कार्यालयों और शाखाओं को निशाना बनाया गया।

दूसरी ओर, गाजीपुर, सावर और आशुलिया में परिधान उद्योग के मजदूर ज्यादा वेतन की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। इसके चलते राजमार्ग जाम, झड़पें और बुधवार को गाजीपुर में पुलिस वाहन जलाने जैसी घटनाएं हुईं।

दाऊद...

कामरान फरीदी के मुताबिक, दाऊद इब्राहिम मुंबई से इस्लाम बाबा नाम के एक फकीर को पाकिस्तान बुलाकर ले गया था। दाऊद और उसका गिरोह इस बाबा से काफी प्रभावित था। कामरान का दावा है कि गिरोह का कोई भी सदस्य कोई बड़ा काम करने से पहले बाबा से इजाजत लेता था। बाबा की मंजूरी मिलने के बाद ही वे आगे बढ़ते थे। इस तरह दाऊद के कामकाज में इस फकीर की अहम भूमिका थी।

जरदारी को रात में फोन करने का दावा

कामरान ने दाऊद के पाकिस्तान के राजनीतिक परिवारों से संपर्क को लेकर भी दावा किया है। उनके मुताबिक, दाऊद अपना काम करवाने के लिए एक बार रात में पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी को फोन करता था। दाऊद की शादी को लेकर भी कामरान ने कम उम्र की लड़की से शादी किए जाने का दावा किया है।

तनाव बढ़ते ही बदल लेता है ठिकाना

दाऊद के पाकिस्तान में रहने और उसकी गतिविधियों को लेकर भी कामरान ने कई बातें कही हैं। उनका दावा है कि जब भी भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ता है, दाऊद अपना ठिकाना बदल लेता है। वह दिन में कराची की सड़कों पर नहीं निकलता और केवल रात के समय ही बाहर आता है।

कामरान के मुताबिक, दाऊद की सुरक्षा को लेकर लगातार सतर्कता बरती जाती है। उसकी सुरक्षा छोटा शकील संभालता है, जो कथित तौर पर हर शुक्रवार पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के मुख्यालय जाकर सुरक्षा से जुड़ी रिपोर्ट देता है। कामरान ने दाऊद के पाकिस्तान में तीन ठिकानों की जानकारी होने का भी दावा किया है।

कराची में 22 नंबर जमजमा का जिक्र

कामरान फरीदी ने दाऊद के कथित ठिकानों और वहां होने वाली गतिविधियों को लेकर भी चौंकाने वाले दावे किए हैं। उनके मुताबिक, दाऊद के कई भूमिगत ठिकाने हैं, जहां मुजरे की महफिलें सजती हैं। इनमें एक ठिकाना कराची की एक गली में स्थित 22 नंबर जमजमा बताया गया है।

कामरान के अनुसार, यह जगह बाहर से सामान्य मकान जैसी दिखती है। इसकी खिड़कियों में शीशे नहीं हैं, जबकि बेसमेंट के अंदर क्लब जैसा माहौल है। पूरा परिसर ध्वनिरोधी है, इसलिए बाहर से वहां होने वाली गतिविधियों का पता नहीं चलता। वहां बड़ी संख्या में सुरक्षा गार्ड तैनात रहते हैं। कामरान का दावा है कि दाऊद यहां पाकिस्तान के सरकारी अधिकारियों के साथ बैठकर मुजरा देखता है और कारोबारी बैठकें भी करता है।

कामरान ने आज तक रेडियो को बताया कि दाऊद खुद को धार्मिक दिखाता है, लेकिन उसकी निजी जिंदगी इससे अलग है। उन्होंने दावा किया कि दाऊद पांच वक्त का नमाजी नहीं है। वह मजलिस और मिलाद सुनता है, लेकिन उसे शराब और कोकीन का भी शौक रहा है। कामरान के अनुसार, उन्होंने खुद दाऊद के लिए शराब खरीदी थी। उनके दावे के मुताबिक, दाऊद ने थाईलैंड से 1,800 से 1,900 डॉलर की महंगी शराब की बोतल मंगाई थी। कामरान का कहना है कि दाऊद पहले शराब पीता था, लेकिन अब उसने इसे बंद कर दिया है और कोकीन लेता है। उन्होंने यह भी कहा कि दाऊद के हालात अब अच्छे नहीं हैं।

जाबिर मोतीवाला की गिरफ्तारी का मामला

कामरान फरीदी ने दाऊद की गिरफ्तारी से जुड़े जाबिर मोतीवाला के मामले का भी जिक्र किया। उनका कहना है कि एफबीआई के ऑपरेशन के तहत उन्होंने वर्ष 2018 में लंदन में दाऊद के करीबी जाबिर मोतीवाला को गिरफ्तार करवाने में भूमिका निभाई थी। अमेरिकी एजेंसी जाबिर को अमेरिका ले जाकर दाऊद और लश्कर-ए-तैयबा के कथित वित्तीय गठजोड़ को साबित करना चाहती थी।

इसके लिए कामरान की गवाही जरूरी थी।

कामरान का कहना है कि परिवार को दाऊद और आईएसआई से खतरा होने के डर से उन्होंने अमेरिकी अदालत में गवाही नहीं दी। इसके बाद जाबिर पाकिस्तान लौटने में कामयाब रहा।

कामरान के मुताबिक, इस ऑपरेशन की कीमत उन्हें चुकानी पड़ी। पाकिस्तान लौटने पर उन्हें गिरफ्तार कर महीनों जेल में रखा गया। उनका दावा है कि दाऊद और जाबिर ने आईएसआई की मदद से उन्हें निशाना बनाया। कामरान का कहना है कि वह केवल इसलिए बच सके, क्योंकि उनके पास अमेरिका की नागरिकता थी।

फिल्म में दिखाई गई छवि पर भी सवाल

कामरान ने फिल्म 'धुरंधर' में दाऊद को कमजोर और लाचार बूढ़े व्यक्ति के तौर पर दिखाए जाने पर भी सवाल उठाए हैं। उनका दावा है कि दाऊद की वास्तविक जिंदगी और उसकी मौजूदा गतिविधियां फिल्म में दिखाई गई छवि से काफी अलग हैं। उन्होंने कहा कि दाऊद अब भी पूरी तरह सक्रिय है और भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के दौरान अपना ठिकाना बदलता रहता है।

कामरान ने दावा किया कि दाऊद की पार्टियों में उनकी मौजूदगी रही है और उन्होंने उसे करीब से देखा है। उनके अनुसार, जब एफबीआई ने उन्हें पाकिस्तान में दाऊद के नेटवर्क में घुसने के लिए भेजा था, तब अक्सर उनकी दाऊद से मुलाकात होती थी और वे उसके साथ कई पार्टियों में जाते थे। दाऊद की निजी जिंदगी, उसके संपर्कों और पाकिस्तान में उसके ठिकानों से जुड़ी ये सभी बातें कामरान फरीदी के दावे हैं।

मुंबई में दाऊद के पुराने घर मुसाफिरखाना को लेकर भी चर्चा है। यह मकान बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के रडार पर बताया जा रहा है और इसे गिराए जाने की बात सामने आई है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 20 नवंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

मंदिर संरक्षण को मिलेगी नई गति





हैदराबाद, 19 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत की हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता, संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण के उद्देश्य से कार्यरत ऑल इंडिया ओल्ड टेंपल रेनोवेशन ट्रस्ट (एआईओटीआरटी) ने देशभर के प्राचीन एवं उपेक्षित मंदिरों के संरक्षण और जीर्णोद्धार के लिए संचालित राष्ट्रीय अभियान 'मिशन 108 – रिवाइव, रिस्टोर, रीबिल्ड' को नई गति देने की पहल की है।

इसी क्रम में ट्रस्ट के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राजकोट के सांसद पुरुषोत्तम रूपाला से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने ट्रस्ट की गतिविधियों, अब तक किए गए मंदिर जीर्णोद्धार कार्यों, वर्तमान परियोजनाओं और भविष्य की राष्ट्रीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की।

प्रतिनिधिमंडल में ऑल इंडिया ओल्ड टेंपल रेनोवेशन ट्रस्ट के चेयरमैन रवि कुमार जैन, एडवाइजर जस्मत पटेल, रिद्धिश जागिरदार एवं डॉ. पी.सी. रथ शामिल रहे।

मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी को 'मिशन 108 – अपना मिशन, अपनी धरोहर' का विशेष पोस्टर तथा प्राचीन मंदिरों के संरक्षण एवं जीर्णोद्धार से संबंधित पुस्तक भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों में हजारों प्राचीन मंदिर उचित देखभाल, आर्थिक संसाधनों और संरक्षण के अभाव में जर्जर अवस्था में पहुंच रहे हैं। इन मंदिरों के साथ प्राचीन स्थापत्य कला, ऐतिहासिक अभिलेख, मूर्तिकला, धार्मिक परंपराएं और सांस्कृतिक पहचान भी जुड़ी हुई हैं।

इसी विरासत को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से ट्रस्ट ने 'मिशन 108' की शुरुआत की है। इसके तहत देशभर के 108 प्राचीन मंदिरों की पहचान कर उनका संरक्षण एवं पारंपरिक स्वरूप में जीर्णोद्धार करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

ट्रस्ट का विशेष संकल्प है कि मंदिरों के जीर्णोद्धार के दौरान उनके मूल स्वरूप, स्थापत्य शैली और ऐतिहासिक पहचान को प्राथमिकता दी जाएगी। आधुनिक निर्माण के नाम पर प्राचीन मंदिरों की मौलिक संरचना और परंपरा से कोई छेड़छाड़ नहीं होने दी जाएगी।

प्रतिनिधिमंडल द्वारा अभियान की जानकारी प्रस्तुत किए जाने पर केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने ट्रस्ट के प्रयासों और इस सामाजिक-सांस्कृतिक पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्राचीन मंदिर केवल पूजा-अर्चना के स्थल नहीं हैं, बल्कि भारत की ऐतिहासिक पहचान, सांस्कृतिक विरासत और आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर हैं। इनका संरक्षण समाज और देश की सामूहिक जिम्मेदारी है। मंत्री ने इस पुनीत कार्य के लिए ट्रस्ट के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए इस दिशा में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद पुरुषोत्तम रूपाला से मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने ट्रस्ट के विभिन्न सामाजिक एवं राष्ट्रीय अभियानों की जानकारी दी। इस अवसर पर उन्हें 'गौ-सम्मान अभियान' तथा ऑल इंडिया वॉलंटियर एनिमल वेलफेयर ट्रस्ट से संबंधित पोस्टर भेंट किए गए।

बैठक में गौमाता के सम्मान एवं संरक्षण, पशु कल्याण और समाज में जनजागरूकता बढ़ाने के प्रयासों पर चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि ट्रस्ट की सामाजिक गतिविधियां केवल मंदिर संरक्षण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज में सेवा, करुणा, जीवदया और पशु कल्याण की भावना को प्रोत्साहित करना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है।

इसी दिशा में गौमाता के सम्मान, संरक्षण और जागरूकता के लिए 'गौ-सम्मान अभियान' तथा पशुओं के कल्याण के लिए ऑल इंडिया वॉलंटियर एनिमल वेलफेयर ट्रस्ट के माध्यम से विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल ने इन अभियानों को देशव्यापी स्तर पर आगे बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर पुरुषोत्तम रूपाला के साथ प्रतिनिधिमंडल ने समूह छायाचित्र भी लिया।



बेगम बाजार स्थित खेमदास मठ में श्री जीण माता एवं श्री श्याम सरकार सेवा ट्रस्ट द्वारा नवनिर्मित श्री जीण माता एवं श्री श्याम बाबा मंदिर के पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव (22 से 26 नवंबर) के लिए गणमान्य व्यक्तियों एवं विभिन्न सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया।

इस अवसर पर शिवनारायण फाउंडेशन के कमल अग्रवाल, तुषार अग्रवाल, एडवोकेट मेघारानी अग्रवाल, भाग्यनगर कांवड़ सेवा संघ, ॐ जय श्री श्याम समिति, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के अध्यक्ष सुरेश सिंघल, श्री पहाड़ी हनुमान मंदिर के चेयरमैन सुभाष अग्रवाल, ट्रस्टी विकास अग्रवाल, रितेश अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) तफसीर इकबाल तथा शिव कुमार अग्रवाल को महोत्सव का निमंत्रण दिया गया।

इस दौरान पहाड़ी श्याम मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, ट्रस्ट के विनय जैन, गिरीश गुप्ता, संदीप जैन, विजेन्द्र गोयल, प्रदीप कुमार सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र मंत्री आशीष शेलार से मिले मनमीत सिंह



हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश लेबर सेल के सह-संयोजक मनमीत सिंह ने गुरुवार को हैदराबाद स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में महाराष्ट्र सरकार के मंत्री एवं भाजपा नेता श्री आशीष शेलार से शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर विभिन्न संगठनात्मक एवं राजनीतिक विषयों पर चर्चा हुई। उल्लेखनीय है कि आशीष शेलार महाराष्ट्र सरकार में सूचना प्रौद्योगिकी एवं सांस्कृतिक विभाग के मंत्री होने के साथ मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष तथा तेलंगाना राज्य के चुनाव प्रभारी भी हैं।

भारत में महत्वपूर्ण जीवाणु एवं विषाणुजनित रोगजनकों की निगरानी के लिए दिशा-निर्देश जारी



हैदराबाद, 19 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण जीवाणु एवं विषाणुजनित रोगजनकों की निगरानी को मजबूत बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 16 नवंबर, 2026 को नई दिल्ली में अपशिष्ट जल आधारित पर्यावरणीय निगरानी के लिए राष्ट्रीय दिशा-निर्देश जारी किए। इन दिशा-निर्देशों के माध्यम से इन्फ्लूएंजा, मंकीपॉक्स, हेपेटाइटिस सहित विभिन्न संक्रामक रोगों के रोगजनकों की समय रहते पहचान और निगरानी का दायरा बढ़ाया जाएगा। इस राष्ट्रीय पहल में हैदराबाद स्थित वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केंद्र (सीसीएमबी) की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कोविड-19 महामारी के दौरान जब पूरा देश इस चुनौती से जूझ रहा था, तब सीएसआईआर-सीसीएमबी, हैदराबाद ने अपशिष्ट जल आधारित पर्यावरणीय निगरानी कार्यक्रम की शुरुआत की थी। इस पहल का उद्देश्य अपशिष्ट जल के नमूनों का वैज्ञानिक विश्लेषण कर उनमें मौजूद रोगजनकों की पहचान करना है। इसके लिए सीवेज उपचार संयंत्रों तथा खुले नालों से नमूने एकत्र किए जाते हैं और उनमें रोगजनकों की उपस्थिति की जांच की जाती है।

संक्रमण की पहचान में प्रभावी माध्यम

अपशिष्ट जल आधारित निगरानी संक्रामक रोगों की पहचान और रोकथाम का किफायती एवं प्रभावी माध्यम है। इसके जरिए ज्ञात तथा उभरते हुए संक्रामक रोगजनकों की मौजूदगी के बारे में समय रहते चेतावनी मिल सकती है। साथ ही किसी क्षेत्र में रोगों के प्रसार और संक्रमण के कुल प्रभाव का आकलन करने तथा संभावित रोग प्रकोपों का पूर्वानुमान लगाने में भी सहायता मिलती है। कोविड-19 महामारी के दौरान इस निगरानी प्रणाली का महत्व वैश्विक स्तर पर सामने आया था। यह दुनिया भर में फैल रहे सार्स-कोव-2 वायरस के विभिन्न स्वरूपों की पहचान करने में अत्यंत उपयोगी साबित हुई। इस प्रणाली ने वायरस के प्रसार में होने वाले बदलावों का पता लगाने और जनस्वास्थ्य संबंधी आवश्यक कदम समय पर उठाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

एपीएसआई इंडिया का हुआ गठन

वर्ष 2021 में सीएसआईआर-सीसीएमबी ने देशभर के कई अनुसंधान एवं नैदानिक संस्थानों के साथ मिलकर एलायंस फॉर पैथोजन सर्विलांस एंड इनोवेशन्स (एपीएसआई), इंडिया नामक संघ का गठन किया। इसके प्रमुख सहयोगी संस्थानों में बेंगलुरु स्थित टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर) का नेशनल सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज (एनसीबीएस) और टाटा इंस्टीट्यूट फॉर जेनेटिक्स एंड सोसाइटी शामिल हैं।

इसके अलावा पुणे स्थित सीएसआईआर-राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, नॉलेज क्लस्टर और भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर), दिल्ली स्थित अशोका विश्वविद्यालय तथा सीएसआईआर-जीनोमिक्स एवं एकीकृत जीवविज्ञान संस्थान (आईजीआईबी) और शिलांग स्थित पाश्चर संस्थान भी इस पहल से जुड़े।

इन सभी संस्थानों के सामूहिक प्रयासों से अपशिष्ट जल आधारित पर्यावरणीय निगरानी को देश की मौजूदा रोग निगरानी प्रणालियों में शामिल करने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई। एपीएसआई के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित प्रोटोकॉल सार्स-कोव-2 और इन्फ्लूएंजा वायरस जैसे रोगजनकों के साथ-साथ रोगाणुरोधी प्रतिरोध में योगदान देने वाले जीवाणुओं की पहचान करने में सक्षम हैं।

केंद्र सरकार ने जारी किए राष्ट्रीय दिशा-निर्देश

एपीएसआई ने स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर काम किया। इनमें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) भी शामिल है, जो देश में रोग निगरानी की नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है।

एपीएसआई की टीम के इन प्रयासों के परिणामस्वरूप स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 16 नवंबर, 2026 को नई दिल्ली में आधिकारिक तौर पर 'सार्वजनिक स्वास्थ्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण रोगजनकों के लिए अपशिष्ट जल निगरानी संबंधी राष्ट्रीय दिशा-निर्देश' जारी किए।

इन दिशा-निर्देशों का विमोचन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अपर सचिव (जन स्वास्थ्य) डॉ. राकेश गुप्ता ने किया। इस अवसर पर मंत्रालय के संयुक्त सचिव (जन स्वास्थ्य) श्री हर्ष मंगला, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र की निदेशक डॉ. संध्या कबरा तथा मंत्रालय एवं एनसीडीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एपीएसआई-इंडिया के सदस्य भी शामिल हुए।

कई गंभीर बीमारियों की होगी निगरानी

नए दिशा-निर्देश सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए महत्वपूर्ण साधन साबित होंगे। इनके माध्यम से अपशिष्ट जल आधारित पर्यावरणीय निगरानी कार्यक्रमों का विस्तार कर कई अन्य संक्रामक रोगों के रोगजनकों की पहचान की जा सकेगी।

इसमें इन्फ्लूएंजा, मंकीपॉक्स, हेपेटाइटिस-ए एवं हेपेटाइटिस-ई, रोटावायरस, एडेनोवायरस और रेस्पिरेटरी सिंसिटियल वायरस (आरएसवी) के साथ-साथ विब्रियो कॉलेरी, साल्मोनेला टाइफी और साल्मोनेला पैराटाइफी जैसे जीवाणुओं की निगरानी शामिल है। इसके अतिरिक्त भविष्य में महामारी का खतरा पैदा कर सकने वाले नए रोगजनकों का भी पता लगाने में सहायता मिलेगी।

सीएसआईआर-सीसीएमबी के निदेशक डॉ. विनय के. नंदिकूरी ने कहा, हमें उम्मीद है कि अपशिष्ट जल आधारित पर्यावरणीय निगरानी कार्यक्रमों का विस्तार विभिन्न रोगजनकों तक करने से उनके प्रभावी प्रबंधन में मदद मिलेगी, जैसा कि कोविड-19 के मामले में संभव हो पाया था।

पोलियो उन्मूलन से मिली निगरानी को मजबूती

भारत ने पोलियो उन्मूलन के प्रयासों में दो दशकों से भी अधिक समय से अपशिष्ट जल की पर्यावरणीय निगरानी के महत्व को अनुभव किया है। कोविड-19 महामारी के दौरान भी इस प्रणाली ने वायरस के प्रसार में बदलावों का पता लगाने और चिकित्सकीय निगरानी को पूरक सहायता प्रदान करने में अपनी उपयोगिता साबित की।

अपशिष्ट जल आधारित पर्यावरणीय निगरानी कार्यक्रम राष्ट्रीय वन हेल्थ मिशन के उद्देश्यों को पूरा करने में भी सहयोगी हैं। इनके माध्यम से मानव स्वास्थ्य, पशु स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़े संभावित संक्रमणों की निगरानी को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। यह पहल देश में अधिक सुदृढ़, त्वरित प्रतिक्रिया देने वाली और प्रभावी स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म : महेश गुप्ता

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265-ए के पास नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए महेश गुप्ता ने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। मानव जीवन की सार्थकता केवल अपने लिए जीने में नहीं, बल्कि दूसरों के दुख-दर्द को समझकर उनके जीवन में खुशियां लाने में है।

जरूरतमंदों की सेवा करना, भूखों को भोजन कराना और असहाय लोगों की सहायता करना ही सच्चे अर्थों में मानवता की पहचान है।





उन्होंने कहा कि अन्नसेवा केवल भोजन वितरित करने का कार्य नहीं, बल्कि इसमें प्रेम, करुणा, अपनत्व और परोपकार की भावना समाहित है। जब किसी जरूरतमंद को सम्मानपूर्वक भोजन कराया जाता है, तो उससे मिलने वाली आत्मसंतुष्टि किसी भी भौतिक सुख से कहीं अधिक होती है।

सेवा के कार्यों में दिखावे की नहीं, बल्कि निस्वार्थ भावना और समर्पण की आवश्यकता होती है। समाज में यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा का संकल्प ले, तो कोई भी जरूरतमंद भूखा नहीं रहेगा।

इस अवसर पर सतीश कुमार गुप्ता, महेश अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, नंदकिशोर अग्रवाल, डॉ. चंद्रकला अग्रवाल, भगतराम गोयल, मनीष अग्रवाल, गोपाल गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्यों में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए निस्वार्थ भाव से मानव सेवा के इस पुनीत अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 19 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज महाराजा अग्रसेन मार्ग शाखा की बैठक बंजारा हिल्स स्थित नीलोफर कैफे में आयोजित की गई। शाखा के प्रचार एवं प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि बैठक की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल ने की। इस अवसर पर अध्यक्ष ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया।

बैठक में निर्णय लिया गया कि शाखा की ओर से दीपावली मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम रविवार, 22 नवंबर को बंजारा हिल्स स्थित गोल्डन टेम्पल के सभागृह में शाम 7 बजे से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक सुरेंद्र कुमार अग्रवाल ने शाखा के सभी सदस्यों, अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों एवं केंद्रीय समिति के सदस्यों से परिवार और मित्रों सहित उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया। अग्रवाल समाज सदस्यता अभियान समिति के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि शाखा के कई सदस्यों के परिवारजनों को अग्रवाल समाज के प्रिविलेज कार्ड उपलब्ध करवा दिए गए हैं। उन्होंने शेष सदस्यों से अपील की कि जिनके परिवार के सदस्यों के प्रिविलेज कार्ड बनवाने हैं, वे उनसे मोबाइल नंबर 9396222880 पर संपर्क करें। संबंधित सदस्य अपने आधार कार्ड और फोटो उक्त नंबर के व्हाट्सऐप पर भेज दें, ताकि उनके परिवार के प्रिविलेज कार्ड बनवाकर भेजे जा सकें।



बैठक में शाखा अध्यक्ष मुन्ना लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल, मानद मंत्री सुभाष कुमार अग्रवाल (दिल्लीवाले), सहमंत्री अजय कुमार दोचानिया, केंद्रीय समिति सदस्य राजेंद्र कुमार अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, परामर्शदाता विट्ठल दास अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य कैलाश अग्रवाल तथा सदस्य अशोक कुमार अग्रवाल सहित अन्य उपस्थित थे।

सिद्धिपेट में कांग्रेस का परचम लहराने का दावा

2029 में बीआरएस के गढ़ में जीत का लक्ष्य, हरीश राव और केसीआर पर रेवंत रेड्डी के तीखे प्रहार

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने दावा किया कि 2029 के विधानसभा चुनाव में सिद्धिपेट में कांग्रेस का झंडा लहराएगा। लंबे समय से भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का मजबूत गढ़ माने जाने वाले इस क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पार्टी को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि 2029 में एक बार फिर इंदिरम्मा राज्यम की सरकार बनेगी और 2034 तक सत्ता में रहेगी।

एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि सिद्धिपेट की जनता कांग्रेस का विधायक चुनती है तो इस क्षेत्र को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी का टिकट स्थानीय जनता की पसंद के नेता को ही दिया जाएगा। जीत सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी उन्होंने जनता पर डाली।

मदन मोहन राव को श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री ने दिवंगत वरिष्ठ नेता मदन मोहन राव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि तेलंगाना राज्य आंदोलन के शुरुआती दौर में उन्होंने सिद्धिपेट से तेलंगाना के स्वाभिमान की आवाज बुलंद की थी। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार शीघ्र ही सिद्धिपेट मेडिकल कॉलेज का नाम मदन मोहन राव के नाम पर रखने के लिए आधिकारिक आदेश जारी करेगी।

बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) पर निशाना साधते हुए रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि उन्होंने अपने राजनीतिक मार्गदर्शक के साथ विश्वासघात किया था। उन्होंने कहा कि केसीआर ने एन.टी. रामाराव और चंद्रबाबू नायडू के साथ मिलकर तेलुगु देशम पार्टी के टिकट पर मदन मोहन राव के खिलाफ चुनाव लड़ा था। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केसीआर और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने मदन मोहन राव की राजनीतिक विरासत को जनता की स्मृति से मिटाने का प्रयास किया।

हरीश राव पर संपत्ति को लेकर आरोप

रेवंत रेड्डी ने बीआरएस के वरिष्ठ नेताओं पर व्यक्तिगत और राजनीतिक हमले करते हुए कहा कि तेलंगाना राज्य आंदोलन में योगदान देने वाले कार्यकर्ताओं के परिवार आज आर्थिक कठिनाइयों से जूझ रहे हैं, जबकि कुछ नेताओं के परिवारों ने हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित कर ली है।

उन्होंने हरीश राव का उल्लेख करते हुए कहा कि जो नेता वर्ष 2004 में वार्ड सदस्य का चुनाव भी नहीं जीत पाए थे, वे बाद में कैबिनेट मंत्री बने और उन्होंने सिद्धिपेट में कांग्रेस को समाप्त करने की योजना बनाई।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि दिवंगत सोलिपेटा रामलिंगा रेड्डी का परिवार आज निजी कार तक का मालिक नहीं है, जबकि हरीश राव के परिवार ने हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की और रंगनायक सागर के निकट फार्महाउस बनाए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हरीश राव निजी शिक्षण संस्थानों, जैसे नारायणा कॉलेजों को व्यावसायिक रूप से दूध की आपूर्ति कर रहे हैं, जबकि पहले वे इन संस्थानों का विरोध करते थे।

सिद्धिपेट में 544 करोड़ की विकास योजनाओं का शुभारंभ



तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को सिद्धिपेट में आयोजित विशाल जनसभा में 544.11 करोड़ रुपये की कल्याणकारी एवं विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने पहली बार सार्वजनिक रूप से उन कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधा, जो पार्टी और मुख्यमंत्री की कार्यप्रणाली की आलोचना कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने किसी नेता का नाम लिए बिना कहा कि कुछ लोग सार्वजनिक रूप से पार्टी की आलोचना करते हैं, लेकिन निजी मुलाकातों में सरकार के अच्छे कार्यों की प्रशंसा करते हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता ऐसे लोगों को हैदराबाद के एर्रागड्डा अस्पताल पहुंचाना जानते हैं।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि यदि सरकार के किसी कार्य में कमी है तो संबंधित लोग सीधे उनसे संपर्क कर अपनी बात रखें, लेकिन यदि सरकार ने अच्छा काम किया है तो उसकी प्रशंसा पूरे शहर में होनी चाहिए। उन्होंने पार्टी नेताओं को अनुशासन बनाए रखने और सरकार के सामूहिक उद्देश्य पर ध्यान केंद्रित करने की चेतावनी दी।

एर्रागड्डा हैदराबाद स्थित मानसिक स्वास्थ्य अस्पताल है। मुख्यमंत्री की इस टिप्पणी को पार्टी के भीतर सार्वजनिक रूप से असहमति जताने वाले नेताओं के प्रति उनकी कड़ी चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है।

सिद्धिपेट में यह जनसभा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर आयोजित की गई। इस दौरान इंदिरम्मा फैमिली लाइफ इंश्योरेंस योजना और इंदिरम्मा साड़ियों के वितरण कार्यक्रम की शुरुआत की गई।

सिद्धिपेट बीआरएस नेता हरीश राव का मजबूत राजनीतिक गढ़ माना जाता है और यह जिला राजनीतिक दृष्टि से काफी संवेदनशील है। मुख्यमंत्री की पदयात्रा और जनसभा में मंत्रियों तथा विधायकों के साथ बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। हालांकि, बीआरएस ने दावा किया कि सिद्धिपेट की जनता ने इस रैली में भाग नहीं लिया।

केबीआर पार्क में नियमित अन्नसेवा का आयोजन



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क में गुरुवार को नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने सेवाभाव और समर्पण के साथ जरूरतमंदों को अन्नदान कर मानव सेवा का संदेश दिया।

इस मौके पर सतीश कुमार गुप्ता ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जरूरतमंदों की सेवा करना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि ईश्वर की सच्ची आराधना भी है। अन्नदान से बढ़कर कोई सेवा नहीं, क्योंकि इससे किसी जरूरतमंद की भूख मिटती है और उसके चेहरे पर मुस्कान आती है। सेवा का वास्तविक महत्व तभी है, जब वह बिना किसी स्वार्थ और दिखावे के प्रेम एवं आत्मीयता के साथ की जाए।

ग्रुप का उद्देश्य समाज में सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को मजबूत करना है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर नियमित रूप से संचालित अन्नसेवा कार्यक्रम इसी संकल्प का प्रतीक हैं। इस सेवा कार्य में मनीष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता एवं सुभाष अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

निस्वार्थ सेवा से तेलंगाना में बनी राधे-राधे ग्रुप की अलग पहचान : वेंकट राव



हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नसेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए वेंकट राव ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप ने अपनी निस्वार्थ सेवा भावना, समर्पण और निरंतर सेवा कार्यों के बल पर पूरे तेलंगाना में एक अलग पहचान स्थापित की है। ग्रुप की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां सेवा किसी स्वार्थ, प्रसिद्धि या दिखावे के लिए नहीं, बल्कि पूरी निष्ठा और मानवता के भाव से की जाती है। उन्होंने कहा कि इस सेवा कार्य से जुड़ा प्रत्येक व्यक्ति तन-मन-धन से अपना योगदान दे रहा है। यही सामूहिक समर्पण और सहयोग की भावना ग्रुप की वास्तविक ताकत है। जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि मानवता, प्रेम और सामाजिक जिम्मेदारी का उदाहरण है। राधे-राधे ग्रुप ने यह साबित किया है कि जब लोग निस्वार्थ भाव से एक उद्देश्य के लिए एकजुट होते हैं, तो सेवा का कार्य समाज में प्रेरणा का स्रोत बन जाता है। इस अवसर पर अनिल अग्रवाल धरशुवाले, शिव भगवान अग्रवाल, नरेश बंसल, राजेश सर (योग), अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, लता गोयल एवं वेंकट राव सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

तेलंगाना की 1.01 लाख करोड़ की सड़क परियोजनाओं के लिए गडकरी से सहयोग मांगा

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने गुरुवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर राज्य की लंबित सड़क एवं आधारभूत संरचना परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने का आग्रह किया।

इनमें हैदराबाद क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) का उत्तरी हिस्सा, हैदराबाद-अमरावती ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे तथा हैदराबाद-श्रीशैलम के बीच एलिवेटेड कॉरिडोर प्रमुख हैं।

1.01 लाख करोड़ के प्रस्ताव

हैदराबाद के हिटेक्स में आयोजित भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के 85वें वार्षिक अधिवेशन के उद्घाटन समारोह के दौरान मंत्री कोमाटिरेड्डी ने केंद्रीय मंत्री के समक्ष लगभग 1.01 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली और 511 किलोमीटर क्षेत्र को कवर करने वाली विभिन्न परियोजनाओं के प्रस्ताव रखे।

प्रमुख प्रस्ताव इस प्रकार हैं :

1. उत्तरी क्षेत्रीय रिंग रोड: वर्ष 2016 में घोषित हैदराबाद क्षेत्रीय रिंग रोड के उत्तरी हिस्से को शीघ्र मंजूरी देने और उत्तरी क्षेत्रीय संपर्क मार्ग को स्वीकृति देने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि दक्षिणी हिस्से के लिए राज्य सरकार ने भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

2. हैदराबाद-अमरावती ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे: परियोजना को गति देने तथा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि गडकरी पहले भी इस परियोजना में सहयोग का आश्वासन दे चुके हैं।

3. राज्य राजमार्गों का उन्नयन: लगभग 2,144 किलोमीटर लंबाई वाली 23 राज्य सड़कों को राष्ट्रीय राजमार्ग के मानकों के अनुरूप विकसित करने का प्रस्ताव रखा।

4. सड़क निर्माण परियोजनाएं: 511 किलोमीटर क्षेत्र में 1,01,227 करोड़ रुपये की लागत वाली सड़क परियोजनाओं को मंजूरी देने का आग्रह किया।

5. डबल डेकर एलिवेटेड कॉरिडोर: एलबी नगर से हयातनगर के बीच छह किलोमीटर लंबे डबल डेकर एलिवेटेड कॉरिडोर को मंजूरी देने की मांग की।

6. हैदराबाद-श्रीशैलम एलिवेटेड कॉरिडोर: वन क्षेत्र से होकर गुजरने वाले 61 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड कॉरिडोर को मंजूरी देने का अनुरोध किया। मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री ने स्वयं इस प्रस्ताव को



आगे बढ़ाया है और डीपीआर सर्वेक्षण एवं मंजूरी में तेजी लाने का आग्रह किया है।

7. हैदराबाद-विजयवाड़ा राजमार्ग: राष्ट्रीय राजमार्ग-65 को छह लेन में विकसित करने की मांग की। कोमाटिरेड्डी ने बताया कि पिछले वर्ष इस राजमार्ग पर सड़क दुर्घटनाओं में 564 लोगों की मौत हुई थी। उन्होंने केंद्र से बिना देरी के कार्य शुरू करने का आग्रह किया।

8. रोपवे परियोजनाएं: पर्वतमाला योजना के तहत लगभग 1,230 करोड़ रुपये की लागत से पांच रोपवे परियोजनाओं को मंजूरी देने का प्रस्ताव रखा।

9. रेलवे ओवरब्रिज एवं अंडरब्रिज: सेतु बंधन योजना के तहत तीन रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) और रेलवे अंडरब्रिज (आरयूबी) परियोजनाओं को स्वीकृति देने की मांग की।

10. परिवहन प्रशिक्षण संस्थान: हैदराबाद-विजयवाड़ा राजमार्ग पर नलगोंडा जिले में उपलब्ध 67 एकड़ सरकारी भूमि पर विश्वस्तरीय अंतरराष्ट्रीय परिवहन एवं सड़क इंजीनियरिंग प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव रखा।

11. सड़क किनारे सुविधाएं: राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे नई यात्री सुविधाएं और ट्रक टर्मिनल स्थापित करने का आग्रह किया।

मंत्री ने तेलंगाना राइजिंग विजन 2047 के तहत राज्य के बुनियादी ढांचे के विकास में केंद्र से सहयोग मांगा। इस योजना का उद्देश्य हैदराबाद को वैश्विक शहर के रूप में विकसित करना और राज्य के सभी जिलों में संतुलित विकास सुनिश्चित करना है।

गडकरी ने सहयोग का दिया आश्वासन

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने तेलंगाना के आधारभूत ढांचे के विकास के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। हालांकि, उन्होंने राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत किसी भी परियोजना के संबंध में विशेष मंजूरी या कार्य शुरू होने की समयसीमा की घोषणा नहीं की।

गडकरी ने सड़क निर्माण में गुणवत्ता, सुरक्षा और टिकाऊपन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन मामलों में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।

उन्होंने रियायतधारकों, सलाहकारों और इंजीनियरों से गुणवत्तापूर्ण आधारभूत ढांचा तैयार करने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि मंत्री, अधिकारी, इंजीनियर, ठेकेदार और सलाहकार मिलकर काम करें तो देश के आधारभूत ढांचे को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।

भारतीय सड़क कांग्रेस का 85वां वार्षिक अधिवेशन सड़क निर्माण, सुरक्षा, टिकाऊ आधारभूत ढांचे और आधुनिक तकनीकों पर चर्चा के लिए नीति निर्माताओं, इंजीनियरों, शोधकर्ताओं और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को एक मंच प्रदान कर रहा है।

भाजपा की संगठनात्मक बैठक आयोजित



हैदराबाद, 19 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भाजपा तेलंगाना प्रदेश कार्यालय में महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी, तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव तथा महाराष्ट्र के सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बैठक में पार्टी की आगामी चुनावी तैयारियों, बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने तथा सभी मोर्चों एवं प्रकोष्ठों के बीच समन्वय और सामंजस्य को अधिक सुदृढ़ करने पर विस्तृत एवं रचनात्मक चर्चा हुई। इसका उद्देश्य पार्टी की सामूहिक कार्यक्षमता और प्रभावशीलता को बढ़ाना रहा।

इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, तेलंगाना की ओर से प्रतिनिधित्व करते हुए अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह ने संगठन के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने, जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने तथा पार्टी के निरंतर विस्तार और चुनावी सफलता में पूर्ण योगदान देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

बैठक के अंत में सभी नेताओं ने सामूहिक संकल्प, संगठनात्मक अनुशासन और अटूट समर्पण के साथ मजबूत एवं सशक्त भाजपा के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

झुंझुनूं संघ का दिवाली मिलन 22 को

हैदराबाद, 19 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। झुंझुनूं प्रगति संघ की हैदराबाद इकाई की ओर से इस वर्ष दिवाली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन 22 नवंबर, रविवार को दोपहर 12.01 बजे अबिड्स स्थित पिंड दी चस्का रेस्त्रां के विसरा बैंक्वेट हॉल में किया जाएगा।

संघ के सचिव डॉ. दिलीप पंसारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम की शुरुआत आपसी मेल-मिलाप एवं अल्पाहार के साथ होगी। इसके पश्चात मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें संघ के वरिष्ठ सदस्यों, पूर्व अध्यक्षों तथा सदैव सहयोग प्रदान करने वाले सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा।

समारोह का प्रमुख आकर्षण चांदी के आकर्षक पुरस्कारों से भरपूर तंबोला कार्यक्रम 'जीतो चांदी' होगा। इसके अलावा आयोजन में कई अन्य पुरस्कारों की भी व्यवस्था की गई है।

संघ के अध्यक्ष सुरेश गुप्ता, उपाध्यक्ष कुंज बिहारी मित्तल, सह सचिव नितिन तुलस्यान, कोषाध्यक्ष शंकरलाल तुलस्यान एवं निवर्तमान अध्यक्ष राजकुमार पसारी ने संघ के सभी सदस्यों से सपरिवार समारोह में उपस्थित होकर दिवाली स्नेह मिलन की खुशियां साझा करने का आग्रह किया है।

2047 तक तेलंगाना को 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य

हैदराबाद, 20 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि विकास, राष्ट्रीय हित, आधारभूत ढांचे और जनकल्याण जैसे विषयों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने देश के विकास लक्ष्यों को हासिल करने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय एवं सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। गुरुवार को हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (एचआईसीसी) में भारतीय सड़क कांग्रेस (आईआरसी) के 85वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीति केवल चुनाव के समय तक सीमित रहनी चाहिए। शेष समय देश के विकास के लिए समर्पित होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 में भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होंगे। इस अवसर तक देश को सामूहिक प्रयासों से 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए।

उन्होंने बताया कि तेलंगाना सरकार ने वर्ष 2047 तक राज्य को 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए वर्ष 2034 तक एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का मध्यवर्ती लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से तेलंगाना के विकास कार्यों में सहयोग का आग्रह किया। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से राज्य के सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी द्वारा प्रस्तुत सड़क परियोजनाओं के प्रस्तावों पर पूरा सहयोग देने का अनुरोध किया।

श्री बालवीर हनुमान मंदिर में अन्नकूट महोत्सव संपन्न



हैदराबाद, 19 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नामपल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 स्थित श्री बालवीर हनुमान मंदिर में श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर प्रभुदास जी महाराज के सानिध्य में भव्य अन्नकूट महोत्सव श्रद्धा एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर भगवान को 56 भोग एवं 36 व्यंजनों का प्रसाद अर्पित किया गया। सुबह 7 बजे श्रीराम दरबार एवं हनुमान जी का अभिषेक और चोला श्रृंगार किया गया। दोपहर में भजन-कीर्तन तथा शाम 6:15 बजे आरती के बाद अन्नकूट प्रसादी शुरू हुई, जो अर्धरात्रि तक चली। हजारों श्रद्धालुओं ने दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर महाराज जी ने राजस्थान ब्राह्मण सभा के बैनर का लोकार्पण किया। नरेश पांडिया ने अयप्पा स्वामी की माला धारण कर महाराज जी को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। महोत्सव का विशेष आकर्षण प्रभुदास जी महाराज एवं संत सेवाराम जी का हरिहर मिलन एवं आत्मीय संत मिलन रहा। कार्यक्रम में भेरूलाल उपाध्याय, मदनलाल उपाध्याय, रामदेव नागला, मुरलीधर व्यास, लालचंद उपाध्याय, पवन ओझा, रमेश जोशी, रामदयाल शर्मा, चेतन व्यास, सत्यनारायण उपाध्याय, मोहनलाल व्यास, पवन पांडिया, द्वारका प्रसाद तिवारी, जयप्रकाश व्यास, मुकेश उपाध्याय (सिकंदराबाद), जगदीश प्रसाद उपाध्याय, नरेश पांडिया, आनंद व्यास, सत्यनारायण ओझा, रामेश्वर पांडेय, सीताराम कोलरिया, संतोष जोशी, नंदकिशोर खरतावत, रामेश्वरलाल उपाध्याय, बिरजगोपाल खरतावत एवं मंगल तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। भक्ति, सेवा एवं सामाजिक समरसता के वातावरण में महोत्सव का समापन हुआ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.